MOU Holder and Distributors
RN METALS Pvt. Ltd
Distributors of SAIL & VSP products in Telangana
Stockist of MS Beams MS Channel, MS Angle, MS Plates, TMT Bars
A-23/5 & 6, APIE, BALANAGAR, HYD.-500 037
040-23774718, 040-23774719, 9160111471

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

MINISO
Please visit store nearest to you at these locations :
IRRUMMANZIL (L&T MALL)
MOOSARAMBAGH (L&T MALL)
KOMPALLY (TNR PLAZA)

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2026-28 | रविवार, 26 अप्रैल, 2026 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | website : https://www.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 12 | मूल्य-8 रु. | वर्ष-8 | अंक-113

मिलाप नाकाम-वार्ता फेल

ईरान लौटा-यूएस दौरा रद्द

नयी दिल्ली, 25 अप्रैल (एजेंसियां)। ईरान और अमेरिका में जंग और तनाव के बीच शनिवार को नई उम्मीद की किरण दिखी थी, लेकिन अब वह उम्मीद टूट गई है। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची अपनी एक बड़ी टीम के साथ पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद में थे। पाकिस्तान दोनों देशों के बीच बिचौलिया यानी मध्यस्थ की भूमिका निभाने वाला था। लेकिन, ईरान का डेलिगेशन बिना अमेरिकी प्रतिनिधित्व के इस्लामाबाद में आए हुए ही पाकिस्तान से चले गए। अब अमेरिकी प्रतिनिधित्व ने भी पाकिस्तान का दौरा रद्द करने का ऐलान किया है।

ईरान सीधे अमेरिका से बात करने को तैयार नहीं है इसलिए पाकिस्तान दोनों के बीच संदेश पहुंचाने का काम कर रहा था। अमेरिका से भी स्पेशल दूत इस्लामाबाद आने वाले थे। लेकिन ईरानी प्रतिनिधित्व चले गए हैं तो उन्होंने भी अपने दौरे को रद्द कर दिया है। ये ऐलान राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने किया है।

अराघची और पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ की मुलाकात हुई। इस मीटिंग में पाकिस्तान के उप प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री इशाक डार और सेना प्रमुख जनरल सैयद आसिम मुनीर भी मौजूद थे। इस मुलाकात के बाद तेहरान के प्रतिनिधित्व पाकिस्तान से ओमान चले गए।

अराघची इस्लामाबाद के बाद मस्कट यानी ओमान पहुंचे हैं। इसके बाद वह मॉस्को यानी रूस भी जाएंगे। यानी ईरान एक साथ कई देशों से संपर्क करके रास्ता निकालने की कोशिश कर रहा है। ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बगाई ने साफ कहा कि इस दौर में ईरान और अमेरिका के बीच कोई सीधी मीटिंग नहीं होगी। ईरान पाकिस्तान के जरिए अपनी बात और अपनी चिंताएं अमेरिका तक पहुंचाएगा।

उन्होंने अमेरिका के इस पूरे कदम को अमेरिका का थोपा हुआ हमलावर युद्ध बताया और कहा कि पाकिस्तान शांति बहाल करने की कोशिश में जुटा है।

ईरान के विदेश मंत्री अराघची ने पाकिस्तान दौरे के बाद बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि उनका पाकिस्तान दौरा काफी फलदायी रहा। यानी बातचीत अच्छी रही और कई अहम मुद्दों पर चर्चा हुई।

उन्होंने यह भी बताया कि ईरान ने युद्ध खत्म करने के लिए एक व्यावहारिक फ्रेमवर्क पेश किया है। यानी ऐसा प्लान दिया गया है, जिससे स्थायी तौर पर संघर्ष खत्म किया जा सके।

लेकिन साथ ही उन्होंने एक बड़ी बात भी कही। अभी तक यह साफ नहीं है कि अमेरिका सच में बातचीत को लेकर गंभीर है या नहीं।

18 घंटे की यात्रा बेकार

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अमेरिका-ईरान बातचीत को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि मौजूदा हालात में 18 घंटे की लंबी यात्रा करके बातचीत करने का कोई मतलब नहीं है। उनके मुताबिक, फोन पर भी बातचीत उतनी ही अच्छी तरह हो सकती है। उन्होंने यह भी कहा कि अगर ईरान बात करना चाहता है, तो वह खुद फोन कर सकता है। अमेरिका सिर्फ बैठकर बेकार की बातचीत के लिए यात्रा नहीं करेगा।

जब उनसे पूछा गया कि क्या इसका मतलब है कि अमेरिका फिर से युद्ध शुरू करने जा रहा है, तो ट्रंप ने साफ किया कि ऐसा नहीं है। उन्होंने कहा कि अभी इस बारे में कोई फैसला नहीं लिया गया है। ट्रंप ने यह भी कहा कि अमेरिका मजबूत स्थिति में है। उनके शब्दों में, हमारे पास सारे पत्ते हैं यानी अमेरिका के पास बातचीत में बढ़त है। उन्होंने कहा कि वे बेकार की चर्चा में समय नहीं गंवाना चाहते।

पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने इस्लामाबाद में ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची और उनके प्रतिनिधियों से मुलाकात के बाद सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट किया है। उन्होंने कहा कि यह मुलाकात काफी अच्छी और पॉजिटिव रही। दोनों नेताओं के बीच मौजूदा क्षेत्रीय परिस्थितियों पर खुलकर चर्चा हुई। साथ ही, पाकिस्तान और ईरान के आपसी संबंधों को और मजबूत करने पर भी बात हुई। यानी सिर्फ मौजूदा तनाव ही नहीं, बल्कि दोनों देशों के बीच सहयोग बढ़ाने के मुद्दों पर भी बातचीत हुई।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पहले बताया था कि उनके खास दूत स्टीव विटकॉफ और जेरेड कुशनर इस्लामाबाद आने वाले हैं। जेरेड कुशनर ट्रंप के दामाद भी हैं और उनके करीबी सलाहकार भी।

व्हाइट हाउस की प्रेस सेक्रेटरी कैरोलिन लेविट ने पुष्टि की थी कि बात सीधी होगी, लेकिन पाकिस्तान इसे आगे बढ़ाने में मदद करेगा। उन्होंने ये भी बताया था कि अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस वॉशिंगटन से इस पूरी कोशिश पर नजर रखेंगे और विदेश मंत्री मार्को रुबियो और राष्ट्रीय सुरक्षा टीम से तालमेल बनाए रखेंगे। लेकिन ईरान के विदेश मंत्री के जाने के बाद अमेरिकी डेलिगेशन अब पाकिस्तान नहीं आ रहा है।

राष्ट्रपति ट्रंप ने समाचार एजेंसी रॉयटर्स को दिए एक फोन इंटरव्यू में कहा कि ईरान एक प्रस्ताव तैयार कर रहा है। उन्होंने कहा वो एक ऑफर बना रहे हैं, हमें देखना होगा। उन्होंने ये भी कहा कि उन्हें अभी उस प्रस्ताव की पूरी जानकारी नहीं मिली है।

ट्रंप ने साफ किया कि किसी भी समझौते के लिए दो शर्तें जरूरी हैं। पहली यह कि ईरान अपना समृद्ध यूरेनियम छोड़ दे। दूसरी यह कि होर्मुज से तेल के जहाजों की आवाजाही बिना रोक-टोक के हो।

तारिक सरकार बनने के बाद विचार

हसीना की होगी विदाई!

ढाका, 25 अप्रैल (एजेंसियां)। बांग्लादेश की पूर्व पीएम शेख हसीना ने अगस्त 2024 से भारत में शरण ली हुई है, जब विरोध प्रदर्शनों के चलते उनकी सरकार गिर गई थी। इसके बाद बांग्लादेश और भारत के रिश्ते तनावपूर्ण हो गए, जिसकी एक अहम वजह शेख हसीना रहीं। बांग्लादेश ने भारत से शेख हसीना के प्रत्यर्पण की मांग की लेकिन दिल्ली इसे अनसुना करती रही। बांग्लादेश में इस साल तारिक रहमान के नेतृत्व में बीएनपी की सरकार बनने के बाद भारत ने 17 अप्रैल को माना है कि शेख हसीना के प्रत्यर्पण के अनुरोध पर विचार किया जा रहा है। साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट की रिपोर्ट कहती है कि शेख हसीना के प्रत्यर्पण के लिए ढाका के अनुरोध की समीक्षा करने पर भारत की सहमति लचीलेपन का संकेत है। जानकारों का कहना है कि इसका मतलब यह नहीं है कि नई दिल्ली ने शेख हसीना को ढाका को सौंपने की तैयारी कर ली है। हालांकि यह घोषणा भारत के पहले के टालमटोल वाले रवैये से बड़ा बदलाव है। इसमें दिल्ली की ढाका से बेहतर रिश्ते की कोशिश दिखती है।

यह मामला कानूनी नहीं राजनीतिक

ओपी जिंदल ग्लोबल यूनिवर्सिटी के लॉ स्कूल में एसोसिएट प्रोफेसर अभिनव मेहरोत्रा कहते हैं, भारत का शेख हसीना के प्रत्यर्पण अनुरोध की समीक्षा अभी केवल प्रक्रियात्मक भाषा है। सरकारें अक्सर बिना पक्का वादा किए अपनी खुलेपन की भावना को दर्शाने के लिए इस भाषा का इस्तेमाल करती हैं। यह लचीला रुख दिखाता है लेकिन इसका यह मतलब बिल्कुल नहीं है कि भारत उन्हें सौंपने के लिए तैयार है।

नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ सिंगापुर के इंस्टीट्यूट ऑफ साउथ एशियन स्टडीज के रिसर्च फेलो अमित रंजन ने कहा कि हसीना का प्रत्यर्पण कानूनी नहीं बल्कि राजनीतिक मुद्दा है। इसलिए इसे द्विपक्षीय बातचीत के माध्यम से ही सुलझाया जाना चाहिए। भारत ने यह संकेत दिया है कि वह दोनों देशों के बीच मौजूद कुछ राजनीतिक मुद्दों को राजनीतिक तरीके से ही सुलझाना चाहता है।

गोवा स्थित मंत्रया इंस्टीट्यूट फॉर स्ट्रेटेजिक स्टडीज की संस्थापक शांति मैरिएट डिसूजा ने कहा कि भारत का लंबे समय ▶8 पर

अबकी बार भी 'ममता'!

महिलाओं की बंपर वोटिंग पक्ष में

कोलकाता, 25 अप्रैल (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल में महिला वोटों की बहुत चर्चा है। खासकर पहले फेज में 93.19 फीसदी की बंपर वोटिंग के बाद महिलाओं की खासतौर पर चर्चा हो रही है। ऐसा इसलिए है क्योंकि इस बार वो पहले के मुकाबले और बड़ी संख्या में मतदान के लिए घरों से निकली हैं। यही वजह है कि पहले के मुकाबले महिलाओं के मतदान प्रतिशत में दो फीसदी का इजाफा दर्ज किया गया है। चाय की दुकानों पर इस बात की चर्चा हो रही है कि इतनी बड़ी संख्या में महिलाओं का वोट क्या इशारा करता है। अधिकतर जानकारों का मानना है कि जिन महिलाओं को ममता सरकार में पैसे मिले हैं उनका वोट तृणमूल कांग्रेस को मिला है। मगर यह भी जरूर है कि आरजीकार की घटना के बाद महिलाओं का भरोसा ममता बनर्जी से टूटा है। यहीं पर बीजेपी महिला वोट बैंक में सेंध लगाने की कोशिश में है। यही वजह है कि बीजेपी ने कोलकाता के बगल की सीट पानीहाटी से आरजीकार पीड़िता की मां को चुनाव मैदान में उतारा है। दूसरा मुद्दा है महिला आरक्षण। लोग मानते हैं कि यह बिल पास होना चाहिए था।

कुल मिलाकर बंगाल के चुनाव में महिलाएं अब चर्चा में हैं। हालांकि इस बिल को लेकर राय बंटी हुई है खासकर इसे जिस तरह परिसीमन से जोड़ा गया। वैसे महिलाओं के लिए आरक्षण हो इसके पक्ष में सभी लोग हैं, इससे कोई इंकार नहीं कर रहा है। अभी तक मोटे तौर पर यह माना जाता रहा है कि महिलाएं बंगाल में ममता बनर्जी को वोट करती आईं हैं। इसके कई कारण हैं जैसे महिला का मुख्यमंत्री होना जिसकी वजह ममता बनर्जी की जुझारू छवि है जो किसी से नहीं डरती हैं। यह एक ऐसी छवि है जिसे महिलाओं में एक हिम्मत भरता है, और उन्हें प्रेरणा भी देता है। दूसरी सबसे बड़ी बात है ममता बनर्जी का महिलाओं के लिए विशेष योजनाएं चलाना जिसमें सबसे महत्वपूर्ण है लक्ष्मी भंडार योजना जिसमें सीधे महिलाओं के खाते में पैसे जमा किए जाते हैं। वैसे तो ये योजना 2021 से चल रही है मगर 2026 में इसकी धनराशि बढ़ाई गई है। यह योजना 1000 रुपए से शुरू हुई थी।

अब सामान्य श्रेणी की महिलाओं को 1500 और अनुसूचित जनजाति की महिलाओं को 1700 रुपए महीने दिए जाते हैं। इस योजना का लाभ करीब ढाई करोड़ महिलाओं को मिल रहा है। मतलब एक चौथाई से अधिक महिला वोटर इसका लाभ उठा रहीं हैं। इसके अलावा कन्याश्री प्रकल्प है, जिसमें लड़कियों को स्कॉलरशिप और 18 साल के होने पर एकमुश्त राशि मिलती है। इसके अलावा रूपश्री प्रकल्प है, जिसमें शादी के समय 25 हजार की मदद मिलती है। लड़कियों को साइकिल दी जाती है। जय बांग्ला पेंशन योजना में वृद्ध और निराश्रित महिलाओं को पेंशन मिलती है। ऐसी योजनाओं के जरिए ममता बनर्जी ने एक पुख्ता वोट बैंक तैयार किया है। राजनीतिक जानकारों का मानना है कि मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र और बिहार में महिलाओं के बैंक खाते में सीधे पैसा भेजने का फायदा सरकारों को मिल सकता है और जनता उन्हें दुबारा सत्ता में लाती हैं तो पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी को क्यों नहीं मिलेगा। जहां तक बंगाल में महिला मतदाताओं की कुल संख्या की बात है, तो 28 फरवरी की मतदाता सूची में यह संख्या 3,16,40,585 है जो ▶8 पर

कार्टून कॉर्नर

मौसम हैदराबाद

अधिकतम : 38^{0}
न्यूनतम : 26^{0}

रिश्वत खा गये चूहे, रिश्वतखोर को बेल

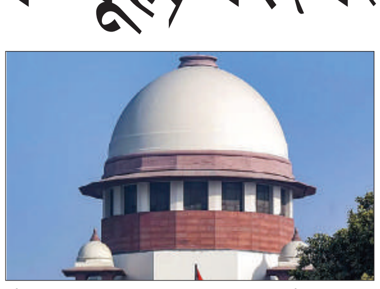

नयी दिल्ली, 25 अप्रैल (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के मामले में दोषी ठहराई जा चुकी महिला को जमानत देते हुए उस दावे को लेकर हैरानी जताई कि इस केस में बरामद रिश्वत के पैसे को चूहों ने नष्ट कर दिया। सर्वोच्च अदालत ने कहा कि इस प्रकार की स्थिति तो राज्य के लिए भारी राजस्व नुकसान की वजह बन सकती है।

लाइव लॉ में छपी एक रिपोर्ट के मुताबिक, जस्टिस जे. बी. पारदीवाला और जस्टिस के. वी. विश्वनाथन की बेंच ने कहा, हमें यह जानकर हैरानी हुई कि मुद्रा नोट को चूहों ने नष्ट कर दिया। हम सोच रहे हैं कि ऐसे मामलों में बरामद कितने पैसे इसी तरह नष्ट हो जाते होंगे। यह तो किसी राज्य के लिए राजस्व का बड़ा नुकसान है। सुप्रीम कोर्ट ने आगे कहा कि नोट नष्ट होने को लेकर दिया गया स्पष्टीकरण भरोसा नहीं दिलाता। बता दें कि ये केस एक महिला अफसर से जुड़ा हुआ है, जो बाल विकास कार्यक्रम अधिकारी हुआ करती थीं। उनके ऊपर 10 हजार रुपये घूस डिमांड करने का आरोप था। इस मामले में उन्हें निचली अदालत ने बरी कर दिया था। हालांकि, बाद में जब पटना हाइकोर्ट में मामला पहुंचा तो उसने निचली अदालत का निर्णय पलट दिया और आरोपी महिला को दोषी ठहराते हुए सजा सुना दी।पटना हाईकोर्ट ने महिला को भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धाराओं में कारावास की सजा दी थी। हालांकि, सुप्रीम कोर्ट ने फिलहाल महिला को मिली सजा पर रोक लगाते हुए उसे जमानत पर रिहा करने का ऑर्डर दे दिया है। बेल की शर्तें ट्रायल कोर्ट की तरफ से तय होंगी।

सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले की सुनवाई के दौरान, हाईकोर्ट के उस अवलोकन पर भी ध्यान दिया, जिसमें ये कहा गया था कि सीज की गई रिश्वत की राशि वाला लिफाफा चूहों ने नष्ट किया। हालांकि, मालखाना रजिस्टर में उसकी एंट्री थी।पटना हाईकोर्ट ने इसमें माना था कि सिर्फ रकम का नष्ट हो जाना मामले को कमजोर नहीं करता, अगर अन्य सबूत दोष सिद्ध करने के लिए काफी हों। हालांकि, सुप्रीम कोर्ट ने इशारा किया कि इस पहलू की अंतिम सुनवाई के वक्त विस्तार से जांच होगी।

36 केस, फिर भी मैं नहीं डरता : राहुल गांधी

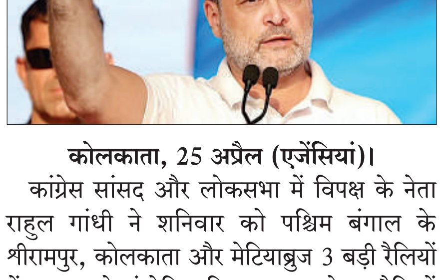

कोलकाता, 25 अप्रैल (एजेंसियां)। कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने शनिवार को पश्चिम बंगाल के श्रीरामपुर, कोलकाता और मेटियाब्रुज 3 बड़ी रैलियों में जनता को संबोधित किया। राहुल ने इन रैलियों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार और मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली राज्य सरकार दोनों पर जमकर हमला बोला। मेटियाब्रुज में आयोजित रैली में राहुल गांधी ने कहा कि उनके ऊपर 36 केस हैं और वह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से नहीं डरते हैं। मेटियाब्रुज में रैली को संबोधित करते हुए राहुल गांधी ने कहा, 'प्रधानमंत्री मोदी पूरे देश में लोकतंत्र पर आक्रमण कर रहे हैं। ये पूरे देश में वोट चोरी कर रहे हैं। जो भी भाजपा और आरए-सएस से लड़ता है, उस पर ये लोग आक्रमण करते हैं। मैं 24 घंटा हर प्रदेश में भाजपा और आरएसएस की विचारधारा से लड़ता हूं और हमेशा वे मुझ पर आक्रमण करते हैं। मेरे ऊपर 36 केस हैं। मैं प्रधानमंत्री मोदी से नहीं डरता हूं। बीजेपी को सिर्फ कांग्रेस पार्टी ही हरा सकती है, क्योंकि कांग्रेस विचारधारा की पार्टी है और हम बीजेपी से कोई समझौता नहीं कर सकते।' ▶8 पर

ईरान में 3500 मौतों के बाद अमेरिकी रक्षा मंत्री ने युद्ध को बताया दुनिया के लिए उपहार

वाशिंगटन

अमेरिका, इस्राइल और ईरान के बीच जारी भीषण युद्ध में अब तक 3500 से अधिक लोग अपनी जान गंवा चुके हैं, लेकिन इस मानवीय क्षति के बीच अमेरिकी रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ का एक चौंकाने वाला बयान सामने आया है। हेगसेथ ने ईरान के खिलाफ जारी सैन्य कार्रवाई को दुनिया के लिए एक वरदान और उपहार करार दिया है। उनका तर्क है कि यह युद्ध वास्तव में वैश्विक सुरक्षा के लिए ईरान के परमाणु खतरे को जड़ से समाप्त करने की एक अनिवार्य प्रक्रिया है, जिससे अंततः पूरी दुनिया का भला होगा।

रक्षा मंत्री ने आपरेशन एपिक फ्यूरी की प्रगति पर संतोष व्यक्त करते हुए कहा कि कुछ ही हफ्तों में अमेरिकी सेना ने निर्णायक बढ़त हासिल कर ली है। उन्होंने स्पष्ट किया कि अमेरिका का एकमात्र लक्ष्य यह सुनिश्चित करना है कि ईरान कभी भी परमाणु हथियार विकसित न कर पाए। इसके लिए ओमान की खाड़ी से लेकर अंतरराष्ट्रीय जलक्षेत्र तक अमेरिकी नौसेना ने अभेद्य घेराबंदी कर दी है। ईरान की ओर आने-जाने वाले संदिग्ध जहाजों को सख्ती से मोड़ा जा रहा है। अब तक केवल 34 गैर-ईरानी जहाजों को ही इस क्षेत्र से गुजरने की अनुमति मिली है। हेगसेथ ने यह भी संकेत दिया कि जल्द ही एक और विमानवाहक पोत इस सैन्य अभियान में शामिल होकर अमेरिकी पकड़ को और मजबूत करेगा। युद्ध के मैदान से आ रही खबरों के बीच एयर फोर्स जनरल डैन केन ने सैन्य कड़े रुख की पुष्टि की है। उन्होंने बताया कि पिछले सप्ताह एक विशाल कंटेनर जहाज द्वारा चेतावनी की अनदेखी करने पर सेंटकाम के आदेश पर उसके इंजन रूम पर सीधी फायरिंग की गई। जहाज को अक्षम करने के बाद अमेरिकी नौसैनिकों ने उस पर कब्जा कर लिया। हालांकि, अमेरिकी दावों के विपरीत लायड लिस्ट इंटेलिजेंस और विंडवर्ड जैसी फर्मों का डेटा बताता है कि ईरान का गुमनाम बेड़ा (शैडो फ्लीट) अब भी सक्रिय है। ईरानी टैंकर ट्रैकिंग डेटा के साथ छेड़छाड़ कर और पाकिस्तानी समुद्री सीमा का सहारा लेकर अमेरिकी घेराबंदी को चकमा देने की कोशिश कर रहे हैं। रक्षा मंत्री हेगसेथ ने ईरानी रिवोल्यूशनरी गार्ड (आईआरजीसी) की तुलना समुद्री लुटेरों से करते हुए कड़ी चेतावनी दी है कि यदि समुद्र में बारूदी सुरंगें बिछाई गईं, तो उन्हें तुरंत नष्ट कर दिया जाएगा।

न्यूज़ ब्रीफ

ईरान में भारी खींचतानः सत्ता संघर्ष में कट्टरपंथियों का दबदबा, गालिबाफ के इस्तीफे की अटकलें

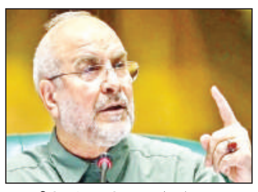

वाशिंगटन। अमेरिका स्थित प्रमुख थिंक टैंक, इंस्टीट्यूट फार द स्टडी आफ वार की हालिया रिपोर्ट ने ईरान के शीर्ष नेतृत्व के भीतर चल रहे गहरे सत्ता संघर्ष का पर्दाफाश किया है। रिपोर्ट के मुताबिक, ईरान की विदेश नीति और कूटनीति के भविष्य को लेकर कट्टरपंथी और नरमपंथी गुटों के बीच जारी खींचतान में फिलहाल कट्टरपंथियों ने निर्णायक बढ़त बना ली है। इस आंतरिक लड़ाई में इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कार्प्स के कमांडर ब्रिगेडियर जनरल अहमद वाहिदी का दबदबा बढ़ा है, जबकि पश्चिमी देशों के साथ बातचीत के पैरोकार माने जाने वाले संसद अध्यक्ष मोहम्मद बघेर गालिबाफ हाशिए पर नजर आ रहे हैं। आकलन के अनुसार, जनरल वाहिदी ने कूटनीतिक लचीलापन दिखाने की गालिबाफ की कोशिशों को लगातार नाकाम किया है। वाहिदी का उदय इस बात का संकेत है कि ईरान अब अमेरिका और उसके सहयोगियों के साथ किसी भी प्रकार के समझौते के बजाय सीधे टकराव का जोखिम उठाने को तैयार है। रिपोर्ट में यह भी दावा किया गया है कि प्रभाव घटने और परमाणु रियायतों पर हुए विवाद से हताश होकर गालिबाफ ने इस्तीफा देने का मन बना लिया है। हालांकि, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी छवि बचाने के लिए ईरान सरकार ने राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन, गालिबाफ और न्यायपालिका प्रमुख की एक साथ तस्वीर साझा कर एकजुटता दिखाने का प्रयास किया है। स्वयं गालिबाफ ने सोशल मीडिया पर किसी भी गुटबाजी से इनकार करते हुए कहा है कि पूरा देश सर्वोच्च नेता के आदेशों का पालन करने के लिए एकजुट है।

होर्मुज में बारूदी सुरंगों का खतरा, अमेरिका और ईरान के बीच समुद्री तनाव से बढ़ी चिंता

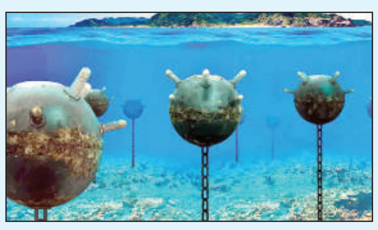

वाशिंगटन। अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते सैन्य तनाव के बीच अब समुद्र में बिछी बारूदी सुरंगें (सी-माइंस) दुनिया के लिए चिंता का बड़ा कारण बन गई हैं। अमेरिका ने दावा किया है कि वह अपनी विशेष नौकाओं के जरिए इन सुरंगों को साफ करने का अभियान चला रहा है। साथ ही, अमेरिकी प्रशासन ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि यदि होर्मुज जलडमरूमध्य (स्ट्रेट आफ होर्मुज) में कोई भी ईरानी नौका बारूदी सुरंग बिछाते हुए पाई जाती है, तो उसे तत्काल नष्ट कर दिया जाए। यह इलाका वैश्विक ऊर्जा सुरक्षा के लिए बेहद संवेदनशील है, क्योंकि दुनिया के कुल पेट्रोलियम व्यापार का लगभग 20 प्रतिशत हिस्सा इसी संकरे रास्ते से होकर गुजरता है। समुद्री बारूदी सुरंगें ऐसे विस्फोटक उपकरण होते हैं जो पानी के भीतर बड़े से बड़े युद्धपोतों और तेल टैंकरों को मिनटों में तबाह करने की क्षमता रखते हैं। इनका इतिहास 14वीं शताब्दी से जुड़ा है, जब चीन ने समुद्री लुटेरों को रोकने के लिए इनका इस्तेमाल शुरू किया था।

पेरू की लाकहीड मार्टिन से 12 अत्याधुनिक एफ-16 ब्लाक 70 फाइटर जेट्स की डील फाइनल

वाशिंगटन। पेरू सरकार ने अपनी वायु सेना की मारक क्षमता को आधुनिक बनाने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम उठाते हुए अमेरिका की दिग्गज रक्षा कंपनी लाकहीड मार्टिन के साथ 12 नए एफ-16 ब्लाक 70 वाइपर मल्टीरोल फाइटर जेट्स खरीदने का समझौता किया है। इस महत्वपूर्ण फैसले की घोषणा 23 अप्रैल 2026 को की गई। वर्तमान में पेरू के बेड़े में मिराज-2000 और मिग-29 जैसे पुराने विमान शामिल हैं, जिनके रखरखाव और युद्धक प्रदर्शन में लगातार गिरावट देखी जा रही थी। इस कमी को दूर करने के लिए पेरू की अंतरिम सरकार ने लंबे समय तक स्वीडन के साब और फ्रांस के डसाल्ट के प्रस्तावों पर भी मंथन किया, लेकिन अंततः एफ-16 की युद्ध-सिद्ध क्षमता और उन्नत तकनीक पर भरोसा जताया। इस रक्षा सौदे का सफर राजनीतिक ड्रामे से भरपूर रहा। अंतरिम राष्ट्रपति जोस मारिया बालकाजर ने शुरुआत में इतनी बड़ी वित्तीय प्रतिबद्धता को अगली निर्वाचित सरकार पर छोड़ने की दलील देते हुए हस्ताक्षर करने से इनकार कर दिया था। इस विवाद ने पेरू के राजनीतिक गलियारों में हलचल पैदा कर दी, जिसके परिणामस्वरूप रक्षा और विदेश मंत्रियों को अपने पदों से इस्तीफा देना पड़ा। हालांकि, अंततः सभी गतिरोध दूर हुए और इस समझौते के साथ पेरू दुनिया का 30वां ऐसा देश बन गया है जो एफ-16 की ताकत का उपयोग करेगा। एफ-16 ब्लाक 70 अपनी श्रेणी का सबसे उन्नत विमान है। इसमें नार्थरोप ग्रुम्मन का अत्याधुनिक एपीजी-83 ऐसा रडार लगा है, जो पांचवीं पीढ़ी के विमानों की रडार तकनीक पर आधारित है।

बांग्लादेश- हत्याओं में 14 प्रतिशत का उछाल, चरमराई कानून-व्यवस्था

ढाका

बांग्लादेश में कानून-व्यवस्था की बिगड़ती स्थिति जनता के लिए गंभीर चिंता का विषय बन गई है। हालिया पुलिस आंकड़ों के अनुसार, साल 2026 की पहली तिमाही में हत्या की घटनाओं में पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में 14 प्रतिशत की भारी वृद्धि दर्ज की गई है। राजधानी ढाका सहित देश के विभिन्न हिस्सों में हो रहे हिंसक अपराधों ने नागरिकों के बीच असुरक्षा की भावना को गहरा कर दिया है। हाल ही में मोहखाली इलाके में एक डाक्टर पर हुए चाकू से हमले जैसी घटनाओं ने स्पष्ट कर दिया है कि अपराधी अब खुलेआम वार करने से भी नहीं कतरा रहे हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि हिंसक अपराधों में यह वृद्धि न केवल कानून प्रवर्तन एजेंसियों पर जनता के भरोसे को कम करती है, बल्कि सामाजिक स्थिरता के लिए भी बड़ा खतरा है। वैश्विक स्तर पर जारी ईरान युद्ध के कारण ऊर्जा संकट और बढ़ती महंगाई ने पहले ही आम जनता की कमर तोड़ रखी है, ऐसे में आंतरिक सुरक्षा का गिरता स्तर लोगों के लिए दोहरी मार साबित हो रहा है। रिपोर्टों में इस बात पर जोर दिया गया है कि अपराधियों में कानून का भय समाप्त होता जा रहा है, जिसका मुख्य कारण पुलिस व्यवस्था की कमजोरी, जांच में सुस्ती और न्याय मिलने में होने वाली देरी है। जब तक त्वरित जवाबदेही तय नहीं की जाती, तब तक अपराध समाज में सामान्य बात बन जाएंगे और डर लोगों की दिनचर्या का हिस्सा बन जाएगा। राजनीतिक स्तर पर भी इस मुद्दे को लेकर तीखी प्रतिक्रियाएं देखने को मिल रही हैं। संसद में निर्दलीय सांसदों ने गृह मंत्री की कड़ी आलोचना करते हुए कहा कि बार-बार दिए गए आश्वासनों के बावजूद देश में भीड़ तंत्र (माब कल्चर) का प्रभाव खत्म नहीं हो रहा है। प्रशासन द्वारा दंडमुक्ति की संस्कृति को समाप्त करने के वादे कागजों तक ही सीमित नजर आ रहे हैं। देश भर में एक के बाद एक हो रहे भीड़ के हमले और हिंसक झड़पें सरकार के दावों की पोल खोल रही हैं। मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार के पिछले 18 महीनों के कार्यकाल में भीड़ द्वारा की जाने वाली हिंसा की घटनाओं में तेजी आई है। आलोचकों का तर्क है कि वर्तमान शासन व्यवस्था बहाल करने में विफल रहा है।

ट्रंप के फर्जी दावों की लगातार खुल रही है पोल, फिर भी दावों पर दावे किए जा रहे ट्रंप

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप फिर अपने ही दावे को लेकर सवालों में घिर गए हैं। यह पहला दावा नहीं है, जिसकी असल पोल खुली हो, इससे पहले भी भारत-पाकिस्तान संघर्ष रुकवाने वाले दावे की पोल खुल चुकी है। हाल में उन्होंने दावा किया कि उनके अनुरोध पर ईरान ने आठ महिला प्रदर्शनकारियों की फांसी टाल दी है, लेकिन तेहरान ने इन दावों को पूरी तरह झूठ और गढ़ी हुई कहानी बता दिया। दरअसल राष्ट्रपति ट्रंप ने एक पोस्ट कर ईरान में फांसी रुकवाए जाने को बहुत अच्छी खबर बताया। उन्होंने कहा कि ईरान ने उनकी अपील का सम्मान करते हुए आठ महिलाओं को फांसी नहीं दी। ट्रंप के मुताबिक, इसमें चार महिलाओं को तुरंत रिहा किया जाएगा और बाकी चार को एक महीने की सजा मिलेगी। उन्होंने लिखा कि वह ईरान और उसके नेताओं के आभारी हैं कि उन्होंने उनके अनुरोध को स्वीकार किया। लेकिन ट्रंप के दावों कुछ ही घंटों बाद ईरान की न्यायपालिका से जुड़े मीडिया ने दावे को सिरे से खारिज किया। मीडिया रिपोर्ट में कहा गया हैं कि ऐसा कोई फैसला लिया ही नहीं गया था और ट्रंप झूठी खबरों के जरिए अपनी उपलब्धि गढ़ने की कोशिश कर रहे हैं। ट्रंप फर्जी रिपोर्ट्स के झांसे में आ गए और उन्होंने बिना पुष्टि के ही अपनी सफलता के रूप में पेश किया। ईरान के मुताबिक, जिन महिलाओं का जिक्र किया जा रहा है, उनमें से कुछ पहले ही रिहा हो चुकी हैं और कुछ पर इसतरह के आरोप हैं, जिसमें अधिकतम सजा जेल हो सकती है, फांसी नहीं। यह पूरा विवाद तब सामने आया है, जब अमेरिका और ईरान के बीच तनाव चरम पर है। दोनों देशों के बीच हाल ही में सीजफायर लागू किया गया है, लेकिन हालात अब भी बेहद नाजुक बने हुए हैं।

विदेश मंत्री अराघची के इस्लामाबाद पहुंचते ही ईरान ने कहा-अमेरिका से बातचीत की योजना नहीं

तेहरान

ईरान ने साफ किया है कि विदेश मंत्री अब्बास अराघची की इस्लामाबाद यात्रा के दौरान अमेरिका के साथ बातचीत की योजना फिलहाल नहीं है। अराघची के नेतृत्व में ईरान का प्रतिनिधिमंडल इस्लामाबाद पहुंचा है। ईरान ने कहा है कि इस यात्रा के दौरान ईरान-अमेरिका के बीच कोई सीधी बैठक तय नहीं है। खास बात यह है कि अमेरिका ने कहा है कि अमेरिका के विशेष दूत स्टीव विटकाफ और व्हाइट हाउस सलाहकार जेरेड कुशनर शनिवार को ईरान के साथ बातचीत के लिए इस्लामाबाद जाएंगे।

ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची के नेतृत्व में शुक्रवार रात ईरान का प्रतिनिधिमंडल पाकिस्तानी नेताओं के बातचीत इस्लामाबाद पहुंचा है।ईरान इंटरनेशनल ने संसद की राष्ट्रीय सुरक्षा एवं विदेश नीति समिति के प्रमुख इब्राहिम अज़ीज़ी के हवाले से बताया है कि विदेश मंत्री अब्बास अराघची की पाकिस्तान यात्रा केवल द्विपक्षीय मुद्दों तक सीमित है और इसका परमाणु वार्ता से कोई संबंध नहीं है। अज़ीज़ी ने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा, तेहरान में विदेशी पत्रकारों से मुलाकात की और उन्हें हमारे देश की सही तस्वीर पेश करने के लिए आने के लिए धन्यवाद दिया। बैठक में मैंने स्पष्ट कर दिया कि विदेश मंत्री अराघची की पाकिस्तान यात्रा केवल द्विपक्षीय संबंधों पर चर्चा के लिए है और उन्हें परमाणु वार्ता से संबंधित कोई कार्य नहीं सौंपा गया है, जो ईरान की प्रमुख सीमाओं में से एक है।

पाकिस्तानी मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, ईरानी विदेश मंत्री शुक्रवार देर रात इस्लामाबाद पहुंचे। पाकिस्तान के विदेश मंत्री इशाक डार ने एक्स पर उनके पहुंचने की जानकारी दी। ईरानी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बाघेई भी डेलीगेशन के साथ हैं।

हालांकि अमेरिका का कहना है कि तेहरान द्वारा ट्रंप प्रशासन से संपर्क करने के बाद अमेरिकी विशेष दूत स्टीव विटकाफ और व्हाइट हाउस सलाहकार जेरेड कुशनर शनिवार को ईरान के साथ बातचीत के लिए इस्लामाबाद जाएंगे। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लीविट ने अपने बयान में कहा कि ईरान ने आमने-सामने की बातचीत का अनुरोध किया है।

युवा कब्रिस्तानों जैसी शांत जगहों को चुन रहे हैं डेट स्पाट के लिए

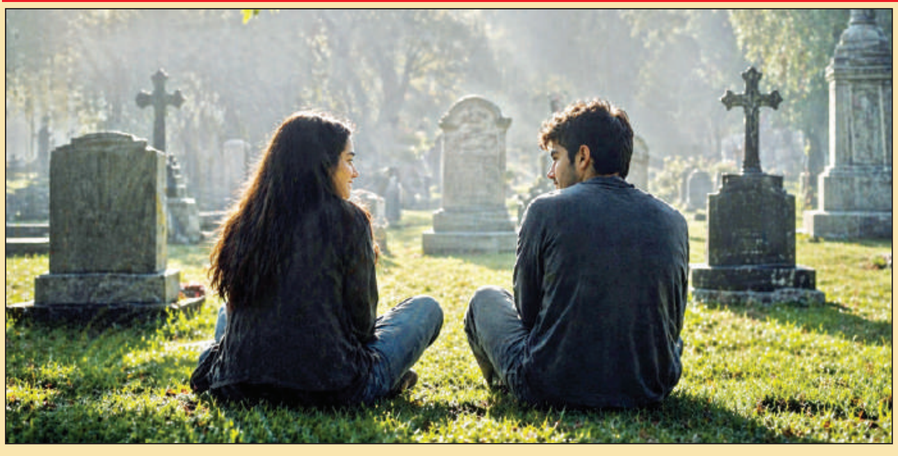

लंदन। कई युवा पारंपरिक काफी डेट्स और भीड़भाड़ वाली जगहों को छोड़कर कब्रिस्तानों जैसी शांत और एकांत जगहों को डेट स्पाट के तौर पर चुन रहे हैं। सुनने में यह ट्रेंड भले ही हैरान करने वाला लगे, लेकिन इसके पीछे बदलती रिलेशनशिप सोच और एक असली, गहरा कनेक्शन स्थापित करने की चाह बताई जा रही है। रिपोर्ट के मुताबिक, आज की डेटिंग लाइफ में सोशल मीडिया का अत्यधिक प्रभाव, मोबाइल नोटिफिकेशन और सार्वजनिक स्थानों पर बढ़ती भीड़ एक बड़ी बाधा बन चुकी है। कई बार लोग डेट पर साथ होते हैं, लेकिन उनका ध्यान बातचीत से ज्यादा अपने फोन स्क्रीन पर या आसपास के शोर में होता है। ऐसे में जेन झी का एक हिस्सा ऐसी जगहें चुन रहा है, जहाँ शांति हो, भीड़ कम हो और बिना किसी रुकावट के खुलकर बातचीत की जा सके। कब्रिस्तान जैसे स्थान इसी वजह से चर्चा में आए हैं, क्योंकि ये ऐसे माहौल प्रदान करते हैं जहाँ लोग एक-दूसरे पर अधिक ध्यान केंद्रित कर सकें। विशेषज्ञों का मानना है कि आधुनिक रिश्तों में लोग अब दिखावे और सतहीपन से ज्यादा इमोशनल कनेक्शन और मानसिक जुड़ाव को महत्व दे रहे हैं। कब्रिस्तानों का शांत और गंभीर माहौल लोगों को एक-दूसरे पर ध्यान देने, लंबी और अर्थपूर्ण बातचीत करने तथा अपनी भावनाएं खुलकर साझा करने का मौका देता है। जहाँ कैफे में अक्सर शोर, तेज संगीत और भीड़ होती है, वहीं ऐसी जगहों पर लोग बिना किसी दबाव के, शांत मन से समय बिता सकते हैं।

अमेरिका ने ईरान को आर्थिक रूप से पंगु बनाने के लिए कर दी चौतरफा नाकेबंदी

वाशिंगटन

ईरान और अमेरिका के बीच बढ़ते सैन्य तनाव ने वैश्विक ऊर्जा बाजार में अनिश्चितता पैदा कर दी है। इस टकराव के केंद्र में होर्मुज जलडमरूमध्य (स्ट्रैट आफ होर्मुज) है, जिसे दोनों पक्ष एक बार्गेनिंग चिप की तरह इस्तेमाल कर रहे हैं। तेल और गैस ईरान की अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं, और इसकी आपूर्ति में बाधा आने से तेहरान की आर्थिक मुश्किलें बढ़ना तय है। अमेरिका ने ईरान को आर्थिक रूप से पंगु बनाने के लिए इस मार्ग की नाकाबंदी का ऐलान किया है, जिसके जवाब में ईरान ने भी इस अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा कारिडोर को बंद करने की धमकी दी है। तनाव इस कदर बढ़ गया है कि ईरानी सेना द्वारा भारतीय जहाजों पर गोलीबारी की खबरें भी सामने आई हैं। तेहरान का मानना है कि इस मार्ग को बंद करने से वैश्विक दबाव बनेगा, जिससे अमेरिका युद्ध रोकने पर मजबूर होगा। इन परिस्थितियों के बीच ईरान के खर्ग आइलैंड से एक महत्वपूर्ण खबर आई है। ईरान ने अपनी भंडारण क्षमता बढ़ाने के लिए नाशा नामक 30 साल पुराने और निष्क्रिय पड़े सुपरटैंकर को फिर से सेवा में उतार दिया है। यह कदम खर्ग द्वीप पर तेल भंडारण की संभावित कमी से निपटने की तैयारी माना जा रहा है, क्योंकि देश का 90 प्रतिशत कच्चा तेल यहीं से निर्यात होता है। इस वैश्विक उथल-पुथल का सीधा असर भारत में भी देखने को मिल रहा है। आपूर्ति बाधित होने की अफवाहों के चलते खंडवा सहित देश के कई हिस्सों में पेट्रोल पंपों पर लंबी कतारें लग गई हैं। खंडवा जिले में महज तीन घंटे के भीतर एक लाख लीटर पेट्रोल की अतिरिक्त खपत दर्ज की गई, जिसके कारण लगभग 50 पेट्रोल पंपों का स्टाक समाप्त हो गया। वर्तमान में प्रशासन के पास केवल दो दिन का एडवांस स्टाक उपलब्ध है, जबकि जिले की औसत दैनिक खपत दो लाख लीटर पेट्रोल और साढ़े तीन लाख लीटर डीजल है। हालांकि ईरान फ्लोटिंग स्टोरेज के माध्यम से अपनी स्थिति संभालने की कोशिश कर रहा है, लेकिन पुराने जहाजों की धीमी गति उसकी परिचालन क्षमता पर सवाल उठा रही है।

नासा क्यूरियोसिटी रोवर ने खोजे प्राचीन जैविक अणुओं के अवशेष

वाशिंगटन

मंगल ग्रह पर नासा के क्यूरियोसिटी रोवर ने प्राचीन जैविक अणुओं के अवशेष खोजे हैं। यह खोज सदियों से मानव सभ्यता को मथ रहे सवाल, क्या हम इस विशाल ब्रह्मांड में बिल्कुल अकेले हैं को नया आयाम देती है। इन अवशेषों को जीवन के निर्माण खंड यानी बिल्डिंग ब्लाक्स कहा जाता है। ताजा अध्ययन के अनुसार, अरबों साल पहले लाल ग्रह पर जीवन के अनुकूल परिस्थितियाँ मौजूद रही होंगी। क्यूरियोसिटी ने गेल क्रेटर के ग्लेन टारिडन इलाके में उन मिट्टी के खनिजों का गहराई से विश्लेषण किया, जहाँ कभी पानी होने के सबसे मजबूत सबूत मिले थे।

इस रिसर्च में पहली बार एक ऐसे नाइट्रोजन युक्त अणु की पहचान हुई है, जिसकी जटिल संरचना काफी हद तक प्रोटो-डीएनए की याद दिलाती है। मंगल ग्रह पर मिला यह आर्गेनिक खजाना हमें यह समझने में मदद करेगा कि क्या वास्तव में कभी वहाँ सूक्ष्मजीव सांस लेते थे।

हालांकि रिसर्चर्स अभी भी इस बात को लेकर बेहद सतर्क हैं कि वे इसे सीधे तौर पर एलियन का मिलना न कहें, लेकिन रसायनों का यह मेल-जोल कुछ बड़ा इशारा कर रहा है। गेल क्रेटर वह ऐतिहासिक इलाका है, जहाँ क्यूरियोसिटी रोवर ने साल 2012 में कदम रखा था।

वैज्ञानिकों का मानना है कि अरबों साल पहले यहाँ पानी की विशाल झीलें और नदियाँ हुआ करती थीं। रिसर्च टीम ने खास तौर पर ग्लेन टारिडन क्षेत्र पर अपना ध्यान केंद्रित किया, जहाँ की मिट्टी में मिलने वाले विशेष मिनरल्स ने करोड़ों सालों से इन रासायनिक संकेतों को सुरक्षित रखा है। जांच के दौरान 20 से ज्यादा महत्वपूर्ण रसायनों की पहचान की गई है, जिनमें बेंजोथियोफीन जैसा सल्फर युक्त यौगिक भी मिला है, जो अक्सर अंतरिक्ष से गिरने वाले उल्कापिंडों में पाया जाता है। यह सवाल सबसे अहम है कि क्या ये रसायन किसी जीवित सूक्ष्मजीव के सड़े-गले अवशेष हैं यूनिवर्सिटी आफ फ्लोरिडा की प्रोफेसर और इस स्टडी की सह-लेखिका एमी विलियम्स के अनुसार, यह खोज जीवन की उपस्थिति का कोई अंतिम या सीधा प्रमाण नहीं है। उनके मुताबिक, ये अणु तीन अलग-अलग तरीकों से वहाँ पैदा हो सकते हैं: पहला, प्राचीन काल में मंगल पर रहने वाले छोटे जीवों से बने हों; दूसरा, अंतरिक्ष से गिरने वाले उल्कापिंडों या धूमकेतुओं के जरिए वहाँ पहुँचे हों; या तीसरा, मंगल की अपनी भूगर्भीय प्रक्रियाओं, जैसे ज्वालामुखी या रसायनों के आपस में मिलने से बने हों। हालांकि, सबसे बड़ी सफलता इस बात की है कि मंगल की सतह के ठीक नीचे ये जटिल जैविक पदार्थ अरबों साल तक सुरक्षित रह सकते हैं।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आज सावधानी रखने की जरूरत हैं । यदि आवश्यक न हो तो यात्रा को टालें। जोखिम वाले काम करते समय सावधान रहें, चोट लगने की आशंका है। धन लाभ होने की संभावना है। लंबित कार्य पूरे होंगे। आपके विरोधी शांत रहेंगे। विवादों से दूर रहें। आमदनी में बढ़ोतरी होगी। मन प्रसन्न रहेगा। सेहत ठीक रहेगी। रिश्तेदारों की ओर से खुशखबरी मिल सकती है। तनाव दूर होगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखने की जरुरत हैं

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आज का दिन अच्छा रहेगा। आज आप यात्रा पर जा सकते हैं। पारिवारिक कार्यों के चलते दिनभर व्यस्त रहेंगे। मकान या जमीन खरीदने के लिए अपने परिवार से चर्चा कर सकते हैं। ऑफिस में आपको खुशखबरी मिलेगी। किसी सगे संबंधी से विवाद होने की आशंका है। तनाव बना रहेगा। बोलचाल के दौरान नियंत्रित रहें। अपने खानपान को नियंत्रण में रखें। कैरियर से जुड़ी कोशिश कामयाब रहेगी। छात्रों को कामयाबी मिलेगी। घर–परिवार में सुख शांति बनी रहेगी।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ङ,छ,के,को,ह

आज का दिन सकारात्मक रहेगा । व्यापार के हिसाब से लाभदायक हैं आपके ज्यादातर काम पूरे होंगे। आपके स्वभाव से सभी प्रभावित होंगे। सामाजिक कार्यों में हिस्सा लेंगे। आपका मान–सम्मान बढ़ेगा। आपकी सराहना होग।ऋण से मुक्ति मिलेगी। आय के नए स्रोत मिलेंगे। नौकरीपेशा लोगों की तरक्की हो सकती है। आपका व्यवसाय आगे बढ़ेगा। आप अपने परिवार के साथ यात्रा पर जा सकते हैं। सेहत को लेकर चिंतित हो सकते हैं। तले हुए भोजन से दूरी बनाकर रखें शरीर और मन दोनो स्वस्थ्य रहेंगे।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज गाय को केले का फल खिलाए व्यवसाय में लाभ होगा। आप के काम मे तेजी रहेगी । रिश्तेदारों से मुलाकात के मौके मिलेंगे। ऑफिस का माहौल ठीक नहीं रहेगा। आफिस में किसी से विवाद होने की आशंका है। आपकी सेहत बिगड़ी सकती है। छात्रों को काफी मेहनत करनी होगी। कैरियर से जुड़े कार्य पूरे कर पाएंगे। युवाओं को कामयाबी मिलेगी। जोखिम न लें। कर्ज की रकम वापस मिलेगी। आय में बढ़ोतरी होगी। आप खुश रहेंगे। वैवाहिक जीवन सुखमय रहेगा ।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आज भागमदौड ज्यादा रहेगी । आज रिश्तेदारों की ओर से दुखद सूचना मिल सकती है। जीवनसाथी का सहयोग रहेगा। आज सामाजिक जिम्मेदारी पूरा करने में विलंब हो सकता है। किसी से विवाद होने की आशंका है। कर्ज की रकम वापस मिलने में दिक्कत होगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। चिड़चिड़ापन बना रहेगा। कारोबार में प्रगति होगी। आप को सेहत का ध्यान रखना होगा तरल पदार्थ का ही सेवन करें।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आज आप रिस्क का काम भी हाथ मे ले सकते हैं । पुराने दोस्तों से मुलाकात होगी। आज खर्च ज्यादा हो सकता है। भौतिक संसाधन जुटाने के लिए खर्च कर सकते हैं। निवेश से आपका अच्छा–खासा लाभ होगा। आपके कार्य आसानी से पूरे होंगे। छात्रों की दिक्कत दूर होगी। कैरियर से जुड़ी बाधा दूर होने की संभावना है। अपनी सेहत का ध्यान रखें। दिनचर्या में परिवर्तन संभव है। यात्रा पर जा सकते हैं। शुभ सूचना मिलेगी। दाम्पत्य जीवन मे संयम की आवश्यकता हैं तनाव मुक्त रहेंगे।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आज विरोधी आप पर हावी हो सकते हैं आपको सतर्क रहना होगा। शत्रु सक्रिय रहेंगें । आप का दिन कुछ परेशानी व चिंता में बीतेगा। परिवार के किसी सदस्य की सेहत बिगड़ सकती है। रिश्तेदारों से मुलाकात होगी। व्यवसाय अच्छा चलेगा। नए प्रोजेक्ट परकार्य शुरू करेंगे। धन लाभ हो की संभावना है। कर्ज की रकम फिलहाल वापस नहीं मिलेगी। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। संतान पक्ष से खुशखबरी मिलेगी। युवाओं को सफलता मिल सकती है। बेरोजगारी दूर होगी कोशिश व्यर्थ नही जाएगी।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आज केले के झाड मे घीका दीपक प्रज्वलित करें आपके रूके हुए कार्य पूरे होंगे। किसी से विवाद न करें। आपकी परेशानी का हल निकलेगा। कैरियर आगे बढ़ाने के प्रयास सफल रहेंगे। लेनदेन करते समय सावधान रहें। सेहत ठीक रहेगी। सगे संबंधियों से मुलाकात के दौरान कुछ मतभेद उभर सकते हैं। सावधानी से बोलें। खुशखबरी मिलेगी। कारोबार की स्थिति सामान्य रहेगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। जोखिम वाले कार्यों से दूर रहें। खर्चे पर अंकुश लगाए भविष्य सुनहरा होगा ।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आज प्रसन्नता रहेगी दिल दिमाग दोनो शान्त रहेंगे । आपके कार्य मन मुताबिक पूरे होंगे। जीवनसाथी की जरूरतों को पूरा कर सकते हैं। स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। खुश रहेंगे। धन लाभ होगा। नशे से दूर रहें। किसी की बातों में न आएं। शत्रु सक्रिय रहेंगे। दफ्तर का माहौल ठीक रहेगा। पुरानी बीमारी उभर सकती है। बुजुर्गों का ख्याल रखें। धार्मिक यात्रा पर जा सकते हैं। किसी से रिश्ते में खटास आ सकती है। कार्यस्थल पर चुनौतियों का सामना करना पड़ेगा। डिनर के बाद हल्का सी चहलकदमी करें पाचनशक्ति तीव्र होगी।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आज शान्त रहने की आवश्यकता हैं वाणी पर संयम रखें । सेहत बिगड़ सकती है। जीवनसाथी के साथ यात्रा पर जा सकते हैं। अनजान लोगों से सावधान रहें।किसी मित्र से मतभेद होने की आशंका है।कारोबार को आगे बढ़ाने का प्लान बना सकते है। कर्ज की रकम वापस नहीं मिलेगी। दिनचर्या में परिवर्तन लाने का प्रयास करें। समय पर कार्य पूरे कर पाने में असमर्थ रहेंगे। दफ्तर का माहौल ठीक रहेगा। खर्च ज्यादा होगा। किसी काम मे रुकावटें आ रही हैं तो अपने मित्रों का सहयोग लें कार्य पूरें होंगे ।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आज आप अपनी जिमेदारी पूरी करेंगे दिन फायदेमंद रहेगा। शासकीय कार्य पूरे होंगे । सेहत ठीक रहेगा। धर्म कर्म में मन लगेगा। दंपत्तियों के बीच सामंजस्य रहेगा। कर्ज की रकम वापस मिल सकती है। व्यवसाय के सिलसिले में यात्रा पर जाएंगे। किस्मत का साथ रहेगा। बचत योजना में निवेश के प्रस्ताव मिलेंगे। उधार देते समय सावधान रहें। दफ्तर में किसी से अनबन होने की आशंका है। कोई भी निर्णय लेने से पहले एक्सपर्ट से राय–मशवरा जरूरी करलें ।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

छात्रों के लिए अपार सफलता हैं परिणाम मन मुताबिक आंएगे । कानूनी मामले आगे बढ़ेंगे। कारोबार में लाभ के अवसर आएंगे। आज आप धार्मिक यात्रा पर जा सकते हैं। आज किस्मत का साथ मिलेगा। रिश्तेदारों से मुलाकात लाभदायक रहेगी। नौकरी में तरक्की हो सकती है। कारोबार को आगे बढ़ाने का प्लान बना सकते हैं। शत्रु नुकसान पहुंचा सकते हैं। दाम्पत्य जीवन मे आपसी तालमेल बहतर रहेगा दिन का उत्तरार्ध अच्छा बीतेगा ।

आज का पंचांग

दिनांक : 26 अप्रैल 2026 , रविवार
विक्रम संवत : 2083
मास : वैशाख , शुक्ल पक्ष
तिथि : दशमी सायं 06:09 तक
नक्षत्र : मघा रात्रि 08:27 तक
योग : वृद्धि रात्रि 10:26 तक
करण : तैतिल प्रातः 06:16 तक
चन्द्रराशि : सिंह
सूर्योदय : 05:53, सूर्यास्त 06:34 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:01, सूर्यास्त 06:33 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 05:53, सूर्यास्त 06:27 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:45, सूर्यास्त 06:25 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया
चल : 07:30 से 09:00
लाभ : 09:00 से 10:30
अमृत : 10:30 से 12:00
शुभ : 01:30 से 03:00
राहुकाल : सायं 04:30 से 06:00
दिशाशूल : पश्चिम दिशा
उपाय : गुड खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : गण्डमूल रात्रि 08:27 तक

※ पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें ※
पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

गर्भवती महिलाओं और बच्चों के पोषण पर विशेष ध्यान जरूरी : कुमार दीपक

मंचेरियाल, 25 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। नस्पूर स्थित समेकित जिला कार्यालय परिसर में आयोजित कार्यक्रम में जिला कलेक्टर कुमार दीपक ने कहा कि बच्चों और गर्भवती महिलाओं के स्वास्थ्य एवं पोषण पर विशेष ध्यान देना अत्यंत आवश्यक है।

नस्पूर स्थित समेकित जिला कार्यालय में महिला एवं बाल कल्याण विभाग द्वारा आयोजित 'पोषण पखवाड़ा' कार्यक्रम में कलेक्टर ने भाग लेते हुए उपस्थित लोगों को संबोधित किया।

उन्होंने बताया कि जीवन के पहले 6 वर्षों में बच्चों का मानसिक विकास सबसे अधिक होता है, इसलिए इस दौरान संतुलित एवं उचित पोषण बेहद जरूरी है। गर्भवती महिलाओं और बच्चों को पौष्टिक आहार देने से स्वस्थ और सशक्त भविष्य सुनिश्चित किया जा सकता है।

कलेक्टर ने आंगनवाड़ी केंद्रों के माध्यम से गांव स्तर पर जागरूकता बढ़ाने, पोषण कार्यक्रमों को प्रभावी ढंग से लागू करने तथा बच्चों के स्क्रीन टाइम को कम करने पर जोर दिया।

इस अवसर पर गर्भवती महिलाओं के लिए श्रीमंतम तथा बच्चों के लिए अक्षरारंभ जैसे सांस्कृतिक एवं जागरूकता कार्यक्रम भी आयोजित किए गए। कार्यक्रम में विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं आंगनवाड़ी कर्मचारी उपस्थित रहे।

27 अप्रैल को प्रजावाणी कार्यक्रम रद्द, 4 मई से पुनः होगा आयोजन

मंचेरियाल, 25 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। जिला कलेक्टर कुमार दीपक ने जानकारी दी कि 27 अप्रैल 2026 को आयोजित होने वाला 'प्रजावाणी' कार्यक्रम रद्द कर दिया गया है।

उन्होंने बताया कि संयुक्त आदिलाबाद जिले से संबंधित आवास एवं राजस्व विभाग के मुद्दों पर उसी दिन हैदराबाद में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की जा रही है, जिसके कारण यह निर्णय लिया गया है।

कलेक्टर ने नागरिकों एवं आवेदकों से इस परिवर्तन को ध्यान में रखते हुए सहयोग करने की अपील की है।

स्वाति मालीवाल भाजपा में हुईं शामिल

पीएम मोदी की तारीफ कर केजरीवाल पर चुन-चुनकर किए हमले

नई दिल्ली, 25 अप्रैल (एजेंसियां)। आम आदमी पार्टी की राज्यसभा सांसद स्वाति मालीवाल ने शनिवार ऐलान करते हुए कहा कि वो भाजपा में शामिल हो गई हैं। आम आदमी पार्टी (आप) के साथ करीब दो दशक पुराना रिश्ता तोड़ते हुए मालीवाल ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में विश्वास जताया और अरविंद केजरीवाल पर चुन-चुनकर हमले किए।

इससे पहले शुक्रवार को ही सांसद राघव चड्ढा, संदीप पाठक और अशोक मित्तल बीजेपी में शामिल हुए थे और दावा किया था कि आप के 4 और सांसद- स्वाति मालीवाल, हरभजन सिंह, राजेंद्र गुप्ता और विक्रमजीत साहनी बीजेपी में शामिल होंगे।

अब राघव चड्ढा के दावे पर मुहर लगाते हुए स्वाति मालीवाल ने बीजेपी जॉइन करने की पुष्टि कर दी है। बीजेपी जॉइन करने के बाद स्वाति मालीवाल ने कहा कि उन्होंने यह फैसला किसी दबाव में नहीं, बल्कि पीएम मोदी के नेतृत्व में विश्वास के कारण लिया है। उन्होंने लोगों से अपील की कि जो भी रचनात्मक राजनीति करना चाहते हैं, वे बीजेपी से जुड़ें।

इस दौरान स्वाति मालीवाल ने अरविंद केजरीवाल पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा, मैं 2006 से केजरीवाल के साथ थी, उनके हर आंदोलन में साथ दिया, लेकिन उन्होंने अपने ही घर में मुझे एक गुंडे से पिटवाया। जब मैंने आवाज़ उठाई तो मुझे डराया और धमकाया गया।

मुझ पर एफआईआर वापस लेने का दबाव बनाया गया।मालीवाल ने केजरीवाल को 'महिला विरोधी' करार देते हुए कहा कि पिछले दो सालों में उन्हें संसद में एक बार भी बोलने का मौका नहीं दिया गया, जो बेहद शर्मनाक है।

स्वाति मालीवाल ने कहा कि एक तरफ अरविंद केजरीवाल भ्रष्टाचार और गुंडागर्दी के लिए जाने जाते हैं वहीं दूसरी ओर हमारे पास पीएम मोदी हैं जो दुनिया के सबसे लोकप्रिय नेता हैं।

जिले में जनगणना की तैयारियां पूरी, 11 मई से शुरू होगी प्रक्रिया : कलेक्टर

आसिफाबाद, 25 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। जिले में प्रथम चरण की जनगणना प्रक्रिया को सफलतापूर्वक संपन्न करने के लिए सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। यह जानकारी जिला कलेक्टर हरिता ने शनिवार को समेकित कलेक्टरेट सभागार में आयोजित पत्रकार सम्मेलन में दी। कलेक्टर ने बताया कि वर्ष 2027 की जनगणना के अंतर्गत 11 मई से जिलेभर में जनगणना कार्य प्रारंभ किया जाएगा, जिसके लिए प्रशासन पूरी तरह तैयार है।

उन्होंने बताया कि इस प्रक्रिया के तहत 26 अप्रैल से 10 मई तक नागरिकों को स्वीय गणना का अवसर दिया जाएगा। इस दौरान सरकारी कर्मचारी, जनप्रतिनिधि, शिक्षित वर्ग, स्वैच्छिक संस्थाओं के प्रतिनिधि एवं आम नागरिक ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से अपने विवरण स्वयं दर्ज कर सकते हैं। इसके लिए https://se.census.gov.in पोर्टल पर लॉगिन कर जानकारी भरनी होगी।

कलेक्टर ने बताया कि जिलेभर में जनगणना कार्य के लिए कुल 1689 हाउस ब्लॉक्स की पहचान की गई है।

इसके संचालन हेतु 994 गणनाकर्ता एवं 174 सुपरवाइजर नियुक्त किए गए हैं। उन्होंने कहा कि जनगणना के प्रति जागरूकता बढ़ाने में प्रिंट एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया की महत्वपूर्ण भूमिका है। कलेक्टर ने मीडिया प्रतिनिधियों से स्वीय गणना की जानकारी आम जनता तक पहुंचाने के लिए व्यापक प्रचार-प्रसार करने की अपील की।

ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण शिविर का पूरा लाभ उठाएं खिलाड़ी

जिला कलेक्टर हरिता ने कहा कि आदिवासी खिलाड़ियों को ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण शिविर का पूरा लाभ उठाना चाहिए, ताकि वे अपनी प्रतिभा को निखार सकें और भविष्य में बेहतर प्रदर्शन कर सकें।

शनिवार को जिला मुख्यालय स्थित आदर्श आदिवासी खेल विद्यालय में आयोजित ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण शिविर का उद्घाटन कलेक्टर हरिता ने आदिवासी कल्याण अधिकारी रमादेवी के साथ किया।

कलेक्टर ने बताया कि इस शिविर के माध्यम से आदिवासी छात्रों को हैंडबॉल, कबड्डी और एथलेटिक्स जैसी खेल विधाओं में विशेष प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा। उन्होंने छात्रों से आह्वान किया कि वे इस अवसर का अधिकतम लाभ उठाकर खेलों में उत्कृष्टता हासिल करें।

इस अवसर पर खिलाड़ियों को खेलकूद की वर्दी एवं जूते भी वितरित किए गए, जिससे उनका मनोबल बढ़ाया जा सके।

कार्यक्रम में जिला आदिवासी खेल अधिकारी मदारी शेखु, जीसीडीओ शकुंतला, एमसीओ उद्धव, विद्यालय के प्रधानाध्यापक साई बाबा, व्यायाम शिक्षक तथा छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

जीओ 252 के तहत पत्रकारों को जारी हो रहे मान्यता पत्र : हरीता

आसिफाबाद, 25 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। जिला कलेक्टर हरीता ने कहा कि जी.ओ. 252 के अनुसार योग्य पत्रकारों को मान्यता पत्र जारी किए जा रहे हैं। शनिवार को समेकित कलेक्टरेट भवन परिसर के सभागार में आयोजित जिला मीडिया मान्यता समिति की बैठक में कलेक्टर ने भाग लिया और प्रक्रिया की समीक्षा की। इस अवसर पर कलेक्टर ने बताया कि वर्ष 2026 के लिए समिति के नेतृत्व में प्रथम चरण में 94 नए मान्यता पत्र मंजूर किए गए हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि मान्यता पत्र जारी करने की प्रक्रिया निरंतर जारी रहेगी। उन्होंने कहा कि मान्यता पत्र के लिए आवेदन करने वाले पत्रकारों को जी.ओ. 252 में उल्लिखित सभी आवश्यक प्रमाण पत्र प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा। कार्यक्रम में डीपीआरओ एस. संपत कुमार, समिति सदस्य अब्दुल रहमान, रवी नायक, तुकाराम, संतोष, प्रकाश गौड़, चंदू, आबिद अहमद, विनय कुमार, बी. राजू, अविनाश सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

बढ़ते तापमान को देखते हुए हीट वेव से बचाव के लिए स्वास्थ्य विभाग की अपील

पेद्दापल्ली, 25 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। जिले में दिन-ब-दिन बढ़ते तापमान को देखते हुए, पेद्दापल्ली के डिस्ट्रिक्ट मेडिकल एंड हेल्थ ऑफिसर ने लोगों को हीट वेव से होने वाली हेल्थ प्रॉब्लम और मौतों को रोकने के लिए ज़रूरी सावधानी बरतने की सलाह दी है।

लोगों को मानने वाली ज़रूरी बातें:

-सुबह 11 बजे से दोपहर 3 बजे के बीच बाहर जाने से बचें, जब तक कि कोई इमरजेंसी न हो।

-बाहर जाते समय सिर पर कपड़ा/टोपी पहनें और छाते का इस्तेमाल करें।

-पानी, ओआरएस, छाछ और नारियल पानी जैसे लिक्विड बार-बार पीते रहें।

-हल्के, पतले, हल्के रंग के कपड़े पहनें।

-बच्चों, बुज़ुर्गों और प्रेग्नेंट महिलाओं को खास तौर पर सावधान रहना चाहिए।

-बीच-बीच में ब्रेक लें और ज़्यादा देर तक धूप में काम करने से बचें।

-बच्चों को बाहर खड़ी गाड़ियों में अकेला न छोड़ें।

-शराब, ज़्यादा कॉफ़ी और चाय कम पिएं।

हीटस्ट्रोक के लक्षण- तेज़ बुखार (शरीर का तापमान बढ़ना), सिर दर्द, चक्कर आना, उल्टी, थकान,

स्किन का लाल होना, पसीना आना बंद हो जाना, ये लक्षण दिखने पर तुरंत पास के सरकारी अस्पताल जाकर इलाज करवाने की सलाह दी जाती है।

उन्होंने कहा कि ज़िले के सभी हेल्थ सेंटर में हीटस्ट्रोक के इलाज के लिए ज़रूरी सुविधाएँ, जठड और दवाएँ तैयार रखी गई हैं।

ज़िला मेडिकल और हेल्थ ऑफ़िसर ने कहा कि लोग सतर्क रहकर और छोटी-छोटी सावधानियां बरतकर हीटस्ट्रोक के खतरों से बच सकते हैं।

पेद्दापल्ली में रफ़ी ने संभाला लेबर ऑफिसर का चार्ज

पेद्दापल्ली, 25 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। मोहम्मद रफ़ी ने पेद्दापल्ली के इंचार्ज लेबर ऑफिसर का चार्ज संभाल लिया है। रफ़ी अभी करीम नगर ऑफिसर के तौर पर काम कर रहे हैं।

हेमलता, जो पेद्दापल्ली लेबर ऑफिसर के तौर पर काम कर रही थीं, को लेबर की स्पेशल कमिश्नर पामेला सतपथी ने अपने काम में लापरवाही के लिए सस्पेंड कर दिया था।

इस मौके पर चार्ज संभालने वाले रफ़ी ने कहा कि वह पेंडिंग केस जल्द से जल्द पूरे करेंगे और लोगों को अच्छा शासन देने के लिए काम करेंगे। इस बीच, ट्रेड यूनियन के नेताओं ने उन्हें नया चार्ज संभालने पर बधाई दी।

मारवाड़ी युवा मंच द्वारा छांछ वितरण अभियान का शुभारंभ

बेल्लमपल्ली, 25 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। अखिल भारतीय मारवाड़ी युवा मंच, बेल्लमपल्ली नगर शाखा के तत्वावधान में 31 दिन, 31 स्थान छांछ वितरण कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। भीषण गर्मी को देखते हुए इस सेवा अभियान की शुरुआत शनिवार को की गई।

कार्यक्रम के अंतर्गत कांटा चौराहा स्थित हनुमान एग्रेस कीटनाशक दुकान के सामने लगभग एक हजार से पंद्रह सौ ग्लास छांछ का वितरण किया गया। इस दौरान राहगीरों और स्थानीय लोगों को गर्मी से राहत प्रदान की गई।

इस अवसर पर युवा मंच के अध्यक्ष कृष्णकांत सोनी ने बताया कि इस सेवा कार्य में सहयोग देने वाले सभी दाताओं का आभार व्यक्त किया गया। उन्होंने कहा कि समाज के वरिष्ठजनों के मार्गदर्शन में भविष्य में भी ऐसे सेवा कार्य लगातार आयोजित किए जाएंगे। इस अवसर पर युवा मंच के सदस्य बालू मारु, कमल लाहोटी, अरविंद अग्रवाल, राजेंद्र लाहोटी, अजय लाहोटी, दिनेश सारडा सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे और सेवा कार्य में सक्रिय भूमिका निभाई।

शादी के 8 साल बाद 3 बच्चों की मां को हुआ प्यार!

प्रेमी के साथ रहने की जिद पर अड़ी, कोर्ट ने दिया गजब फैसला

ग्वालियर, 25 अप्रैल (एजेंसियां)। प्यार, प्रताड़ना और फिर इंसाफ की एक ऐसी कहानी ग्वालियर हाईकोर्ट पहुंची, जिसने कानून और मानवीय संवेदनाओं के बीच एक नया सेतु बना दिया। 8 साल की शादी और 3 बच्चों की जिम्मेदारी के बाद जब एक मां ने अपने प्रेमी के साथ नई जिंदगी शुरू करने की जिद की, तो अदालत ने न केवल उसकी व्यक्तिगत स्वतंत्रता का सम्मान किया, बल्कि बच्चों की कस्टडी भी उसी को सौंप दी। यह मामला उस वक्त और भी अनोखा हो गया जब पति ने भी बिना किसी विवाद के तलाक की सहमति दे दी और दोनों परिवारों ने महिला के फैसले को स्वीकार कर लिया।

दरअसल, मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय की ग्वालियर खंडपीठ में 'बंदी प्रत्यक्षीकरण' याचिका की सुनवाई के दौरान यह भावुक और चौंकाने वाला मामला सामने आया। एक पति ने अपनी पत्नी को वापस पाने के लिए कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था, लेकिन कोर्ट रूम में पत्नी के बयानों ने मामले की दिशा ही बदल दी।

प्रताड़ना की कहानी और प्रेमी का साथ

कोर्ट में पेश हुई महिला ने अपने पति के साथ जाने से साफ इनकार कर दिया। उसने पिछले 8 वर्षों के वैवाहिक जीवन को प्रताड़ना से भरा बताया और यहाँ तक कहा कि वह आत्महत्या करने की दहलीज पर थी। महिला ने स्वीकार किया कि इस कठिन समय में एक अन्य युवक ने उसका साथ दिया और अब वह उसी के साथ अपना भविष्य बिताना चाहती है।

इस मामले का सबसे सकारात्मक पहलू यह रहा कि महिला के माता-पिता ने उसकी पसंद को स्वीकार किया। इतना ही नहीं, जिस युवक के साथ वह रहना चाहती है, उसकी मां ने भी महिला को अपनी बहू के रूप में स्वीकार कर लिया है।

प्रेमी की मां ने मान लिया बहू

हाईकोर्ट ने दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद मानवीय और व्यावहारिक दृष्टिकोण अपनाया। बच्चों की कस्टडी को लेकर कोर्ट ने महिला के तीनों बच्चों की कस्टडी मां (महिला) को ही सौंपी है। हालांकि, पिता को अपने बच्चों से मिलने का अधिकार दिया गया है। तलाक तक के प्रवास को लेकर कोर्ट ने निर्देश दिया कि जब तक तलाक की कानूनी प्रक्रिया पूरी नहीं हो जाती, महिला अपने मायके में रहेगी। आर्थिक पक्ष पर महिला ने किसी भी प्रकार के गुजारा भत्ते की मांग नहीं की है, वहीं पति बिना किसी शर्त के तलाक देने पर सहमत हो गया है। कोर्ट ने आदेश दिया कि महिला का स्त्रीधन (जेवर और घरेलू सामान) उसे वापस लौटाया जाए। स्वतंत्रता के संदर्भ में तलाक की प्रक्रिया पूर्ण होने के बाद महिला अपनी इच्छानुसार कहीं भी रहने के लिए स्वतंत्र होगी।

मामले की जानकारी देते हुए सहायक लोक अभियोजक (एडीपीओ) डी.के. शर्मा ने बताया कि माननीय कोर्ट ने मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए स्पष्ट निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा, कोर्ट ने आदेश दिया है कि तलाक की लिखित मिलने तक महिला अपने मायके में रहेगी। जैसे ही तलाक की कानूनी प्रक्रिया पूरी हो जाएगी, महिला अपनी इच्छा और सुविधा के अनुसार कहीं भी जाने और रहने के लिए पूरी तरह स्वतंत्र होगी।

कानूनी ज्ञान: क्या है हेबियस कॉरपस ?

भारतीय संविधान के अनुच्छेद 226 (उच्च न्यायालय) और अनुच्छेद 32 (सर्वोच्च न्यायालय) के तहत यह रिट जारी की जाती है। इसका शाब्दिक अर्थ है सशरीर प्रस्तुत करना। इसका उद्देश्य किसी व्यक्ति को अवैध हिरासत से मुक्त कराना है।

इसका महत्व यह है कि यह व्यक्तिगत स्वतंत्रता का सबसे बड़ा कानूनी हथियार है। इस मामले में उपयोग इस प्रकार हुआ कि पति को लगा कि पत्नी को अवैध रूप से कहीं रखा गया है, इसलिए उसने यह याचिका लगाई। लेकिन कोर्ट ने पाया कि पत्नी अपनी इच्छा से अलग रह रही है।

रुद्राक्ष का आध्यात्मिक और औषधीय महत्व

हिंदू धर्म में सदियों से पूजा-पाठ, यज्ञ, हवन जैसे शुभ कार्यो में रुद्राक्ष का प्रयोग किया जाता है। रुद्राक्ष के बिना कोई भी धार्मिक अनुष्ठान पूर्ण नहीं होता। अब तो वैज्ञानिक अनुसंधानों के माध्यम से पूरी दुनिया में रुद्राक्ष की गुणवत्ता साबित हो चुकी है। इसके अद्भुत औषधीय गुण प्रयोगशाला में जांच के बाद सही साबित हुए है। इसे धारण करने से शरीर स्वस्थ और मन शांत रहता है।

उत्पत्ति की कथा

वस्तुत: रुद्राक्ष शब्द का संधि विच्छेद है- रुद्र+अक्षि। अर्थात भगवान शिव का नेत्र। इसकी उत्पत्ति और नामकरण के पीछे यह कथा प्रचलित है कि त्रिपुरासुर का वध करते समय रुद्रावतार धारण किए भगवान शंकर की आंखों से बहने वाला जल रुद्राक्ष के रूप में पृथ्वी पर साकार हुआ। इसकी उत्पत्ति के संबंध में यह भी कहा जाता है कि जब हिमालय की पुत्री सती ने स्वयं को हवन कुंड में समाहित कर दिया था तो भगवान शिव ने रौद्र रूप धारण कर लिया था और सती का शव कंधे पर उठा कर ब्रह्मांड का विनाश करने के लिए तांडव नृत्य करने लगे। शिव जी को रोकने के लिए भगवान विष्णु ने अपना सुदर्शन चक्र चलाया, जिससे सती के शरीर के कई टुकड़े हो गए। टुकड़े जहां-जहां हिस्सों में गिरे, वहां-वहां शक्तिपीठ की स्थापना हुई। अंत में भगवान शिव के शरीर पर सिर्फ सती के शरीर का भस्म रह गया। जिसे देखकर वह रो पड़े। इस तरह भगवान शिव के आंसुओं से रुद्राक्ष की उत्पत्ति हुई।

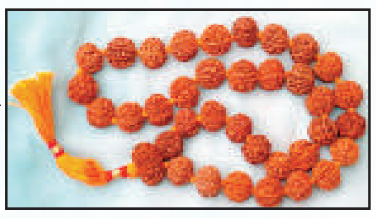

स्वास्थ्यवर्धक औषधि

रुद्राक्ष एक वनस्पति है। इसके पेड़ पर बेर जैसे फल लगते है। ये पेड़ हिमालय की तराई में पाए जाते है। रुद्राक्ष के प्रभाव से आसपास का संपूर्ण वातावरण शुद्ध हो जाता है। इसे रातभर भिगोकर रखने के बाद और प्रात:काल नियमित रूप से खाली पेट इसका पानी पीना हृदय रोगियों के लिए बहुतलाभदायक साबित होता है।

मान्यता के अनुसार, 1 से लेकर 35 मुंह तक के रुद्राक्ष उपलब्ध है। विविध कार्यसिद्धि के लिए विभिन्न रुद्राक्ष उपयोग में लाए जाते है। लेकिन गौरी-शंकर नामक संयुक्त रुद्राक्ष, पैंतीस मुखी एवं एकमुखी रुद्राक्ष बहुत कम प्राप्त होते है। पुराना रुद्राक्ष अधिक प्रभावशाली होता है।

रुद्राक्ष के विभिन्न प्रकार

रुद्राक्ष की अलग-अलग किस्मों के लाभ भी अलग होते है। यहां प्रस्तुत है रुद्राक्ष के प्रमुख प्रकार और उनके फायदे:

- एकमुखी रुद्राक्ष: यह आंख, नाक, कान और गले की बीमारियों को दूर करने में सहायक होता है।
- द्विमुखी रुद्राक्ष: यह मस्तिष्क की शांति, धैर्य और सामाजिक प्रतिष्ठा की वृद्धि में सहायक होता है। साथ ही इसे धारण करने से पाचन तंत्र संबंधी समस्याएं भी काफी हद तक दूर हो जाती है।
- पंचमुखी रुद्राक्ष: यह पंच ब्रह्म तत्व का प्रतीक है। यह युवाओं के जीवन को सही दिशा देता है। इससे धन और मान-सम्मान में वृद्धि होती है और यह उच्च रक्तचाप को भी नियंत्रित करता है।
- सप्तमुखी रुद्राक्ष: यह भगवान कार्तिकेय का प्रतीक माना जाता है तथा इसे धारण करने से आंखों की दृष्टि में वृद्धि होती है।

आमतौर पर चतुर्मुखी रुद्राक्ष शिक्षा के क्षेत्र में सफलता के लिए, पंचमुखी रुद्राक्ष नित्य जप के लिए, षड्मुखी रुद्राक्ष पुत्र प्राप्ति के लिए, चतुर्दश एवं पंचदशमुखी रुद्राक्ष लक्ष्मी प्राप्ति के लिए तथा इक्कीस मुखी रुद्राक्ष ज्ञान प्राप्ति के लिए धारण करने की प्रथा है।

कैसे धारण करे रुद्राक्ष

रुद्राक्ष स्वभाव से ही प्रभावी होता है, लेकिन यदि उसे विशेष पद्धति से सिद्ध किया जाए तो उसका प्रभाव कई गुना अधिक हो जाता है। अगर जप के लिए रुद्राक्ष की माला सिद्ध करनी हो तो सबसे पहले उसे पंचगव्य में डुबोएं, फिर साफ पानी से धो लें। हर मनके पर 'ईशान: सर्वभूतानां' मंत्र का 10 बार जप करे।

यदि रुद्राक्ष के सिर्फ एक मनके को सिद्ध करना हो तो पहले उसे पंचगव्य से स्नान कराएं और उस पर गंगाजल का छिड़काव करें। उसके बाद षोडशोपचार से पूजा करके उसे चांदी के डिब्बे में रखें। हाथों में कुश लेकर उसका स्पर्श रुद्राक्ष से करके इच्छित इष्टमंत्र का जप करे।

विविध रुद्राक्ष विभिन्न कार्यो के लिए काम में लाए जाते है। इसलिए उनके मंत्र एवं सूक्त भी अलग-अलग है। श्रीसूक्त, विष्णुसूक्त, पवमान रुद्र, मन्युसूक्त, चतुर्दश प्रणवात्मक महामृत्युंजय, शांतिसूक्त, रुद्रसूक्त तथा सौरसूक्त आदि का उपयोग कार्यानुसार रुद्राक्ष सिद्धि के लिए किया जाता है। रुद्राक्ष सिद्ध करना सहज है, लेकिन उसकी सिद्धि बनाए रखना मुश्किल है। असत्य वचन और बुरे व्यवहार आदि कारणों से रुद्राक्ष की सिद्धि कम हो जाती है। अत: इसे धारण करने वाले व्यक्ति को सदाचार का पालन करना चाहिए।

गले में 108 या 32 रुद्राक्षों की माला पहनने की प्रथा है। हाथों में भी 27, 54 या 108 रुद्राक्षों की माला पहननी चाहिए। भगवान शिव का पूजन करते समय रुद्राक्ष अवश्य धारण करे। शरीर से रुद्राक्ष का स्पर्श होना स्वास्थ्य के लिए अत्यंत लाभकारी होता है।

घर की पूर्व दिशा में बनवाएं सीढ़ियां

वास्तु

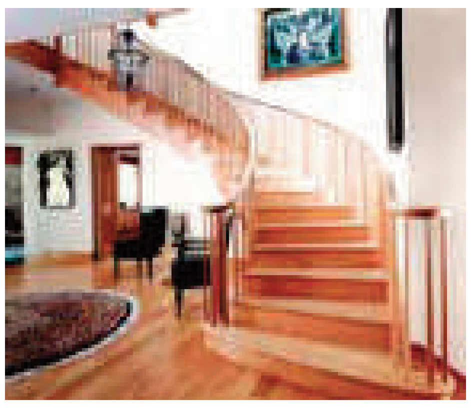

यदि मकान बहुमंजिला है तो उसमें सीढ़ियां अवश्य होंगी। वास्तुशास्त्र के अनुसार, घर का प्रत्येक हिस्सा महत्वपूर्ण होता है और घर के सदस्यों पर उनका विशेष प्रभाव भी होता है। अत: वास्तु के अंतर्गत सीढ़ियों के संबंध में कुछ जरूरी बातें बताई गई हैं। उनमें से कुछ इस प्रकार हैं-

- सीढ़ियों का उतार-चढ़ाव ढलान के अनुसार ही होना चाहिए। सीढ़ियों पर पूर्व से पश्चिम की तरफ या उत्तर से दक्षिण की तरफ चढ़ाई हो सकती हैं।
- यदि सीढ़ियां बीच में घुमावदार हों तो यह घुमाव चढ़ते समय क्लॉकवाइज यानी बाएं से दाएं होनी चाहिएं। चूंकि पृथ्वी भी इसी दिशा में घूमती है और चढ़ते समय एनर्जी भी अधिक खर्च होती है, इसलिए क्लॉकवाइज घूमते हुए ही चढ़ना चाहिए ताकि अतिरिक्त ऊर्जा न लगानी पड़े।
- चूंकि उतरते समय कम ऊर्जा की आवश्यकता होती है, इसलिए एंटी-क्लॉकवाइज घूमते हुए भी उतरा जा सकता है।
- बड़े भवनों में नीचे से दो तरफ़ से सीढ़ियां चढ़ाई जाती हैं और घुमाव के स्थान पर मिलाते हुए ऊपर कर दी जाती है अथवा नीचे से एक सीढ़ी चढ़ाते हुए घुमाव के स्थान पर दो भागों में दो तरफ़ चढ़ा दी जाती है, इससे चढ़ते व उतरते समय क्लॉकवाइज घूमा जा सकता है।
- यदि सीढ़ियां बिल्कुल सीधी हैं और बीच में कोई घुमाव नहीं है तब भी छत पर प्रवेश करते समय घड़ी की सुइयों की दिशा में ही दरवाजा होना चाहिए ताकि छत के कमरे में प्रवेश करते समय क्लॉकवाइज घूमना पड़े। एंटी-क्लॉकवाइज घुमाव वाला दरवाजा न रखें। यदि सीढ़ियां सीधे ही छत के कमरे में प्रवेश करती हों तब किसी परिवर्तन की आवश्यकता नहीं है।
- भवन के मध्य भाग में कोई पिलर अथवा सीढ़ियां नहीं बनवाई जानी चाहिएं।
- वास्तु सम्मत सीढ़ियां भवन के पूर्व या दक्षिण दिशा में बनवाई जानी चाहिएं।

जानें, किस तरह पानी की स्थिति दिलाती है घर में परेशानी से निजात

पानी का बर्तन रसोई के उत्तर-पूर्व या पूर्व में भरकर रखें। घर में पानी सही स्थान, सही दिशा में रखने से परिवार का स्वास्थ्य अनुकूल व सुख-समृद्धि में वृद्धि होती ।

पानी का बर्तन रसोई के उत्तर-पूर्व या पूर्व में भरकर रखें। घर में पानी सही स्थान पर और सही दिशा में रखने से परिवार के सदस्यों का स्वास्थ्य अनुकूल रहता है और सुख-समृद्धि में वृद्धि होती है।

पानी का स्थान ईशान कोण है अत: पानी का भण्डारण अथवा भूमिगत टैंक या बोरिंग पूर्व, उत्तर या पूर्वोत्तर दिशा में होनी चाहिए। पानी को ऊपर की टंकी में भेजने वाला पंप भी इसी दिशा में होना चाहिए।

दक्षिण-पूर्व, उत्तर-पश्चिम अथवा दक्षिण-पश्चिम कोण में कुआं अथवा ट्यूबवेल नहीं होना चाहिए। इसके लिए उत्तर-पूर्व कोण का स्थान उपयुक्त होता है। इससे वास्तु का संतुलन बना रहता है।

अन्य दिशा में कुआं या ट्यूबवेल हो, तो उसे भरवा दें और यदि भरवाना संभव न हो, तो उसका उपयोग न करें। नहाने का कमरा पूर्व दिशा में शुभ होता है।

ध्यान रखें, घर के किसी नल से पानी नहीं रिसना चाहिए अन्यथा भुखमरी की स्थिति पैदा हो सकती है।

ओवर हेड टैंक उत्तर और वायव्य कोण के बीच होना चाहिए। टैंक का ऊपरी भाग गोल होना चाहिए।

लंका में प्रवेश और लंकिनी पर प्रहार

सौ योजन चौड़े विशाल समुद्र को पार कर हनुमान जी आकाश में उड़ते हुए शीघ्र ही लंका नगरी के निकट जा पहुंचे। वहां का दृश्य बड़ा ही सुहावना था। चारों ओर तरह-तरह के सुंदर वृक्ष लगे हुए थे। सुंदर-सुंदर फूल खिले हुए थे। भांति-भांति के पक्षी आनंद में चहक रहे थे।

शीतल, मंद, सुगंधित हवा बह रही थी। बड़ा ही मनमोहक दृश्य था लेकिन श्री हनुमान जी का मन इस समय प्राकृतिक छटा में बिना डूबे लंका में प्रवेश की योजना बनाने में खोया हुआ था। महावीर हनुमान जी ने सोचा कि माता सीता जी को रावण ने जिस स्थान पर छुपा कर रखा है उसका पता तो मुझे लगाना ही है और साथ ही मुझे यहां के बारे में अन्य आवश्यक बातें भी जान लेनी चाहिएं। मुझे यहां पूरी सेना के ठहरने लायक स्थान, जल-फल की सुविधा आदि का पता भी करना चाहिए। रावण का दुर्ग (किला) दूर से ही देखने पर अत्यंत दुर्गम मालूम पड़ता है।

अत: युद्ध के विचार से इसकी एक-एक बात का पता लगा लेना भी आवश्यक है परन्तु अपने असली रूप में और वह भी दिन के उजाले में इस नगरी में प्रवेश करना तो बहुत बड़ी भूल होगी। इसीलिए रात्रि के समय सबके सो जाने पर सूक्ष्म वेश धारण करके ही मेरा इस नगरी में प्रवेश करना उचित होगा। रात हो जाने पर मच्छर के समान अत्यंत छोटा रूप बन कर तथा मन ही मन प्रभु श्री राम चंद्र जी का स्मरण करते हुए हनुमान जी ने लंका में प्रवेश किया। चारों ओर भयानक व विकराल राक्षस-राक्षसियों का पहरा था।

वह नगरी बहुत अच्छी तरह से बसाई गई थी। सड़कें-चौराहे सब बहुत ही सुंदर थे। उसके चारों ओर समुद्र था। पूरी नगरी सोने की बनी हुई थी। स्थान-स्थान पर सुंदर बगीचे और जलाशय बने हुए थे। हनुमान जी अत्यंत सावधानी के साथ आगे बढ़ ही रहे थे कि लंका की रक्षा करने वाली लंकिनी राक्षसी ने उन्हें पहचान लिया। उसने आगे बढ़ कर हनुमान जी को डराते हुए कहा, ''अरे! तू कौन है? जो चोर की तरह छिप कर लंका में प्रवेश कर रहा है। क्या तुझे यह पता नहीं है कि लंका में घुसने वाले चोर ही मेरे आहार हैं? इससे पहले कि मैं तुझे खा जाऊं-तू अपना सारा रहस्य बता दे कि यहां क्यों आया है?''

हनुमान जी ने सोचा कि यदि मैं इससे किसी प्रकार का विवाद करता हूं तो शोर सुनकर बहुत से राक्षस यहां इकटठे हो जाएंगे। अत: मुझे इसे बेहोश करके आगे बढ़ जाना चाहिए। यह सोचकर उन्होंने बाएं हाथ की मुष्टिका (मुटठी) से उस पर प्रहार किया। उस प्रहार से वह मुंह से खून फैंकती हुई बेहोश होकर पृथ्वी पर गिर पड़ी किंतु शीघ्र ही वह पुन: उठकर खड़ी हो गई। उसने कहा, ''वानर वीर! अब मैंने तुम्हें पहचान लिया है। तुम भगवान श्री राम चंद्र जी के दूत हनुमान हो। मुझसे बहुत पहले ब्रह्मा जी ने कहा था, 'त्रेतायुग में हनुमान नामक एक वानर लंका में सीता जी की खोज करता हुआ आएगा। तू उसकी मार से बेहोश हो जाएगी। जब ऐसा हो तब समझना कि शीघ्र ही सारे राक्षसों के साथ रावण का संहार होने वाला है। वीर रामदूत हनुमान! अब तुम निर्भय होकर लंका में प्रवेश करो। मेरा परम सौभाग्य है कि ब्रह्मा जी की कृपा से मुझे परम पवित्र श्री रामदूत के दर्शन हुए।''

खुशहाली के लिए लगाएं रत्नों का पौधा

रत्नों का पौधा सुनने में भी भले ही काल्पनिक लगे किन्तु वास्तविकता यही है कि चीनी पद्धति में इस पौधे का अधिक महत्व है। यह पौधा तरह-तरह के रत्नों और स्फटिकों का बना होता है। इसमें कई वैरायटीज होती हैं।

नवरत्न पेड नवग्रहों की शांति, सुख तथा पारिवारिक शांति के लिए उपयोग किया जाता है। एमेथिस्ट का पेड. दिमाग का संतुलन बनाए रखता है। रंग-बिरंगे रत्नों से सजे इस पौधे को यदि घर के उत्तर-पश्चिम क्षेत्र में रखा जाए तो निश्चित रूप से जीविका चलाने वाले व्यक्ति के सौभाग्य में वृद्धि होती है। इसे घर में दक्षिण-पूर्व दिशा में भी रखा जा सकता है। इसे व्यवसायिक स्थल पर रखने से सम्पदा मिलती है। इसे बैठक में भी रखा जा सकता है। इसका एक ओर महत्वपूर्ण कार्य नकारात्मक ऊर्जा को दूर करना भी है। चीनी संस्कृति और फेंगशुई में ड्रैगन को बहुत सम्मान दिया जाता है और इसे शुद्ध मानते हैं।

कई पीढतिों से ड्रैगन शक्ति, अच्छे भाग्य और सम्मान का प्रतीक माना जाता है। ड्रैगन एक कीमती कास्मिक ची बनाता है, जिसे शेंग ची भी कहते हैं, जिससे घर और कार्यस्थल पर भाग्य साथ देता है। डबल ड्रैगन को यूं तो किसी भी दिशा में रखा जा सकता है, लेकिन पूर्व दिशा में रखना सबसे ज्यादा कारगर माना गया है।

यह ड्रैगन लकडी, सेरेमिक व धातु में उपल्बध है। दो ड्रैगन का जोडा समृद्धि का प्रतीक है। इनके पैर के पंजों में ज्यादा मोती सबसे ज्यादा ऊर्जा संजोये है। फेंगशुई में ड्रैगन को चार दिव्य प्राणियों में गिना जाता है। ड्रैगन येंग यानी पुरुषत्व, हिम्मत और बहादुरी का प्रतीक है। लकडी के ड्रैगन को दक्षिण- पूर्व या पूर्व में, सेरेमिक, क्रिस्टल के ड्रैगन को दक्षिण- पूर्व, उत्तर-पूर्व वया उत्तर पश्चिम में रखें।

छात्र इसे अपनी पढ.ाई की टेबल पर रखें। घर की उत्तर-पश्चिम दिशा में इसे रखने से अच्छे सलाहकार, दोस्त व बढिया नेतृत्व करने वाले साथी मिलेंगे।

नहीं चाहते किसी से विवाद, तो आजमाइए यह लाजवाब उपाय

जैन धर्म ही नहीं, बल्कि संसार का हर धर्म क्षमा के महत्व को मानता है। माफी मांगना और माफ करना दोनों ही मनुष्य के व्यक्तित्व को पूर्ण करने वाले तत्व हैं।

क्षमा का अर्थ है, 'किसी के द्वारा की गई गलती को स्वेच्छा से समाप्त कर देना।' जैन धर्म में क्षमा 'क्षमावाणी' पर्व रूप में मनाई जाती है। इस पर्व को जैन धर्म के अनुयायी दशलक्षण महापर्व के रूप में मनाते हैं। दस दिन, दस सिद्धांतों को मानते हुए दसवें दिन क्षमावाणी का पर्व मनाया जाता है।

जैन संत विद्यासागर जी महाराज कहते हैं, 'अपने मन में क्रोध को पैदा न होने देना और अगर हो भी जाए तो अपने विवेक से, नम्रता से उसे विफल कर देना चाहिए। स्वयं से जाने-अनजाने में हुई गलतियों के लिए खुद को क्षमा करना और दूसरे के प्रति भी इसी भाव को रखना क्षमा पर्व का महत्व है।

अन्य धर्मों में क्षमा

जैन धर्म ही नहीं, बल्कि संसार का हर धर्म क्षमा के महत्व को मानता है। क्षमा मांगने से अहंकार खत्म हो जाता है। महाभारत में क्षमा के बारे में उल्लेख मिलता है, 'दुष्टों का बल हिंसा है, राजाओं का बल दंड है और गुणवानों का क्षमा है।' ठीक इसी तरह श्रीमद्भागवद् में उल्लेखित है, 'वही साधुता है कि स्वयं समर्थ होने पर क्षमाभाव रखे।' इस्लाम धर्म के पवित्र ग्रंथ कुरान में उल्लेखित है, जो क्षमा करता है और बीती बातों को भूल जाता है, उसे ईश्वर की ओर से पुरस्कार मिलता है। वहीं, खलील जिब्रान ने कहा है, 'जो मनुष्य नारी को क्षमा नहीं कर सकता, उसे उसके महान गुणों का उपयोग करने का अवसर कभी प्राप्त न होगा।'

क्षमा का मनोविज्ञान मनोविज्ञानी भी क्षमा के महत्व को मानते हैं। कई मनोवैज्ञानिकों के मतानुसार, 'क्षमा का मनुष्य के व्यक्तित्व में बहुत महत्व होता है। यदि कोई आदमी माफी मांगने पर भी किसी को माफन करे तो उसके व्यक्तित्व में भी 'अहम' संबंधी विकार होता है। यानी माफी मांगना और माफ करना दोनों ही मनुष्य के व्यक्तित्व को पूर्ण करने वाले तत्व हैं।

माऊंटेन बाइसिकल में 4 जीबी रैम

चाइनीज कंपनियों में लीईको एक ऐसा नाम है जो दुनियाभर में तेजी से लोकप्रिय हो रही है। हाल ही में कम्पनी ने इलैक्ट्रिक कार को पेश किया है और कम्पनी का ली सीवरेक भी फेमस प्रोडक्ट है। यह एक माऊंटेन बाइक है जिसपर स्मार्टफोन लगा है। यह इंवेंशन गूगल के एंड्रॉयड सॉफ्टवेयर पर चलती है और इसके हैंडलबार पर 4 इंच की डिस्प्ले लगी है। हैंडलबार पर लगा स्मार्टफोन क्वार्ड कोर प्रोसैसर पर चलता है और 4 जीबी रैम दी गई है। इसके अलावा इसमें लेजर प्वाइंटर, हार्ट रेट सैंसर और बिल्ट इन स्पीकर तथा कैमरा लगा है। इसमें लगी लेजर दोनों तरफ से लाल रोशनी छोड़ती है जिससे राइड सुरक्षित हो सके। इसमें अलार्म सिस्टम और एप कम्पेटिबिलिटी दी गई है जिससे ट्रैकिंग डाटा मिल जाता है। यह बाइक पहले से ही चाइना में बिक्री के लिए उपलब्ध है और इसकी कीमत 800 डॉलर यानी लगभग 53,000 रुपए है।

भारतीयों के लिए खतरा है शाकाहारी खाना

अभी तक यही माना जाता रहा है कि शाकाहारी भोजन सेहतमंद जीवन की कुंजी है। लेकिन अमेरिकी शोधकर्ताओं का दावा है कि इससे भारतीयों में दिल की बीमारी व कोलन कैंसर का खतरा बढ़ सकता है। कॉर्नेल यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं का कहना है कि शाकाहारी भोजन से एक जीन में परिवर्तन का खतरा रहता है। इससे दिल की बीमारी और कोलन कैंसर जैसे गंभीर रोग होने का जोखिम बढ़ जाता है।

बिना वजह क्यों होता है मोबाइल के वाइब्रेशन का अहसास

मोबाइल फोन आजकल एक आवश्यक आवश्यकता बन चुका है। हर शख्स अपने आप को मोबाइल फोन के साथ कंफर्टेबल और सुरक्षित महसूस करता है। पर ऐसे में कुछ अजीबो गरीब बीमारियां भी पनप रही हैं जिनका रिश्ता सिर्फ मोबाइल फोन से ही है। ऐसी ही एक बीमारी के बारे में हम यहां जिक्र कर रहे हैं।

बिना बजे ही लगता है फोन कर रहा है वाइब्रेट

हाल ही में सामने आए एक अध्ययन में एक बीमारी का पता चला है। इस बीमारी में आपका फोन वाइब्रेट नहीं होगा, लेकिन बार-बार आपको ऐसा एहसास होगा कि आपका फोन या आसपास कोई दूसरा फोन वाइब्रेट हो रहा है। शेधकर्ताओं का कहना है कि मोबाइल फोन का इस्तेमाल करने वाले लगभग नब्बे प्रतिशत लोगों को अक्सर कपड़ों में सरसराहट या मांसपेशियों में ऐंठन होने से बार-बार ऐसा लगता है जैसे उनका या उनके आसपास का कोई मोबाइल वाइब्रेट हो रहा हो। वास्तविकता में ऐसा कुछ नहीं होता चेक करने के बाद ये अहसास होता है कि ये उनकी गलतफहमी थी। इस डिसीज को नाम दिया गया है फैंटम वाइब्रेशन सिंड्रोम। हालाकि इस अध्ययन में यह भी पता चला है कि ज्यादातर लोग जिनमें यह लक्षण पाया गया है, उन्हें इस बीमारी से कोई खास फर्क नहीं पड़ता है।

ऐसा ही होता है पैरीडोलिया में भी

इसी तरह का अहसास होने पर इस बीमारी को पैरीडोलिया नाम भी दिया गया है। पैरीडोलिया में भी आपका दिमाग ऐसी चीजों के बारे में सोच लेता है जो दरअसल होती ही नहीं हैं। जैसे बिना मतलब वाइब्रेशन को महसूस करना, ऐसा विशेष रूप से तब होता है जब हम फोन को वाइब्रेशन पर लगा देते हैं और अचानक हमारा फोन किसी ना किसी वजह से वाइब्रेट करता है। इसके बाद जब हमारा दिमाग किसी एक्टिविटी में बिजी होता है और आपके अवचेतन में ये बात होती है कि फोन फिर वाइब्रेट होगा और उसी वजह से बिना किसी वजह के आपको लगता है कि फोन वाइब्रेट हो रहा है। ये कोई हैल्यूसिनेशन नहीं है बल्कि यह आपके दिमाग का फोन के प्रति बिना अहसास के ज्यादा सचेत हो जाना है।

पानी की किल्लत होने पर इस तरह पूरी करें पानी की जरूरत

गर्मी आ गई है और दुनिया के कई इलाकों में पानी की समस्या शुरू हो गई है। पानी की कमी के कारण लोगों की जानें भी जा रही हैं। पिछले दिनों नन्ही बच्ची पानी भरते-भरते मर गई। डॉक्टरों ने बच्ची की मौत का कारण डीप हीट स्ट्रोक को माना है। 11 साल की बच्ची रोजाना तपती धूप में पानी भरती थी। उसका घर हैंडपंप से 400 मीटर दूर था। वो रोज 10 से ज्यादा बार पानी भरने जाती थी। उस दिन गर्मी ज्यादा थी या धूप, मालुम नहीं। लेकिन बच्ची हीट स्ट्रोक की शिकार हुई और पानी की आस में परिवारजनों से हमेशा के लिए दूर हो गई है।

हीट स्ट्रोक

साल दर साल नए रिकॉर्ड तोड़ रही गर्मी ने इस साल अप्रैल में ही तापमान 43 डिग्री सेल्सियस को पार कर लिया। ऐसे में बढ़ते तापमान और आ रही लोगों की मौत की खबरों के बीच जरूरी है कि आप भी हीट स्ट्रोक के खतरो को आब सामान्य तौर पर लेने के बजाय इसके खतरे को समझें और बचकर रहें।

इन इलाकों में समस्या

जल समस्या देश के कई इलाकों में देखने को मिल रही है। महाराष्ट्र के अलावा मध्यप्रदेश के भी जिलें सुखे की चपेट में है। दक्षिणी कर्नाटक के ग्रामीण इलाक पूरी तरह से सूख चुके हैं और वहां से दंगों की खबरें आ रही हैं। बारह महीने सदाबहार रहने वाले चेरापूंजी में भी पानी की समस्या सुनने को आ रही है। दिल्ली में पानी की समस्या तो गर्मी के शुरू होते ही शुरू हो जाती है। बिहार जैसे राज्य में जहां हर वर्ष बाढ़ आती है वो भी पानी की समस्याओं से जूझ रहा है।

जल समस्या

जल इंसानी जीवन का जरूरी अंग है। एक सामान्य इंसान को प्रतिदिन आठ ग्लास पानी पीने की जरूरत होती है। डेली इनटेक के अनुसार 18 वर्ष से अधिक उम्र के पुरुषों को प्रति दिन 3.7 लीटर पानी पीना चाहिए और महिलाओं को 2.7 लीटर पानी पीना चाहिए। इसमें खाने और फलों में मौजूद पानी को भी शामिल किया गया है। लेकिन जब इतनी मात्रा में पानी नहीं मिल पाता तो शुरू होती है जल समस्या।

समस्या से निपटने के लिए ये करें

पानी का कम से कम इस्तेमाल करना जल-समस्या के निवारण का पहला कदम है। लेकिन बड़ा सवाल तो ये है कि पानी का कम इस्तेमाल कितना करें। क्योंकि लोगों के पास जब तीन दिन में पानी आएगा तो वे कम इस्तेमाल करेंगे ही। तो फिर कम इस्तेमाल कैसे?

- कम इस्तेमाल करने की बात उन लोगों के लिए है जिनके पास पानी की उचित व्यवस्था है।
- नदियों, तलाबों, हैंडपंप औदि जल स्त्रोतों को कम से कम प्रदूषित करें।
- दवाईयों का छिड़काव- रोग-जनक सूक्ष्म जीव पानी में मिलकर पानी को प्रदूषित करते हैं। जिससे वो इंसान के पीने लायक नहीं होता। इस पानी को पीने से पेट की बीमारियां होती हैं। इससे बचने के लिए जलस्त्रोतों में दवाईयों का छिड़काव करें।
- जल की जांच करें- कई बार स्वच्छ जल भी बीमार कर देते हैं। दरअसल जल में अनेक प्रकार के खनिज तत्व, कार्बनिक, अकार्बनिक पदार्थ और गैसें घुली होती हैं जो कई बार अधिक मात्रा में इकट्ठी हो जाती हैं। जिससे पानी पीने लायक नहीं रहता।
- गंदगी का निपटान करें- घरों से निकले कचरे जैसे-नहाने, धोने, पोछा लगाने, सड़े फल, तरकारियों, साबुन और डिटर्जेंट आदि के कारण पानी प्रदुषित होता है।
- पानी बचाएं- पानी का कम से कम इस्तेमाल करें। बर्बाद बिल्कुल भी ना करें। साथ ही वर्षा के जल का संचयन करें।

किल्लत में ये करें

- कम पानी पिएं।
- तला-भूना कम खाएं।
- अधिक से अधिक फल खाएं।
- नहाने के लिए ज्यादा पानी बर्बाद ना करें।
- कपड़ें धोने के पानी से ही घर को पोछें।
- अलग से घर धोने के लिए पानी का इस्तेमाल ना करें।

गर्मी दूर भगाने के लिए इस तरह करें शीतली प्राणायाम

जैसा नाम वैसा काम। ये कहावत शीतली प्राणायम के लिए एकदम सटीक बैठती है। शीतली प्राणायाम से गर्मी के मौसम में राहत पाई जा सकती है। शीतली प्राणायाम प्राणायाम ना केवल शीतलता प्रदान करता है बल्कि मन की शांति भी देता है। शरीर को ठंडक पहुंचाने के कारण इसे कूलिंग ब्रीथ कहा जाता है। इस प्राणायाम को सभी योगासन को करने के बाद सबसे अंत में किया जाना चाहिए क्योंकि ऐसा करने से सभी योगासनों को करने की थकान दूर होकर पूरे शरीर में ठंडक का एहसास होता हैं। इस प्राणायाम से सम्पूर्ण शरीर यंत्र को ठंडक प्राप्त होती है और कान एवं नेत्र को शक्ति मिलती है।

शीतली प्राणायाम करने से पहले स्नान कर लेना चाहिए। आसन और प्राणायाम के बाद स्नान करना चाहें तो कम से कम आधे घंटे का अंतराल रखें ताकि इस दौरान रक्त का संचार सामान्य हो जाए। यह प्राणायाम हर मौसम में हर जगह आसानी से किया जा सकता है। प्राणायाम का अभ्यास होने के बाद गर्मी के मौसम में इसकी अवधि आवश्यकता अनुसार बढ़ा सकते हैं।

शीतली प्राणायाम की खास बात ये है इसमें आप किसी एक प्रकार की अवस्था में बैठने के लिए बाध्य नहीं होते। दोनों हाथों की अंगुलियों को ज्ञान मुद्रा में दोनों घुटनो पर रखें, आंखें बन्द करें। उसके बाद अपनी जीभ को नली के समान बना लें अर्थात गोल बना लें और मुंह से लम्बी गहरी श्वास आवाज के साथ भरें।

फिर इस नली के माध्यम से ही धीरे-धीरे मुंह से सांस लें। इसके बाद जीभ अंदर करके सांस को धीरे-धीरे नाक के द्वारा बाहर निकालें। हवा नलीनुमा इस ट्यूब से गुजरकर मुंह, तालु और कंठ को ठंडक प्रदान करेगी। याद रहें कि श्वास बाहर निकालने का समय श्वास लेने के समय से ज्यादा हो। यानी जीभ के सहारे श्वास को धीरे-धीरे अंदर लेना भी है और स्वास छोड़ते वक्त श्वास और धीरे से छोड़ना है।

प्राणायाम के समय सांस लयबद्ध और गहरी होना चाहिए। शीतकारी प्राणायाम में मुंह बंद कर दंत पंक्तियों को मिलाकर मुंह से श्वास लेते हैं और नाक से ही श्वास छोड़ते हैं। प्रदूषित जगह में इस प्राणायाम का अभ्यास न करें। कम से कम 10 चक्रों का अभ्यास करें। अभ्यस्त होने पर 5 से 10 मिनट तक अभ्यास करें।

इसके अभ्यास से मानसिक उत्तेजना एवं उदासीनता दोनों दूर हो जाती हैं। मस्तिष्क के स्नायु, नाड़ी संस्थान तथा मन शांत हो जाता है। यह प्राणायाम अनिद्रा, उच्च रक्तचाप, हृदयरोग और अल्सर में रामबाण का काम करता है। चिड़चिड़ापन, बात-बात में क्रोध आना, तनाव तथा गर्म स्वभाव के व्यक्तियों के लिए यह विशेष लाभप्रद है।

जो लोग खाते रहने की आदत से परेशान हैं उन्हें ये प्राणायाम जरूर करना चाहिए क्योंकि ये गैर जरूरी भूख कम करता है। ये प्राणायाम ब्लडप्रेशर कम करता है। एसीडिटी और पेट के अल्सर तक में आराम मिलता है।

प्राणायाम के अभ्यास के बाद शवासन में कुछ देर विश्राम करें। जहां तक संभव हो सूर्योदय या सूर्यास्त के समय ही यह प्रणायाम करें।

इससे होने वाले नुकसान को न करें नजरअंदाज

फैशन के लिए टैटू बनवाना पड़ सकता है महंगा

टैटू बनवाना आजकल ट्रेंड में है बल्कि यूं कह लें कि ये एक तरह का स्टाइल स्टेटमेंट बन गया है। बॉडी पर ब्लैक एंड व्हाइट से लेकर कलरफुल टैटू बनवाने का फैशन यूथ के बीच काफी लोकप्रिय हो गया है। खाद्य और औषधि प्रशासन की एक रिपोर्ट में नकली टैटू को लेकर अवेयर किया गया है। तो आइए आज हम आपको बताते है कि टैटू बनवाने के क्या नुकसान हो सकते हैं?

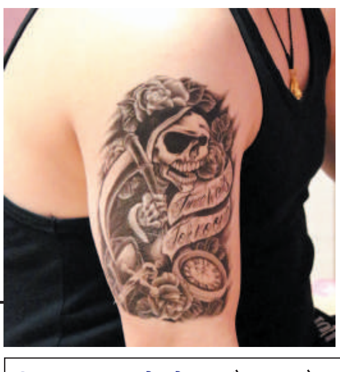

मसल्स को नुकसान

कुछ डिजाइनों में टैटू उकेरने वाली सूईयों को शरीर में गहरा चुभाया जाता है, जिससे मसल्स पर असर पड़ता है और उनके डैमेज होने की संभावना बढ़ जाती है। एक्सपर्ट्स का मानना है कि शरीर पर जहां तिल है उस जगह पर टैटू नहीं बनवाना चाहिए।

स्किन प्रॉब्लम और कैंसर: टैटू बनवाते समय लोग एक मिनट भी नहीं सोचते है कि इससे सोराइसिस नामक बीमारी होने का खतरा होता है। एक व्यक्ति का नीडल दूसरे व्यक्ति पर इस्तेमाल करने से चर्म रोग, हेपेटाइटिस और एचआईवी जैसी संक्रमित बीमारियां होने का खतरा होता है। टैटू बनवाने से स्किन कैंसर का खतरा काफी हद तक बढ़ सकता है।

केमिकल्स का खतरा

टैटू बनाने के लिए प्रयोग की जाने वाली स्याही में कई तरह के खतरनाक केमिकल्स मिले होते हैं, जिनसे स्किन कैंसर का खतरा होता है। टैटू बनाने वालों द्वारा प्रयोग की जाने वाली नीले रंग की स्याही में कोबाल्ट और एल्यूमिनियम होता है। जबकि लाल रंग की स्याही में मरक्यूरियल सल्फाइड और दूसरे रंगों की स्याहियों में शीशा, कैडियम, क्रोमियम, निकल, टाइटेनियम और कई तरह की दूसरी धातुएं मिली होती हैं। जो त्वचा पर एलर्जी कर सकती हैं।

इंफेक्शन और एलर्जी

टैटू बनवाना भले ही स्टाइलिश लगता हो, लेकिन ये कई सारी बीमारियों का घर भी होता है। कई सारी बीमारियों की संभावना के अलावा स्किन पर लाल निशान, सूजन, मवाद आने के साथ दर्द होना, आदि तरह के स्किन इन्फेक्शन हो सकते हैं। इसके अलावा बैक्टीरियल इंफेक्शन होने का भी खतरा बना रहता है। पर्मानेंट टैटू बनवाने में होने वाले दर्द से बचने के लिए अगर कोई नकली टैटू बनवाने की सोच रहा है तो उसे भी सतर्क रहना चाहिए। क्योंकि इससे भी त्वचा पर एलर्जी हो सकती है।

...तो कितने 'टैक स्मार्ट' हैं आप

आज की दुनिया का हर पहलू तेजी से इंटरनेट से जुड़ता जा रहा है। सोशल नैटवर्किंग वेबसाइट्स की लोकप्रियता भी इनमें शामिल हो चुकी है। ऐसे में कंपनियों का आधुनिक तकनीकों तथा रुझानों से भली प्रकार अवगत कर्मचारियों की तलाश करना स्वाभाविक हो गया है।

ऐसे कर्मचारियों को अधिक महत्व

जानकार कहते हैं कि इन दिनों संस्थान तकनीकी रूप से सक्षम कर्मचारियों का महत्व समझते हैं और वे अपने यहां नियुक्तियों के लिए आवेदन करने वाले कर्मचारियों में संबंधित कौशल की अपेक्षा भी रखते हैं। कंपनियां मानती हैं कि कर्मचारियों में तकनीकी समझ को ग्रहण करने की कुदरती खूबी होनी चाहिए तभी वे भविष्य में कंपनी में या कामकाज में होने वाले तकनीकी विकास के साथ कदम से कदम मिला कर कम्पनी के हित में कार्य कर सकेंगे। वैसे भी हर कंपनी अपनी प्रतियोगी कंपनी से आगे रहने की कोशिश करती है, जिसके लिए उसके कर्मचारियों में गहन तकनीकी ज्ञान होना अनिवार्य हो जाता है।

बेहतर ढंग से दे सकते हैं अंजाम

आज के दौर में तकनीकी दक्षता कौशल ही नहीं, एक जरूरत बन चुकी है। यह भी माना जाता है कि आज के दौर में अच्छा प्रदर्शन तथा करियर में तरक्की के लिए तकनीकी दक्षता बेहद महत्वपूर्ण है। तकनीकी रूप से सक्षम व्यक्ति अपने काम को और अधिक बेहतर ढंग से अंजाम दे सकता है जो उसके साथ-साथ कम्पनी के लिए भी लाभदायक स्थिति साबित होती है। यह सवाल भी उठ सकता है कि भला कोई कंपनी किस तरह से किसी के टीएसक्यू का आकलन लगा सकती है। इसके लिए इंटरव्यू के दौरान पूछे जाने वाले सवालों से ही प्रार्थी की तकनीकी दक्षता तथा तकनीकों से उसके लगाव के बारे में काफी कुछ पता चल सकता है। अंत में निष्कर्ष यही निकलता है कि आज के प्रतियोगी दौर में सफल होना है तो युवाओं को नवीनतम तकनीक के प्रति सजग रहते हुए अपने 'टैक-स्मार्ट क्वोशन्ट' को उम्दा बनाए रखना चाहिए।

रेसिपी

बिहार का इंटरनेशनल लिट्टी चोखा

आइए बनाएं लिट्टी चोखा

लिट्टी चोखा एक बिहार और झारखंड में खायी जाने वाली डिश है, लेकिन अब पूरे देश में इसे शौक से खाया जाता है। हालाकि लिट्टी देखने में तो बाटी जैसी लगती है, लेकिन दोनों में अंतर है। लिट्टी की पिट्ठी सत्तू से बनाई जाती है और इसे बैगन या आलू के चोखा मतलब भर्ते के साथ खाया जाता है।

सामग्री

लिट्टी के लिए- गेहूं का आटा -4 कप, अजवायन -आधा छोटी चम्मच, घी या तेल -आधा कप, खाने का सोडा - 1/3 छोटा चम्मच, नमक - 3/4 छोटी चम्मच

पिट्ठी के लिए- सत्तू -2 कप, अदरक- इंच लम्बा टुकड़ा महीन कटा, हरी मिर्च -2-4 महीन कटी, हरा धनिया - आधा कप बारीक कतरा हुआ, जीरा -1 छोटी चम्मच, सरसों का तेल -2 छोटी चम्मच, अचार का मसाला -2 टेबल स्पून, नीबू -1 नीबू का रस, काला नमक - स्वादानुसार

चोखा के लिए- बड़ा बैगन -400 ग्राम, टमाटर -250 ग्राम, हरी मिर्च -2-4 बारीक कतरी हुई, अदरक - 11/2 इंच लम्बा टुकड़ा बारीक कतरा हुआ, हरा धनिया -2 टेबल स्पून बारीक कतरा हुआ, नमक -स्वादानुसार, सरसों का तेल -1-2 छोटी चम्मच

विधि

लिट्टी के लिए- आटे को छान कर बर्तन में निकालिए, आटे में घी, खाने का सोडा, अजवायन और नमक डाल कर अच्छी तरह मिला लीजिए, गुनगुने पानी की सहायता से नरम आटा गूथ लीजिए। गुथे हुये आटे को ढककर आधा घंटे के लिये ढककर रख दीजिए।

पिट्ठी बनाने के लिए- अदरक को धोइए, छीलिए और बारीक टुकड़ों में काट लीजिए (कद्दूकस भी कर सकते हैं)। हरी मिर्च के डंठल तोड़ कर बारीक कतर लीजिए। महीन कतरा हरा धनिया भी ले लीजिए।

सत्तू को किसी बर्तन में निकालिए और इसमें कतरे हुये अदरक, हरी मिर्च, धनिया, नीबू का रस, नमक, काला नमक, जीरा, सरसों का तेल और अचार का मसाला मिला लीजिए। अगर पिठ्ठी सूखी लग रही है तो अंदाज से पिठ्ठी को इतना गीला कर लें कि उसके लड्डू बांधने पर बंध सकें। सभी चीजों को अच्छी तरह मिला लीजिए।

गुथे हुए आटे से मध्यम आकार की लोइयां बना लीजिए। इसके बीच में उंगली से गढ्ढा करके पर्याप्त मात्रा में पिठ्ठी रखिए और आटे को चारो ओर से उठा कर बन्द कीजिए और गोल कर लीजिए। गोले को हथेली से दबा कर थोड़ा चपटा कीजिए।

तंदूर को गरम कीजिए, भरी हुई लोइयों को तंदूर में रखिए और पलट पलट कर ब्राउन होने तक सेकिए, वैसे सामान्य रूप से लिट्टी उपले पर सेकीं जाती है।

चोखा बनाइए- बैगन और टमाटर धोइए और भून लीजिए, ठंडा कीजिए, छिलका उतार लीजिए, किसी प्याले में रख कर चमचे से मैश कर लीजिए। कतरे हुए मसाले और नमक, तेल डाल कर अच्छी तरह मिलाइए। अगर आप लहसुन और प्याज पसन्द करते है तब 5-6 लहसुन की कली छीलिए बारीक कतरिए और एक प्याज छीलिए, बारीक कतरिए इन्हें भी इस बैगन में मिला लीजिए।

आलू का चोखा

उबले आलू 4-5 छील कर बारीक तोड़ लीजिए, कतरे हुए अदरक, हरी मिर्च, हरे धनिये, लाल मिर्च, नमक मिलाइए, आलू का चोखा तैयार है, अब चोखा प्याले में डालिए, गरमा गरम लिट्टी को पिघले हुए घी में डुबाइए, चोखा के साथ और हरे धनिये की चटनी के साथ सर्व कीजिए।

>> जिज्ञासा

लाफिंग गैस क्या है?

बच्चो, आपने अश्रु-गैस यानी टीअर गैस के बारे में तो सुना होगा। पुलिस इसका प्रयोग अक्सर प्रदर्शनकारियों की भीड़ को तितर-बितर करने के लिए करती है। यह गैस लोगों की आंखों पर प्रभाव डालती है तथा उनमें से आंसू बहने लगते हैं। इसलिए इसे अश्रु -गैस कहते हैं। पर क्या आप जानते हैं कि लॉफिंग गैस क्या है ?

जैसे टीअर गैस लोगों को रुलाती है, वैसे ही लाफिंग गैस लोगों को हंसाने का काम करती है। लाफिंग-गैस अर्थात हंसाने वाली गैस को नाइट्स ऑक्साइड (NWO) कहते हैं। इसकी खोज का श्रेय इंग्लैंड के वैज्ञानिक जोसफ प्रीस्टले को जाता है। उन्होंने इस गैस की खोज 1772 में की थी। सूंघने पर यह गैस हमारे खून में मिलकर दिमाग के हंसी-केंद्र को उत्तेजित कर देती है। इसी उत्तेजना के कारण मनुष्य जोर-जोर से हंसने लगता है। जहां इस गैस का प्रभाव शीघ्रता से होता है, वहीं समाप्त भी जल्दी होता है। आरम्भ में इस गैस का प्रयोग डॉक्टर बिना दर्द महसूस किए मरीजों के दांत निकालने के लिए करते थे। अधिक मात्रा में लाफिंग-गैस को सूंघना हानिकारक हो सकता है। इसलिए इसका प्रयोग नहीं करना चाहिए।

>> दिमाग की बज़ी

क्या मछलियां पानी पीती हैं?

मीठे पानी की मछलियों के शरीर के द्रव, जिस पानी में वे रहती हैं, उसके मुकाबले ज्यादा खारे होते हैं, इसलिए रसाकर्षण यानी ऑस्मॉसिस की प्रक्रिया द्वारा उनकी त्वचा से होकर पानी लगातार उनके शरीर में पहुंचता रहता है। शरीर में इतना पानी पहुंचने के कारण मछलियों को पानी पीने की कोई जरूरत नहीं पड़ती। लेकिन समुद्री मछलियों के शरीर के द्रव बाहर के पानी से कम नमकीन होते हैं। इसलिए उनके शरीर का पानी लगातार बाहर जाता रहता है। अपनी त्वचा से बाहर जाते पानी के इस नुकसान को पूरा करने के लिए उन्हें बड़ी मात्रा में पानी पीना पड़ता है। पानी के साथ जो अतिरिक्त नमक उनके शरीर में पहुंचता है, वह उनके गलफड़ों तथा पाचन मार्ग से बाहर निकल जाता है। मछलियां जो भी पानी पीती हैं, उसकी उन्हें जरूरत होती है। इसलिए समुद्री मछलियां बहुत कम मूत्र त्याग करती हैं। इसके विपरीत मीठे पानी की मछलियां अपने शरीर का अतिरिक्त पानी निकालने के लिए काफी ज्यादा पेशाब करती हैं।

>> क्या आप जानते हैं?

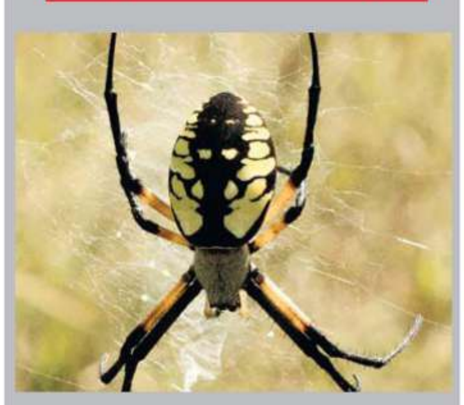

- मकड़ी की लगभग 34,000 प्रजातियां होती हैं।
- मकड़ी की आमतौर पर आठ आंखें होती हैं, पर फिर भी उसकी नजर बहुत अच्छी नहीं होती।
- केवल मादा ब्लैक विडो स्पाइडर के डंक में ही जहर होता है, लेकिन यह बहुत ज्यादा घातक नहीं होता। केवल एक फीसदी लोगों की ही इसके डंक से मौत होती है, अन्य को एंटीवेनिन का इस्तेमाल करके बचा लिया जाता है।
- मादा मकड़ी की कुछ खास प्रजातियां, जैसे ऑस्ट्रेलियन क्रैब स्पाइडर अपने बच्चों की भूख मिटाने के लिए खुद उनका भोजन बन जाती हैं।
- कुछ नर मकड़ियां मादा मकड़ियों को आकर्षित करने के लिए अपने जाले को गिटार की तरह बजाते हैं।

नन्हें फरिश्ते

कार्टून सीरियल्स में आपने फूलों और तितलियों की रंगबिरंगी दुनिया खूब देखी होगी और सराही भी होगी। तितलियां कुदरत की सबसे खूबसूरत रचनाओं में से एक हैं। अगर हम आपको सचमुच में तितलियों के देश में ले जाएं, तो यह कितना रोमांचक होगा न। चारों ओर रंग-बिरंगे तरह-तरह के फूल और उन पर मंडराती तितलियां। जरा आंखें बंद करके यह नजारा देखो, आपके चेहरे पर खुशी बिखर जाएगी। और अगर आपको तितलियों की खूबसूरत दुनिया में जाने का मौका मिले, तो आप यकीनन इसे खोना नहीं चाहेंगे। यहां आपको तितलियों के बारे में कई रोचक जानकारियां भी मिलेंगी। बैंगलुरू से करीब 21 किलोमीटर दूर बनरघट्टा बायोलॉजिकल पार्क परिसर में बटरफ्लाई पार्क है। बटरफ्लाई पार्क में आप अधिक संख्या में विभिन्न तरह की तितलियां देख सकते हैं। बटरफ्लाई पार्क के लिए यह आइडियल लोकेशन थी, क्योंकि यहां कई तरह की प्राकृतिक वैजिटेशन हैं। साढ़े सात एकड़ में फैला यह पार्क जू अथॉरिटी ऑफ कर्नाटक, यूनिवर्सिटी ऑफ एग्रिकल्चरल साइंस और अशोका ट्रस्ट फॉर रिसर्च इन इकोलॉजी एंड एनवायरमेंट का एक संयुक्त प्रयास है। यह देश का पहला और एशिया का सबसे बड़ा बटरफ्लाई पार्क है। यहां तितलियों की 100 से अधिक प्रजातियां हैं। यह पार्क बच्चों को प्रकृति के करीब लाने का एक बढ़िया प्रयास है। दूर से देखने पर यह पार्क भी एक बड़ी तितली की तरह ही दिखता है। इस पार्क को तीन हिस्सों में बांटा गया है- कंजरवेट्री, म्यूजियम और ऑडियो-विज्युअल रूम।

बटरफ्लाई कंजरवेट्री

कंजरवेट्री एक गोलाकार अहाता है, जो 10,000 वर्ग फुट एरिया में फैला हुआ है, जिसकी छत पॉलीकार्बोनेट से बनी है। इसमें लगभग 20 प्रजातियों की तितलियों का बसेरा है। यहां आपको सब तरफ खूबसूरत फूल और उन पर मंडराती तितलियां दिखाई देंगी। आपकी नजर जहां भी जाएगी, आपको सुंदर तितलियां ही दिखाई देंगी।

कंजरवेट्री के अंदर तितलियों की विभिन्न प्रजातियों के रहने के लिए सावधानी पूर्वक वातावरण बनाया गया है। यहां के तापमान को भी तितलियों के अनुसार ही सैट किया गया है। नम वातावरण बनाने के लिए यहां आर्टिफिशियल वाटरफॉल भी बनाया गया है, जिसके ऊपर संकीर्ण ब्रिज है। यहां तितलियों को आकर्षित करने के लिए कलरफुल पेड़-पौधे और झाड़ियां भी लगाई गई हैं। यहां आप तितलियों का पूरा जीवन चक्र भी देख सकते हैं।

म्यूजियम

म्यूजियम में तितलियों से जुड़ी कई रोचक व शिक्षाप्रद जानकारियां मिलती हैं। यहां तितलियों की ऐसी प्रजातियों को भी संरक्षित करके रखा गया है, जो अब नहीं पाई जातीं। यहां तितलियों के जीवन चक्र को बहुत ही सुंदर ढंग से प्रदर्शित किया गया है।

ऑडियो-विजुअल रूम

यहां आप तितलियों के बारे में अपनी जानकारी में इजाफा कर सकते हैं। ऑडियो-विजुअल रूम में प्रोजैक्टर के जरिए तितलियों के जीवन चक्र को अच्छी तरह से समझा जा सकता है।

मजेदार जानकारियां

- दुनियाभर में तितलियों की करीब 24,000 प्रजातियां हैं। ये अंटार्कटिका के अलावा दुनिया के हर हिस्से में पाई जाती हैं।
- तितली का जीवनकाल बहुत छोटा होता है। ये एक हफ्ते से एक साल तक जिंदा रह सकती हैं। यह उनकी प्रजाति पर निर्भर करता है।
- तितली 12 मील प्रति घंटे की रफ्तार से उड़ सकती है और माइग्रेट करने के लिए लंबी दूरियां तय करती है। सबसे तेज गति मोनार्च तितली की रिकॉर्ड की गई है, जो 17 मील प्रति घंटा है।
- तितलियां मुंह या एंटीना से भोजन को टेस्ट नहीं करतीं, बल्कि ये भोजन पर खड़ी-खड़ी उसे टेस्ट कर सकती है, चोंकि इसके पैरों के नीचे टेस्ट सैंसर्स होते हैं।
- सबसे बड़ी मादा तितली क्वीन एलेक्जेंड्रा है। यह जहरीली तितली पपुआ और न्यू गिनी के वर्षावनों में पाई जाती है। इनके पंखों का फैलाव 12 इंच से ज्यादा होता है। जब यह आपके नाक पर बैठती है, तो पूरा चेहरा ढंक लेती है। इस प्रजाति की नर तितली का आकार मादा के मुकाबले काफी छोटा होता है। दूसरी सबसे बड़ी तितली गोलिअथ बर्डविंग है, जो इंडोनेशिया के वर्षावनों में पाई जाती है। इसके पंखों का फैलाव 11 इंच होता है।
- सबसे छोटी तितली अफ्रीका की वैस्टर्न पिग्मी ब्लू है। इसके पंखों का फैलाव सिर्फ़ आधा इंच है।
- भारत में पश्चिमी घाट सैंकड़ों दुर्लभ और आकर्षक तितलियों की प्रजातियों का घर है। इनमें से कुछ तो इतनी दुर्लभ हैं कि वे दुनिया के किसी अन्य हस्से में नहीं पाई जातीं। इस इलाके में तितलियों की 350 प्रजातियां पाई जाती हैं। विभिन्न प्रजातियों में रंगों का पैटर्न अलग होता है।

- रशियन लोग तितली को 'बबोचका' कहते हैं, जिसका मतलब है- छोटी आत्मा। प्राचीन स यताओं में भी तितलियों को छोटे फरिश्ते या आत्माएं कहा जाता था। उनकी मान्यता थी कि जब कोई व्यक्ति मर जाता है, तो उसकी आत्मा तितली बनकर स्वर्ग में जाती है।
- कोस्टारीका में तितलियों की 1300 से ज्यादा प्रजातियां पाई जाती हैं। इनकी जिंदगी प ो पर एक बहुत छोटे से अंडे से शुरू होती है। वयस्क होने पर आमतौर पर ये उस पौधे या पेड़ के तने पर वापस आती हैं, जहां इन्होंने अपना शुरुआती समय बिताया होता है।
- तितली का दिमाग बहुत तेज होता है। देखने, सूंघने, स्वाद चखने व उड़ने के अलावा जगह को पहचानने की इनकी अद्भुत क्षमता प्रशंसनीय है। ये बहुत लंबी दूरी तय करके भी उस पेड़ पर पहुंच जाती हैं, जहां इनकी लक्कड़दादी ने अंडे दिए थे।

कैद में जूडी

दूसरे विश्व युद्ध के दौरान अमरीका के युद्धबंदियों में एक कुत्ता भी था। अमरीका द्वारा बनाए गए युद्धबंदियों में जूडी नामक यह जापानी मादा कु ा एकमात्र चौपाया थी। दरअसल, अमरीकी सैनिकों ने जूडी को एक डूबती हुई नाव से बचाया था, जो जापानी नौसेना की थी। अमरीका ने उसे मिलिट्री जेल में रखा, हालांकि उसे यहां किसी बैरक में बंद नहीं किया गया था। मिलिट्री जेल में जूडी अपना सारा समय छिपकलियों और दूसरे छोटे जीवों को पकड़ने में बिताती थी। जब भी वह इन जीवों को पकड़कर कैदियों के पास जाती, तो उसे इसके बदले में उनसे खूब प्यार मिलता था, क्योंकि इन जीवों को पकड़कर वह कैदियों के राशन को कम होने से बचाने में मदद करती थी।

हम बताएं, आप बनाएं

बगुले जैसे स्टॉर्क

>> हमारे पक्षी

इस बार हम आपको पानी तथा पानी के आस पास पाए जाने वाले पक्षियों में स्टॉर्क परिवार के पक्षियों से मिलवाते हैं। ये ऊपरी तौर पर बड़े अंजन से मिलते-जुलते होते हैं। इनकी टांगे लम्बी और टांगो का निचला भाग कुछ बाल रहित खुला होता है। गर्दन लम्बी और भारी और आगे को पतली पड़ती नुकीली चोंच होती है। उड़ते हुए ये अंजनो से बिल्कुल अलग पहचाने जा सकते हैं। इनकी गर्दन आगे को खिची रहती है, जबकि बगुलो की गर्दन अंग्रेजी अक्षर 'एस' के आकार में चपटी और मुड़ी होती है। सारसो के स्वर पेशियां नहीं होतीं, इसलिए, ये आमतौर पर चुप ही रहते है। ये सिर्फ कभी किसी मौके पर गले से हल्की घुरघुराहट की सी आवाज निकालते हैं। भारत मे इस स्टॉर्क परिवार की जो सबसे अधिक आम और आकर्षक प्रजाति पाई जाती है, वह है जंगहिल दांख कंकारी- ये लगभग गिद्ध के आकार का और सिर तक लगभग साढे तीन फुट ऊंचा होता है। इसके पर सफेद होते हैं, जिनपर ऊपर की तरफ चमकदार हरापन लिए काले रंग के निशान और पट्टियां पड़ी होती हैं और छाती पर काली पेटी-सी बनी होती है। अंगेजी मे इसे पेंटेड स्टॉर्क कहते है। इसका कारण यह है कि इसकी पूंछ के पास मुलायम हल्के गुलाबी रंग के पर (असली नहीं ऊपरी) होते है। मुंह कुछ चिकना पीला होता है और उसपर बाल नहीं होते तथा चोंच पीली तथा भारी नोंक पर कुछ मुड़ी होती है। ये झीलों और दलदलों के पास छोटे-मोटे दलों या बडे झुंडों मे पाए जाते हैं। ये और स्टॉर्क के साथ सारा दिन या तो कूबड़ निकाले चुपचाप खड़े रहते है या दलदली भूमि या उथले पानी में मछलियां और मेंढक ढूंढ़ते बड़े धैर्य के साथ घूमते रहते है। मछलियां और मेंढक उसका खास भोजन है। खाने को ये पानी के कीड़े, केकड़े और घोंघे भी खाते हैं। जंगहिल खाना ढूंढने के लिए उथले पानी में घुस जाता है, फिर गर्दन झुकाए चोंच खोले और कुछ भाग पानी में डुबाए धीरे-धीरे चलता रहता है। चोंच को या तो कुछ पानी की आशा में बिल्कुल निश्चल रखता है या एक टांग उठाए हुए इधर- उधर बाजुओं की ओट घुमाता रहता है। टांग को इस तरह घुमाकर वह पानी को चलाता है और शिकार को हांक कर खुले जबड़ों की ओर ले आता है। कभी- कभी टांग चलाने के साथ ही वह उसी ओर का पंख भी फड़फड़ाता है, इस प्रकार उसकी छाया भी पानी में पड़ती है इससे शिकार और जल्दी उधर की ओर आ जाता है। जंगहिल पानी में या उसके पास स्थित पेड़ों पर निस्संकोच होकर बैठते और बसेरा करते हैं।

सागर का जन्म

पृथ्वी पर सागरों का बनना एक अनोखी घटना है। इनके बनने की प्रक्रिया में एक-दो नहीं, बल्कि करोड़ों साल लगे। कैसे बने ये सागर, आइए जानें...

कुछ दशक पहले तक माना जाता था, सूर्य के टूट जाने के फलस्वरूप उसके टुकड़ों से पृथ्वी तथा अन्य ग्रहों का जन्म हुआ। परंतु अब ज्यादातर विशेषज्ञों का मानना है कि सूर्य तथा उसके ग्रहों का निर्माण ब्रह्मांड में फैली धूल और गैसों के संघनन से एक साथ ही हुआ था। उनके अनुसार यह घटना आज से लगभग पांच अरब वर्ष पूर्व घटी थी व इसके बाद धूल और गैसों के अणु गुरुत्वाकर्षण बल के कारण पृथ्वी के केंद्र की ओर आते गए। पृथ्वी कभी आग के गोले के समान गर्म थी। इस बारे में विशेषज्ञों में मतभेद हैं। पृथ्वी का जन्म चाहे जैसे भी हुआ हो, परंतु यह निर्विवाद है कि पृथ्वी पर पहले सागर नहीं था। इसका जन्म लगभग 1 अरब वर्ष बाद हुआ है। सागरों के निर्माण के बारे में ज्यादातर विद्वान मानते हैं कि जब पृथ्वी का तापमान कम होते-होते जल के समान नीचे आ गया, तब उसके गर्भ में चट्टानों आदि में मौजूद पानी बाहर निकलने लगा। परंतु उस समय भी पृथ्वी की ऊपर की स्तह काफ़ी गर्म थी। इसलिए पानी तुरंत भाप बनकर उड़ जाता था। लंबे समय तक चलने वाली इस क्रिया से बादल इतनी ज्यादा तादाद में बन गए कि इन्होंने पूरी पृथ्वी को ही ढंक लिया।

फिर जब यह बादल बरसने लगे, तो हज़ारों वर्ष तक बरसते ही रहे। आरंभ में जो पानी बरसता, वह पृथ्वी की गर्म सतह के कारण तुरंत भाप में बदल जाता और बादल बनकर फिर बरसने लगता। हज़ारों वर्षों की इस प्रक्रिया के बाद पानी पृथ्वी की सतह पर ठहरने लगा। वह गड्ढों, खाइयों और निचले स्थानों में भरने लगा। वैज्ञानिक मानते हैं कि इन्हीं बारिशों के पानी से सागरों का जन्म हुआ। परंतु कुछ विशेषज्ञ मानते हैं कि तब बारिश असाधारण नहीं, बल्कि आज जैसी बारिशों जैसी ही थी। इसलिए आरंभिक सागर में आज की तुलना में केवल 5 से 10 प्रतिशत पानी ही था। अत: सागर कुछ हज़ार वर्षों में नहीं, बल्कि करोड़ों वर्षों में बने।

आरंभ में पृथ्वी पर एक ही थल खंड (पेंजिया) व एक ही सागर (पेंथेलसा) था। आज से लगभग 15 करोड़ वर्ष पूर्व, किसी कारणवश वह थलखंड टूटने लगा और उसके दो टुकड़े हो गए। पहला गौडवानालैंड, जिसमें आजकल अफ्रीका, दक्षिण अमरीका, भारतीय प्रायद्वीप, आस्ट्रेलिया, अंटार्कटिका और लॉरशिया हैं। दूसरे हिस्से में उत्तर अमेरिका, यूरोप और एशिया शामिल हैं। इन दोनों खंडो के बीच बनी खाई में टेथिस सागर बन गया। फिर ये थलखंड भी टूटने लगे। इनसे बने थलखंडों में से ही वर्तमान महाद्वीप बने। महाद्वीप बनने के साथ-साथ यह थलखंड एक-दूसरे से दूर सरकते गए और बीच की खाइयों में पानी भरने लगा। इन्हीं ने बाद में सागरों का रूप धारण किया।

महाद्वीप-विस्थापन के इस सिद्धांत को पहले स्वीकार नहीं किया गया। पर प्लेट विवर्तनकी के सिद्धांत के प्रतिपादन के बाद सब संदेह दूर हो गए। प्लेट विवर्तनकी सिद्धांत के अनुसार पृथ्वी की ऊपरी सतह बहुत मोटी नहीं है। वह विभिन्न प्लेटों में बंटी हुई है। इसमें 6 बड़ी और अनेक छोटी प्लेटें हैं। ये प्लेटें मैंटल के गाढ़े द्रव पर तैरती रहती हैं। यह आपस में टकरा भी जाती हैं। टकराने से भूकंप आते हैं व ज्वालामुखी फटते हैं। प्लेटों के एक-दूसरे से दूर जाने पर खंड टूटकर वर्तमान महाद्वीपों में परिवर्तित हुए। ये क्रियाएं आज भी निरंतर होती रहती हैं। महासागरों और महाद्वीपों को वर्तमान आकृतियां प्रदान करने में वर्षा, कुहरा, वायु जैसे कारकों द्वारा की जाने वाली कई तरह की क्रियाओं का महत्वपूर्ण योगदान होता है।

रोचक तथ्य- समुद्री यात्राओं के दौरान अपने जहाज़ों को तूफ़ानों से तथा जल में डूबी चट्टानों से टकराने से बचाने के लिए प्राचीन यूनान निवासी, यात्रा आरंभ करने से पहले सागर के देवता ओसिनस को बलि चढ़ाते थे। उनकी मान्यता थी कि ओसिनस ही सागर की लहरों और धाराओं पर नियंत्रण रखता है।

कैप्टन जेम्स कुक- इस ब्रिटिश समुद्री खोजी ने दक्षिण प्रशांत महासागर की तीन यात्राओं के दौरान न्यूजीलैंड, आस्ट्रेलिया, तिमूर, जावा तथा अटार्कटिक सागर की खोज की। अपनी अंतिम यात्रा के दौरान वह उतरी-पश्चिमार्ग ढूंढ़ पाने में असमर्थ रहे और हवाई द्वीप में मारे गए।

>> अंतर ढूंढ़ें

बच्चो, इस चित्र में छह अंतर हैं। क्या आप बता सकते हैं कि वे अंतर कौन-से हैं?

उत्तर- 1- सितारे कम हैं, 2-एक स्टार का रंग अलग है, 3-दीवार की ईंट का रंग अलग हुआ है, 4-पौधे कम है, 5- एक म्यूजिकनोट्स कम है, 6-टोपी का रंग अलग हुआ है।

264 रन बनाकर हारी दिल्ली कैपिटल्स, पंजाब किंग्स ने चेज किया इतिहास का सबसे बड़ा टारगेट

नई दिल्ली: आईपीएल 2026 का 35वां मुकाबला दिल्ली कैपिटल्स और पंजाब किंग्स के बीच आज यानी 25 अप्रैल को दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में खेला गया। इस मुकाबले में पंजाब किंग्स ने इतिहास रच दिया। उन्होंने आईपीएल इतिहास का सबसे बड़ा लक्ष्य चेज कर दिया। पंजाब किंग्स को दिल्ली कैपिटल्स ने 265 रन का लक्ष्य दिया था, जो उन्होंने 18.5 ओवर में 6 विकेट रहते चेज कर दिया।

पंजाब किंग्स के लिए सर्वाधिक 76 रन प्रभसिमरन सिंह ने बनाए। इसके अलावा कप्तान श्रेयस अय्यर ने 71 रन की नाबाद पारी खेली। प्रियांश आर्य ने भी 41 रन की तूफानी पारी खेली थी। दिल्ली कैपिटल्स के लिए 2 विकेट कुलदीप यादव ने लिए। 1-1 विकेट अक्षर पटेल और विप्रज निगम को मिला। बता दें कि दिल्ली की इस सीजन यह चौथी हार थी। उनका प्लेऑफ में पहुंचना धीरे-धीरे मुश्किल होता जा रहा है। दूसरी ओर, पंजाब किंग्स की इस सीजन यह छठी जीत थी। वे अब तक इस सीजन 1 भी मैच नहीं हारे और पॉइंट्स टेबल में टॉप पर हैं।

आईपीएल इतिहास के 5 सबसे बड़े रन चेज

265/2 - पंजाब किंग्स बनाम दिल्ली कैपिटल्स (2026)

262/2 - पंजाब किंग्स बनाम कोलकाता नाइटराइडर्स (2024)

247/2 - सनराइजर्स हैदराबाद बनाम पंजाब किंग्स (2025)

230/4 - रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु बनाम लखनऊ सुपर जायंट्स (2025)

224/6 - राजस्थान रॉयल्स बनाम पंजाब किंग्स (2020)

इस सीजन लगातार 7वां टॉस जीतकर दिल्ली कैपिटल्स के कप्तान अक्षर पटेल ने पहले बल्लेबाजी का फैसला लिया था। डीसी को 2.4 ओवर में पथुम निसांका के रूप में पहला झटका लगा। निसांका 7 गेंदों में 2 चौकों के साथ महज 11 रन बनाकर पवेलियन लौटे। उस समय तक टीम के खाते में महज 28 रन ही जुड़ सके थे। यहां से केएल राहुल ने नितीश राणा के साथ दूसरे विकेट के लिए 95 गेंदों में 220 रन की साझेदारी करते हुए टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचा दिया।

न्यूज ब्रीफ

ओलंपिक पदक विजेता हॉकी खिलाड़ी गुरबक्स सिंह ग्रेवाल का निधन

नई दिल्ली/चंडीगढ़। भारतीय हॉकी के दिग्गज और 1968 ओलंपिक कांस्य पदक विजेता गुरबक्स सिंह

ग्रेवाल का शुक्रवार को दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया। वह 84 वर्ष के थे। उन्होंने जिरकपुर में अंतिम सांस ली। हॉकी इंडिया ने उनके निधन की पुष्टि की। हॉकी इंडिया के मुताबिक गुरबक्स सिंह ग्रेवाल 1968 मेक्सिको सिटी ओलंपिक में भारतीय टीम का हिस्सा थे, जिसने देश के लिए कांस्य पदक जीता था। वह भारतीय हॉकी इतिहास के उन चुनिंदा खिलाड़ियों में शामिल रहे, जिन्होंने अपने प्रदर्शन से देश को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर गौरवान्वित किया। उनकी एक खास उपलब्धि यह भी रही कि उन्होंने उसी ओलंपिक में अपने भाई बलबीर सिंह ग्रेवाल के साथ भारत का प्रतिनिधित्व किया। यह दुर्लभ अवसर था जब दो सगे भाई एक साथ ओलंपिक में भारतीय हॉकी टीम का हिस्सा बने। खेल जीवन के बाद भी गुरबक्स सिंह ग्रेवाल ने हॉकी से अपना जुड़ाव बनाए रखा। उन्होंने वेस्टर्न रेलवे में वरिष्ठ खेल अधिकारी के रूप में कार्य किया और इस दौरान कई प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को पहचान कर रेलवे हॉकी टीम में शामिल कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, जिनमें राजस्थान के खिलाड़ी भी शामिल थे। सेवा से सेवानिवृत्त होने के बाद मुंबई में रहते हुए उन्होंने खेल प्रशासन में भी सक्रिय योगदान दिया। वह मुंबई हॉकी एसोसिएशन के मानद सचिव के रूप में जुड़े रहे और हॉकी के विकास में अपनी अहम भूमिका निभाई। उनके निधन से भारतीय हॉकी जगत में शोक की लहर है और खेल प्रेमियों ने उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी है।

स्लैपगेट विवाद पर श्रीसंत का पलटवार: हरभजन सिंह पर लगाया पैसे कमाने का आरोप बोले- सब दिखावा है

नई दिल्ली। साल 2008 के कुख्यात स्लैपगेट विवाद का भूत एक बार फिर इंडियन प्रीमियर लीग का पीछा कर रहा है। भारत के पूर्व तेज गेंदबाज एस श्रीसंत ने अपने पुराने साथी और दिग्गज स्पिनर हरभजन सिंह पर गंभीर आरोप लगाए हैं। श्रीसंत ने दावा किया है कि हरभजन ने उस घटना से व्यावसायिक लाभ उठाया, जिसने टूर्नामेंट के पहले सीजन को बड़े विवादों में डाल दिया था। करीब दो दशक बाद, स्लैपगेट घटना के बाद श्रीसंत ने हाल ही में एक विज्ञापन को लेकर हरभजन सिंह की सार्वजनिक रूप से आलोचना की है, जिसमें उनके पुराने विवाद का जिक्र किया गया था। पूर्व तेज गेंदबाज ने कहा कि समय के साथ उनके बीच का तनाव कम हो गया था, लेकिन उस घटना को व्यावसायिक रूप में बदलने के हरभजन के फैसले ने उनकी सोच पूरी तरह बदल दी है। यह विवाद 2008 में आईपीएल के पहले सीजन के दौरान किंग्स इलेवन पंजाब (अब पंजाब किंग्स) और मुंबई इंडियंस के बीच एक मैच के बाद हुआ था, जब हरभजन ने श्रीसंत को थप्पड़ मार दिया था। मैच के बाद दोनों खिलाड़ियों के बीच हुई इस झड़प ने बड़ा विवाद खड़ा कर दिया था, और श्रीसंत की परेशान तस्वीरें सोशल मीडिया पर खूब वायरल हुई थीं, जिसके बाद अनुशासनात्मक कार्रवाई हुई थी, जिसमें हरभजन को टूर्नामेंट के बाकी मैचों से निलंबित कर दिया गया था।

राष्ट्रीय टीम से बाहर किए जाने पर खुशदिल शाह का फूटा गुस्सा, बोले- 700-800 रन बनाकर भी ड्रॉप किया

करांची। पाकिस्तान के स्टार बल्लेबाज खुशदिल शाह राष्ट्रीय टीम में चयन न होने से गहरे हताश हैं। वर्तमान

में पाकिस्तान सुपर लीग में कराची किंग्स का प्रतिनिधित्व कर रहे खुशदिल ने हाल ही में पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड और टीम प्रबंधन पर सवाल उठाते हुए अपनी निराशा व्यक्त की। यह नाराजगी पूर्व क्रिकेटर रमीज राजा के साथ एक बातचीत के दौरान सामने आई, जहां खुशदिल ने टीम से बाहर रखे जाने पर अपना पक्ष रखा। खुशदिल ने गुरुवार को लाहौर कलंदर्स के खिलाफ गद्दाफी स्टेडियम में कराची किंग्स को पांच विकेट से शानदार जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई थी, जहां उन्होंने मात्र 14 गेंदों में 44 रनों की ताबड़तोड़ पारी खेली थी। इस मैच जिताऊ प्रदर्शन के लिए उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। मैच के बाद खुशदिल शाह ने रमीज राजा से स्पष्ट शब्दों में कहा, मैं अन्य खिलाड़ियों से अलग हूँ। मैं न तो सोशल मीडिया पर सक्रिय रहता हूँ और न ही पुरानी बातों का रोना रोता हूँ कि मेरे साथ क्या गलत हुआ। मैंने हाल ही में पांचवें और छठे नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए 700-800 रन बनाए हैं, जिसमें एक दोहरा शतक और कई बड़ी पारियां शामिल हैं। इतने सब के बावजूद, मुझे टीम से ड्रॉप कर दिया गया।

सनराइजर्स हैदराबाद ने राजस्थान रॉयल्स को 5 विकेट से हराया

वैभव सूर्यवंशी का शतक बेकार, 229 रन का लक्ष्य 18.3 ओवर में किया चेज

जयपुर । सनराइजर्स हैदराबाद ने राजस्थान रॉयल्स को आईपीएल 2026 के मुकाबले में 5 विकेट से हरा दिया। सवाई मानसिंह स्टेडियम में खेले गए इस मैच में हैदराबाद ने 229 रन का लक्ष्य 18.3 ओवर में हासिल कर लिया।

ईशान किशन-अभिषेक शर्मा की मैच जिताऊ साझेदारी

लक्ष्य का पीछा करते हुए ईशान किशन और अभिषेक शर्मा के बीच 132 रन की शानदार साझेदारी हुई, जिसने मैच का रुख पलट दिया। अभिषेक शर्मा ने 29 गेंदों में 57 रन बनाए, जबकि ईशान किशन ने 31 गेंदों पर 74 रन की तूफानी पारी खेली।

ट्रेविस हेड 6 रन बनाकर आउट हुए। नीतीश कुमार रेड्डी ने 36 रन और हेनरिक क्लासेन ने 29 रन का योगदान दिया। अंत में सलिल अरोड़ा ने विजयी छक्का लगाकर टीम को जीत दिलाई।

राजस्थान की ओर से जोफ्रा आर्चर और ब्रिजेश शर्मा ने 2-2 विकेट लिए, जबकि डोनोवन फरेरा को 1 सफलता मिली।

वैभव सूर्यवंशी का तूफानी शतक, फिर भी हार

टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए राजस्थान रॉयल्स की शुरुआत धीमी रही और यशस्वी जायसवाल 10 रन बनाकर आउट हो गए। इसके बाद वैभव सूर्यवंशी और ध्रुव जुरेल ने 112 रन की साझेदारी कर टीम को संभाला।

वैभव सूर्यवंशी ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए 37 गेंदों में 103 रन बनाए, जिसमें 5 चौके और 12 छक्के शामिल रहे। यह आईपीएल इतिहास का तीसरा सबसे तेज शतक रहा। ध्रुव जुरेल ने 35 गेंदों में 51 रन बनाए।

रियान पराग 7 रन, शिमरोन हेटमायर 11 रन बनाकर आउट हुए। अंत में डोनोवन फरेरा ने 33 रन की तेज पारी खेली। रवींद्र जडेजा 4 रन ही बना सके, जबकि जोफ्रा आर्चर 2 रन बनाकर नाबाद रहे।

हैदराबाद की दूसरी जीत, अंकतालिका में तीसरे स्थान पर

इस जीत के साथ सनराइजर्स हैदराबाद के 10 अंक हो गए हैं और टीम अंकतालिका में तीसरे स्थान पर पहुंच गई है, जबकि राजस्थान रॉयल्स चौथे स्थान पर खिसक गई। इस सीजन में हैदराबाद की राजस्थान पर यह लगातार दूसरी जीत है।

गेंदबाजी में हैदराबाद के लिए प्रफुल्ल हिंगे और ईशान मलिंगा ने दो-दो विकेट लिए, जबकि साकिब हुसैन और पैट कमिंस ने एक-एक विकेट अपने नाम किया।

अभिषेक शर्मा की वृंदावन में चप्पल चोरी, भड़के भारतीय बल्लेबाज

नई दिल्ली

इंडियन प्रीमियर लीग में अपनी तूफानी बल्लेबाजी से गेंदबाजों के छक्के छुड़ा रहे सनराइजर्स हैदराबाद के युवा ओपनर अभिषेक शर्मा के साथ वृंदावन में एक अजीबोगरीब घटना हो गई। अपनी मां के साथ बांके बिहारी मंदिर दर्शन करने गए अभिषेक की चप्पलें मंदिर परिसर से गायब हो गईं, जिससे वह काफी नाराज और परेशान नजर आए। यह घटना एक प्रशंसक द्वारा बनाए गए वीडियो के माध्यम से सोशल मीडिया पर तेजी से फैल गई है, हालांकि यह स्पष्ट नहीं है कि यह वीडियो इसी आईपीएल सीजन का है या पहले का। जानकारी के अनुसार, अभिषेक शर्मा अपनी मां के साथ भगवान बांके बिहारी जी के दर्शन करने पहुंचे थे। जब वह पूजा-अर्चना के बाद मंदिर से बाहर निकले, तो जहां उन्होंने अपनी चप्पलें उतारी थीं, वे वहां नहीं मिलीं। वीडियो में सनराइजर्स के इस विस्फोटक सलामी बल्लेबाज को मंदिर के बाहर इधर-उधर अपनी चप्पलों की तलाश करते हुए देखा जा सकता है। वीडियो बनाने वाले प्रशंसक ने इसमें पीछे से कमेंट्री करते हुए पूरे वाकये को बयां किया। उसने कहा कि अभिषेक शर्मा और उनकी माताजी की चप्पलें भीड़भाड़ के कारण कहीं इधर-उधर हो गई हैं और लाख तलाशने के बावजूद नहीं मिल रही हैं। इस घटना से भारतीय बल्लेबाज अभिषेक काफी नाराज और परेशान दिखे, क्योंकि उन्हें नंगे पैर ही रहना पड़ रहा था। प्रशंसक ने आगे बताया कि किसी ने जानबूझकर अभिषेक शर्मा की चप्पलें गायब नहीं की थीं, बल्कि अत्यधिक भीड़ के कारण वे अपनी जगह से हट गई थीं। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए, मंदिर प्रशासन ने तुरंत हस्तक्षेप किया और अभिषेक शर्मा के लिए नई चप्पलों की व्यवस्था की, जिसके बाद ही वह वहां से निकल पाए। यह घटना एक ऐसे समय में हुई है जब अभिषेक शर्मा इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 (स्रोत के अनुसार) में बल्ले से धमाल मचा रहे हैं। अभिषेक ने मौजूदा आईपीएल सीजन में अब तक शानदार प्रदर्शन किया है।

आईपीएल 2026 के प्लेऑफ में अब भी पहुंच सकती है मुंबई इंडियंस

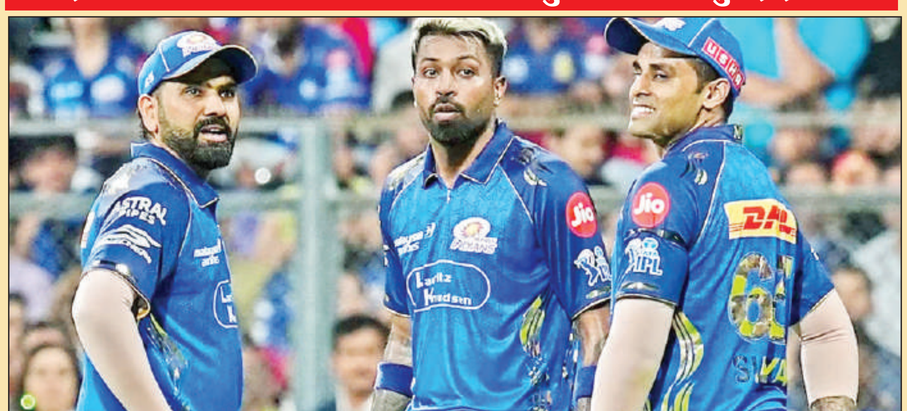

मुम्बई। मुम्बई इंडियस टीम के लिए आईपीएल का 19 वां सत्र अब तक अच्छा नहीं रहा है और उसे अपने सात में से पांच मेचों में हार का सामना करना पड़ा है। ऐसे में उसके प्लेऑफ में पहुंचने की संभावनाओं को लेकर सवाल भी उठ रहे हैं। टीम को चेन्नई सुपरकिंग्स के खिलाफ पिछले मैच में 103 रनों से हार का सामना करना पड़ा है। इससे उसका नेट रन रेट भी कम हुआ है और टीम मुश्किलों में नजर आ रही है टीम के अब तक केवल दो जीत के साथ ही 4 अंक मिले हैं और वह अंकतालिका में आठवे नंबर पर है हालांकि इसके बाद भी उसके प्ले ऑफ में पहुंचने की संभावनाएं समाप्त नहीं हुई हैं। इसके लिए उसे बचे हुए अपने सभी सात मैच जीतने होंगे। आईपीएल 2026 के प्लेऑफ में पहुंचने के लिए किसी भी टीम को लीग स्टेज में कम से कम 14 अंक की जरूरत होती है। इस 14 अंक के साथ उसे अपना रन रेट भी बेहतर रखना होता है। वहीं अगर कोई टीम 14 से ज्यादा अंक हासिल करती है तो फिर उसके लिए प्लेऑफ की राह आसान हो जाती है। मुंबई के अभी 4 अंक हैं और उसका रनरेट -0.736 है। वहीं उसे इस सत्र में अभी 7 लीग मैच और खेलने हैं। ऐसे में उसे प्लेऑफ में पहुंचने सभी मैच जीतने होंगे। मुंबई की टीम अग अगर सभी मैच जीतती है तो उसके 18 अंक हो सकते हैं और वह अंक तालिका में शीर्ष-2 में पहुंच सकती है। वहीं टीम को प्लेऑफ के लिए अपनी संभावनाओं को बनाये रखने के लिए कम से कम 5 मैचों में बड़े अंतर से जीत दर्ज करनी होगी।

राइडर कप 2027 : टाइगर वुड्स के इंकार के बाद जिम फ्यूरिक बने अमेरिका टीम के कप्तान

न्यूयॉर्क/लिमरिक

अमेरिका के अनुभवी गोल्फर जिम फ्यूरिक को 2027 राइडर कप के लिए यूएस टीम का कप्तान नियुक्त किया गया है। यह टूर्नामेंट आयरलैंड के लिमरिक स्थित अडारे मैनर में खेला जाएगा। यह फैसला उस समय आया जब दिग्गज गोल्फर टाइगर वुड्स ने इस भूमिका को स्वीकार करने से इंकार कर दिया।

55 वर्षीय फ्यूरिक, जो पीजीए टूर पर 17 खिताब जीत चुके हैं, इससे पहले 2018 में पेरिस में भी राइडर कप में अमेरिका के कप्तान रह चुके हैं, जहां टीम को हार का सामना करना पड़ा था। वह कीगन ब्रैडली की जगह इस पद पर आए हैं।

फ्यूरिक अब जैक निकलॉस, टॉम वॉटसन और डेविस लव तृतीय के बाद ऐसे चौथे अमेरिकी कप्तान बन गए हैं जिन्हें दूसरी बार यह जिम्मेदारी सौंपी गई है।

फ्यूरिक ने पीजीए ऑफ अमेरिका की प्रेस विज्ञप्ति में कहा, 'दूसरी बार यूएस राइडर कप टीम का कप्तान बनना मेरे लिए बहुत बड़ा सम्मान है। मैं पूरी तरह प्रतिबद्ध हूं कि खिलाड़ियों को सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के लिए सही माहौल और रणनीति प्रदान करूं, ताकि हम यूरोपीय जमीन पर कप वापस जीत सकें। उन्होंने यह भी संकेत दिया कि वह अपने पिछले अनुभव का उपयोग करते हुए कुछ नए विचारों को भी शामिल करेंगे। गौरतलब है कि अमेरिका ने आखिरी बार 1993 में यूरोप में राइडर कप जीता था।

2018 में मिली हार के बाद फ्यूरिक की कप्तानी पर सवाल उठे थे, खासकर टीम चयन और रणनीति को लेकर। हालांकि, उन्होंने 2024 प्रेसिडेंट्स कप में अमेरिका को लगातार 10वीं जीत दिलाकर अपनी नेतृत्व क्षमता साबित की। दूसरी ओर, टाइगर वुड्स इस पद के लिए सबसे बड़े दावेदार माने जा रहे थे, लेकिन उन्होंने हाल ही में एक सड़क दुर्घटना और नशे में ड्राइविंग के आरोप के बाद स्वास्थ्य कारणों से खुद को इस जिम्मेदारी से दूर रखा है। पीजीए ऑफ अमेरिका ने बताया कि वुड्स फिलहाल इलाज पर ध्यान देना चाहते हैं। यूरोपीय टीम की कप्तानी एक बार फिर ल्यूक डोनाल्ड को सौंपी गई है, जो लगातार तीसरी बार यह जिम्मेदारी निभाएंगे। उनका लक्ष्य अपनी टीम को लगातार तीसरी जीत दिलाना है। 2027 राइडर कप का आयोजन 17 से 19 सितंबर के बीच किया जाएगा, जहां फ्यूरिक की अगुवाई में अमेरिकी टीम यूरोप में जीत का सूखा खत्म करने की कोशिश करेगी।

बंडा प्रकाश मुदिराज ने स्नेप्स इंडिया की यूनिसेफ फंडरेज़र फोटो प्रदर्शनी का किया उद्घाटन

हैदराबाद, 25 अप्रैल। स्नेप्स इंडिया ने फीफा विश्व कप फोटो प्रदर्शनी के माध्यम से एक विशेष यूनिसेफ फंडरेज़र का सफलतापूर्वक आयोजन किया।

इस कार्यक्रम में बच्चों के कल्याण के कार्यों का समर्थन करने के लिए कई विशिष्ट अतिथियों, गणमान्य व्यक्तियों और संरक्षकों ने शिरकत की।

तेलंगाना विधान परिषद के माननीय उपाध्यक्ष बांदा प्रकाश मुदिराज ने मुख्य अतिथि के रूप में कार्यक्रम में भाग लिया और प्रदर्शनी का उद्घाटन करते हुए इस नेक कार्य के प्रति अपना समर्थन व्यक्त किया।

इस प्रदर्शनी में फीफा विश्व कप की विशेष तस्वीरों का संग्रह प्रदर्शित किया गया। इसका उद्देश्य वैश्विक स्तर पर बच्चों के जीवन को बेहतर बनाने के लिए समर्पित यूनिसेफ समर्थित कार्यक्रमों के लिए धन जुटाना और जागरूकता पैदा करना था। यह आयोजन कला, खेल और सामाजिक जिम्मेदारी का एक सार्थक संगम साबित हुआ, जिसने समुदाय को बच्चों के कल्याण के लिए एकजुट होने का संदेश दिया।

प्रदर्शनी का संकलन प्रसिद्ध संपादक और फोटो जर्नलिस्ट मोहम्मद शम्सुद्दीन द्वारा किया गया था। गौरतलब है कि शम्सुद्दीन को हाल ही में प्रतिष्ठित रॉयल फोटोग्राफिक सोसाइटी द्वारा सम्मानित किया गया है। उनके फोटो जर्नलिज्म में उत्कृष्ट योगदान के लिए 19 सितंबर 2025 को प्रतिष्ठित रॉयल अल्बर्ट हॉल में यह सम्मान समारोह आयोजित किया गया था।

इस अभियान को मजबूती प्रदान करते हुए सनाया होम्स के परोपकारी इलियास खान ने फंडरेज़र अभियान में 1 लाख रुपये का योगदान दिया।

इस उदारता ने बच्चों के कल्याण के मिशन को और सशक्त बनाया। कार्यक्रम ने सामूहिक प्रयासों के महत्व को रेखांकित किया और यह प्रदर्शित किया कि कैसे खेल और फोटोग्राफी जैसी कलाओं का उपयोग मानवता की भलाई के लिए किया जा सकता है।

शुभ लाभ DAILY हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

आईडीबीआई विनिवेश प्रक्रिया जारी रहेगी : वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण

बैंकों में थर्ड पार्टी उत्पाद बिक्री पर भी समिति करेगी विचार

नई दिल्ली

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने आईडीबीआई बैंक के विनिवेश प्रक्रिया के जारी रहने की पुष्टि की है। साथ ही उन्होंने बैंकों द्वारा तीसरे पक्ष के उत्पादों की बिक्री के लिए अपनाए जाने वाले वितरण माडल पर भी एक उच्च-स्तरीय समिति द्वारा विचार किए जाने की जानकारी दी। सीतारमण के इस बयान के बाद आईडीबीआई बैंक के शेयर में जबरदस्त उछाल देखने को मिला और कारोबार के दौरान यह 8 फीसदी तक चढ़ गया।

बाद में बैंक का शेयर 3.5 फीसदी बढ़कर 76.26 रुपये पर बंद हुआ। सरकार आईडीबीआई बैंक में अपनी 30.48 फीसदी और एलआईसी अपनी 30.24 फीसदी हिस्सेदारी बेचना चाह रही हैं। वित्त मंत्री ने स्पष्ट किया कि विनिवेश प्रक्रिया अपने तय कार्यक्रम के अनुसार आगे बढ़ रही है और इसे रद्द करने की खबरें निराधार हैं।

इसके अतिरिक्त वित्त मंत्री ने बताया कि वरिष्ठ बैंक अधिकारियों की एक समिति इस बात पर विचार कर रही है कि क्या बैंकों को तीसरे पक्ष के उत्पादों (जैसे म्यूचुअल फंड, बीमा) की बिक्री के लिए एकाधिकार वितरण समझौतों की अनुमति दी जाए या ओपन आर्किटेक्चर माडल अपनाया जाए। ओपन आर्किटेक्चर माडल के तहत वित्तीय संस्थानों को अपने और बाहरी दोनों उत्पादों को ग्राहकों को पेश करने की इजाजत होती है। वित्त मंत्री के इस बयान के बाद शुक्रवार को एसबीआई लाइफ का शेयर दबाव में आ गया और यह 3.29 फीसदी गिरकर 1,767.30 रुपये पर बंद हुआ। एसबीआई लाइफ का भारतीय स्टेट बैंक के साथ जीवन बीमा पालिसियों की बिक्री के लिए एकाधिकार समझौता है, और कंपनी का लगभग 60 फीसदी से अधिक कारोबार बैंक बीमा चैनल से आता है। हाल ही में वित्तीय सेवा विभाग के सचिव ने भी बैंकों को अपनी बीमा सहायक कंपनियों के साथ एकाधिकार गठजोड़ से बचने और तटस्थ रहने के निर्देश दिए थे, जिसके बाद यह मुद्दा चर्चा में आया था। सीतारमण ने हाल ही में एसबीआई के नए स्थानीय मुख्यालय के उद्घाटन समारोह में ये बातें कहीं। उन्होंने यह भी बताया कि इस वर्ष के बजट में घोषित बैंकिंग पर उच्च-स्तरीय समिति इस बात की पड़ताल करेगी कि भारतीय बैंकों को 2047 की चुनौतियों का सामना करने के लिए किस प्रकार कदम बढ़ाने की जरूरत है। यह समिति बैंकिंग क्षेत्र के दीर्घकालिक सुधारों और विकास पर केंद्रित होगी।

न्यूज ब्रीफ

जेएफई स्टील 15,750 करोड़ का निवेश कर 50 फीसदी हिस्सेदारी लेगा

भुवनेश्वर। ओडिशा सरकार ने राज्य के औद्योगिक परिदृश्य को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। सरकार ने भारतीय दिग्गज जेएसडब्ल्यू स्टील लिमिटेड और जापान की जेएफई स्टील कारपोरेशन के बीच एक संयुक्त उद्यम की स्थापना में सहयोग किया। इस ऐतिहासिक साझेदारी के तहत, संबलपुर जिले में इस्पात संयंत्र के विस्तार के लिए कुल 32,000 करोड़ रुपये का विशाल निवेश किया जाएगा, जिससे राज्य में उच्च मूल्य वाले इस्पात निर्माण को बढ़ावा मिलेगा। अधिकारियों ने बताया कि यह समान साझेदारी वाला संयुक्त उद्यम, भूषण पावर एंड स्टील लिमिटेड के रेंगाली स्थित एकीकृत इस्पात संयंत्र का विस्तार करेगा, जिसे अब जेएसडब्ल्यू समूह संचालित कर रहा है। जापानी भागीदार जेएफई स्टील लगभग 15,750 करोड़ रुपये का निवेश कर इस संयुक्त उपक्रम में 50 प्रतिशत हिस्सेदारी लेगा। परियोजना की कुल लागत 32,000 करोड़ रुपये होगी और इससे संयंत्र की उत्पादन क्षमता 45 लाख टन प्रति वर्ष (एमटीपीए) से बढ़कर 10 एमटीपीए हो जाएगी। विस्तारित संयंत्र में हाट-रोल्ड स्टील, कोल्ड-रोल्ड स्टील, बार, वायर राड और पाइप जैसे उच्च मूल्य वाले उत्पादों का उत्पादन होगा। इस अवसर पर मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी, केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान, जेएसडब्ल्यू समूह के चेयरमैन सज्जन जिंदल और जेएफई स्टील के अध्यक्ष मसायुकी हिरोसे सहित कई गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे। मुख्यमंत्री माझी ने कहा कि यह परियोजना ओडिशा को लौह अयस्क उत्पादक राज्य से एक उच्च मूल्य वाले इस्पात निर्माण केंद्र के रूप में विकसित करने में सहायक होगी। उन्होंने दोहराया कि राज्य का लक्ष्य 2030 तक 10 करोड़ टन वार्षिक इस्पात उत्पादन क्षमता हासिल करना है, जो इस तरह के निवेश से संभव होगा।

आरबीआई ने बंधन बैंक पर 41.8 लाख का जुर्माना लगाया, केवाईसी और जोखिम मूल्यांकन में कमी के लिए बंधन बैंक पर लगाया जुर्माना

नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने नियामक मानदंडों का उल्लंघन करने पर सख्त रुख अपनाया है। केंद्रीय बैंक ने बंधन बैंक और मुथूट हाउसिंग फाइनेंस कंपनी पर अलग-अलग मौद्रिक जुर्माना लगाया है। यह कार्रवाई केवाईसी नियमों, जोखिम मूल्यांकन और निष्पक्ष व्यवहार संहिता के अनुपालन में कमी के कारण की गई है, जिसका उद्देश्य वित्तीय प्रणाली में अनुशासन बनाए रखना है। आरबीआई ने बंधन बैंक पर 41.8 लाख रुपये का मौद्रिक जुर्माना लगाया है। यह जुर्माना केवाईसी (अपने ग्राहक को जानें) नियमों और जोखिम मूल्यांकन से जुड़े दिशानिर्देशों का सही तरीके से पालन न करने के कारण लगाया गया है। केंद्रीय बैंक ने पाया कि बैंक कुछ खातों की जोखिम श्रेणी की समय-समय पर समीक्षा करने में विफल रहा और निदेशक से जुड़े ऋण को भी मंजूरी दी गई। आरबीआई ने स्पष्ट किया कि यह कार्रवाई केवल नियामकीय कमियों के लिए है, इसका बैंक और ग्राहकों के बीच के किसी लेनदेन से कोई संबंध नहीं है। इसी क्रम में भारतीय रिजर्व बैंक ने मुथूट हाउसिंग फाइनेंस कंपनी पर भी 80,000 रुपये का जुर्माना लगाया है। यह कार्रवाई फेयर प्रैक्टिस कोड (निष्पक्ष व्यवहार संहिता) के कुछ प्रावधानों का पालन न करने के चलते की गई है।

इंडसइंड बैंक को चौथी तिमाही में 594 करोड़ का मुनाफा

मुंबई। निजी क्षेत्र के इंडसइंड बैंक का वित्त वर्ष 2025-26 की जनवरी-मार्च तिमाही में मुनाफा 594 करोड़ रुपये रहा। बैंक को वित्त वर्ष 2024-25 की समान तिमाही में 2,329 करोड़ रुपये का घाटा हुआ था। इंडसइंड बैंक के एक अधिकारी ने कहा कि पिछले समय में डेरिवेटिव कारोबार में हुए नुकसान और अन्य समस्याओं को अब दूर कर लिया गया है। अब बैंक आगे बढ़ने और कारोबार को मजबूत करने पर ध्यान दे रहा है। उन्होंने कहा कि हम वित्त वर्ष 2026-27 में विकास की मानसिकता की ओर बढ़ेंगे। समीक्षाधीन तिमाही में बैंक के ऋण में लगभग 8.5 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई, जबकि पूरे बैंकिंग उद्योग में लगभग 16 प्रतिशत की वृद्धि हुई। बैंक ने बताया कि वह वित्त वर्ष 2026-27 में ऋण वृद्धि के मामले में उद्योग के समान स्तर पर पहुंचने का लक्ष्य रखता है ।

अनुभवी अर्थशास्त्री अशोक लाहिड़ी नीति आयोग के नए उपाध्यक्ष बनेंगे

पूर्व मुख्य आर्थिक सलाहकार सुमन बेरी की जगह लेंगे

नई दिल्ली

वरिष्ठ अर्थशास्त्री अशोक लाहिड़ी को जल्द ही नीति आयोग का उपाध्यक्ष नियुक्त किया जाएगा। इस महत्त्वपूर्ण नियुक्ति के साथ वह एक बार फिर केंद्र सरकार की नीतिगत भूमिका में वापसी करेंगे। लाहिड़ी देश के शीर्ष थिंक टैंक में सुमन बेरी का स्थान लेंगे। यह बदलाव ऐसे समय में हो रहा है जब भारत वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच अपनी आर्थिक वृद्धि और सुधारों को गति देने पर केंद्रित है। उनकी नियुक्ति से देश की आर्थिक रणनीति को नई दिशा मिलने की उम्मीद है। अशोक लाहिड़ी का अनुभव नीतिगत और अकादमिक दोनों क्षेत्रों में दशकों पुराना है। वह दिसंबर 2002 में तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के कार्यकाल में भारत सरकार के मुख्य आर्थिक सलाहकार बनाए गए थे और जून 2007 तक इस पद पर कार्यरत रहे।

इस कार्यकाल का एक हिस्सा मनमोहन सिंह की सरकार के अधीन भी रहा, जहां उन्होंने देश की वित्तीय नीतियों और आर्थिक सुधारों को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। सार्वजनिक वित्त और आर्थिक विश्लेषण में उनके गहरे अनुभव को देखते हुए, उम्मीद है कि वे देश की प्राथमिकताओं को तय करने में अहम भूमिका निभाएंगे। प्रेसिडेंसी यूनिवर्सिटी और दिल्ली स्कूल आफ इकोनामिक्स के पूर्व छात्र रहे लाहिड़ी ने एशियन डेवलपमेंट बैंक, बंधन बैंक और नेशनल इंस्टीट्यूट आफ पब्लिक फाइनेंस एंड पालिसी जैसी संस्थाओं में भी अहम जिम्मेदारियां संभाली हैं। उन्होंने विश्व बैंक और अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष में भी सलाहकार और वरिष्ठ अर्थशास्त्री के रूप में अपनी सेवाएं दी हैं। हाल ही में पश्चिम बंगाल से भारतीय जनता पार्टी के विधायक के रूप में राजनीति में सक्रिय रहे लाहिड़ी की यह वापसी उन्हें फिर से देश की नीतिगत दिशा तय करने वाली भूमिका में ले आएगी। नीति आयोग में उपाध्यक्ष के तौर पर लाहिड़ी केंद्र और राज्यों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने पर ध्यान केंद्रित करेंगे। उनकी प्राथमिकता लंबी अवधि की आर्थिक योजनाओं और नीतियों को मजबूत करना होगा, जिससे नीति आयोग की सलाहकार भूमिका और अधिक प्रभावी हो सके। सरकार ने लाहिड़ी के साथ जाने-माने वैज्ञानिक गोबर्धन दास को भी नीति आयोग का सदस्य नियुक्त किया है। भारतीय विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थानों से जुड़े दास के वैज्ञानिक अनुभव से भी नीति निर्माण में लाभ मिलने की उम्मीद है।

टाटा मोटर्स ने 6 लाख 31 हजार से अधिक गाड़ियां बेची

नई दिल्ली । वित्त वर्ष 2026 में टाटा मोटर्स ने 6 लाख 31 हजार से अधिक गाड़ियों की बिक्री की। कंपनी ने 14 प्रतिशत की शानदार वृद्धि दर्ज कर एक बार फिर अपनी मजबूत मौजूदगी का एहसास कराया है। इस सफलता का श्रेय कंपनी की लोकप्रिय एसयूवी टाटा नेक्सन को जाता है, जिसने बिक्री के मामले में नया रिकार्ड बनाते हुए शीर्ष स्थान हासिल किया और टाटा की सबसे बड़ी ताकत बनकर उभरी। नेक्सन ने 32 प्रतिशत की सालाना वृद्धि के साथ कुल 2 लाख 16 हजार 54 इकाइयों की बिक्री दर्ज की, जो पिछले वित्त वर्ष के 1 लाख 63 हजार इकाइयों के मुकाबले काफी अधिक है। यह आंकड़ा दर्शाता है कि ग्राहकों के बीच इस माडल की लोकप्रियता तेजी से बढ़ रही है और यह अपने सेगमेंट में मजबूत पकड़ बनाए हुए है। बिक्री सूची में दूसरे स्थान पर टाटा पंच रही, जिसने 1 लाख 83 हजार 980 इकाइयों की बिक्री की, हालांकि इसमें करीब 6 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई। तीसरे स्थान पर टाटा टियागो ने 20 प्रतिशत की सालाना वृद्धि के साथ 83 हजार से अधिक इकाइयां बेचीं, जो छोटे परिवारों और बजट ग्राहकों के बीच इसकी लगातार मांग का संकेत है। वहीं, चौथे स्थान पर टाटा अल्ट्रोज रही, जिसकी बिक्री में 8 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई और कुल 38 हजार से अधिक इकाइयां बिकीं। इस सूची में पांचवें स्थान पर टाटा हैरियर ने 74 प्रतिशत की शानदार वृद्धि के साथ 32 हजार से अधिक इकाइयों की बिक्री कर मजबूत प्रदर्शन दिखाया। इसके बाद टाटा सिएरा और टाटा कर्व का स्थान रहा, जबकि टाटा सफारी और टाटा टिगोर की बिक्री में क्रमशः 3 और 26 प्रतिशत की गिरावट देखी गई, जिससे इन सेगमेंट में बढ़ती प्रतिस्पर्धा का संकेत मिलता है। कुल मिलाकर, वित्त वर्ष 2026 में टाटा मोटर्स की सफलता में नेक्सन ने सोने का अंडा देने वाली मुर्गी की भूमिका निभाई है।

क्या फ्लैक्सी कैप और लार्ज एंड मिड कैप में निवेश से मिल रहा दोहरा फायदा

निवेशकों को लग सकता है झटका, एक ही एएमसी में निवेश का जोखिम

नई दिल्ली

म्यूचुअल फंड निवेशकों के बीच फ्लैक्सी कैप और लार्ज एंड मिड केप फंड्स की लोकप्रियता बढ़ रही है। कई निवेशक मानते हैं कि दोनों कैटेगरी में निवेश से उनका पोर्टफोलियो सुरक्षित और डाइवर्सिफाइड हो जाएगा, लेकिन असल तस्वीर थोड़ी अलग है। ताजा आंकड़ों के मुताबिक, इन फंड्स के पोर्टफोलियो में काफी ओवरलैप देखा जा रहा है, खासकर एक ही एसेट मैनेजमेंट कंपनी (एएमसी) के फंड्स में, जिससे डाइवर्सिफिकेशन का उद्देश्य पूरा नहीं हो पाता। वैल्यू रिसर्च के विश्लेषण में सामने आया है कि करीब 31 फंड पेयर्स में से 16 में 40 प्रतिशत से अधिक स्टाक्स का ओवरलैप था।

इसका मतलब है कि निवेशक अनजाने में एक ही स्टाक्स में दो बार पैसा लगा रहे होते हैं। बाजार के विश्लेषक बताते हैं कि फ्लैक्सी केप फंड्स को बाजार की स्थिति के अनुसार लार्ज, मिड या स्माल कैप में निवेश बदलने की आजादी होती है, जबकि लार्ज एंड मिड कैप फंड्स को न्यूनतम 35 फीसदी लार्ज कैप और 35 फीसदी मिड कैप में निवेश करना अनिवार्य है। हालांकि फ्लैक्सी कैप फंड्स अक्सर लार्ज कैप की ओर ज्यादा झुकाव रखते हैं, जिससे दोनों फंड्स के पोर्टफोलियो में समानता बढ़ जाती है।

विशेषज्ञों के अनुसार, यदि निवेशक अपने पोर्टफोलियो को ठीक से मानिटर करें और अलग-अलग एएमसी के फंड्स में निवेश करें, तो सीमित ओवरलैप के साथ भी बेहतर संतुलन बन सकता है। एक ही एएमसी के फ्लैक्सी केप और लार्ज एंड मिड कैप फंड्स में निवेश करने से एएमसी कंसंट्रेशन रिस्क बढ़ता है, क्योंकि एएमसी अक्सर एक जैसी निवेश रणनीति अपनाते हैं। ऐसे में सलाह दी जाती है कि किसी एक एएमसी में कुल पोर्टफोलियो का 25-30 प्रतिशत से अधिक निवेश न करें।

जियोस्टार का राजस्व 2025-26 में 36,248 करोड़ रुपये रहा

नई दिल्ली। मीडिया और मनोरंजन मंच जियोस्टार ने कहा कि मार्च तिमाही के दौरान उससे 9,784 करोड़ रुपये का सकल राजस्व और 419 करोड़ रुपये का मुनाफा दर्ज किया। रिलायंस के मीडिया व्यवसाय और वैश्विक मीडिया दिग्गज वाल्ट डिज्नी के भारतीय व्यवसाय के विलय के बाद बने संयुक्त उद्यम जियोस्टार का वित्त वर्ष 2025-26 के लिए वार्षिक सकल राजस्व 36,248 करोड़ रुपये रहा। रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड (आरआईएल) के अनुसार जियोस्टार की सदस्यता राजस्व वृद्धि पूरे वर्ष डिजिटल और टीवी दोनों में मजबूत रही। बयान में कहा गया कि यह वृद्धि खेल कार्यक्रमों की विस्तृत श्रृंखला और प्रमुख मनोरंजन फ्रेंचाइजी में रिकार्ड जुड़ाव के कारण हुई है। इस संयुक्त उद्यम के पास अधिकांश प्रमुख क्रिकेट प्रसारण अधिकार हैं और उसने तिमाही के दौरान औसतन 50 करोड़ मासिक सक्रिय उपयोगकर्ता दर्ज किए।

आरबीआई ने पेटीएम पेमेंट्स बैंक का लाइसेंस रद्द किया, बैंकिंग सेवाओं पर रोक

पेटीएम ने कहा-कंपनी पर कोई वित्तीय असर नहीं

मुंबई

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने पेटीएम पेमेंट्स बैंक (पीपीबी) का बैंकिंग लाइसेंस रद्द कर दिया है। नियामक ने यह कार्रवाई बैंकिंग विनियमन अधिनियम, 1949 की धारा 22(4) के तहत की है, जिसका कारण बैंक के संचालन को जमाकर्ताओं के हितों के लिए हानिकारक बताया गया है। यह फैसला 24 अप्रैल, 2026 को कारोबार बंद होने के समय से प्रभावी होगा, जिसके बाद पीपीबी बैंकिंग का व्यवसाय करने से प्रतिबंधित हो जाएगा। आरबीआई अब उच्च न्यायालय के समक्ष बैंक को बंद करने के संबंध में एक आवेदन प्रस्तुत करेगा। आरबीआई का यह कदम हाल के समय में अपनी तरह का पहला और महत्वपूर्ण फैसला है। पेटीएम पेमेंट्स बैंक पहले से ही नियामक की निगरानी में था, और वर्ष 2022 में उसे नए ग्राहक जोड़ने से रोक दिया गया था। इसके अतिरिक्त, जनवरी 2024 में नियामक ने उसे 29 फरवरी के बाद किसी भी ग्राहक खाते, वालेट या फास्टैग में जमा स्वीकार करने या क्रेडिट लेनदेन करने से प्रतिबंधित कर दिया था।

आरबीआई ने स्पष्ट किया था कि बैंक का कामकाज बैंक और उसके जमाकर्ताओं के हितों के लिए नुकसानदायक तरीके से चलाया जा रहा था। वन97 कम्युनिकेशंस (पेटीएम की मूल कंपनी) ने बयान जारी कर कहा है कि पेमेंट्स बैंक का लाइसेंस रद्द होने का उस पर कोई वित्तीय असर नहीं पड़ेगा। कंपनी ने बताया कि उसका पीपीबी में कोई निवेश नहीं है और न ही उसके साथ कोई बड़ा कारोबारी समझौता है। कंपनी द्वारा दी जाने वाली सेवाएं भी पीपीबी के साथ साझेदारी में नहीं हैं। फरवरी 2024 में, विजय शेखर शर्मा ने भी पीपीबी के अंशकालिक गैर-कार्यकारी चेयरमैन पद से इस्तीफा दे दिया था, जिसके बाद अनुभवी बैंकर एस. श्रीधर को गैर-कार्यकारी चेयरमैन नियुक्त किया गया। नियामक ने आश्वस्त किया है कि बैंक के पास इतनी पर्याप्त तरलता है कि वह अपने सभी जमाकर्ताओं की देनदारियों को चुका सके। 31 मार्च, 2025 तक, बैंक के पास ग्राहकों की कुल जमा राशि 1,395.22 करोड़ रुपये थी।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

हसीना की...

का लक्ष्य हसीना की अवामी लीग को फिर से मजबूत करना था और इस कोशिश में पार्टी की नेता ने अहम भूमिका निभाई। हसीना को ढाका के हवाले कर दिया जाता है तो इसका सीधा मतलब अवामी लीग का खात्मा होगा। हसीना दिल्ली के लिए एक रणनीतिक संपत्ति बनी रह सकती हैं।

हसीना खासतौर से तब भारत के लिए अहम होंगी, जब बीएनपी सरकार के भारत-विरोधी रवैया अपनाने की कोशिश करेगी। शेख हसीना 1981 से अवामी लीग की अध्यक्ष रही हैं। उनके नेतृत्व में पार्टी ने 2009 से लेकर 2024 में उन्हें सत्ता से हटाए जाने तक लगातार शासन किया। ऐसे में उनका एक अच्छा-खासा आधार बांग्लादेश में है।

अबकी बार...

2016 के बाद से सबसे कम है, जब यह संख्या 3,16,38,993 थी। उसी तरह मतदाता सूची में दर्ज मतदाताओं की कुल संख्या 6,44,52,609 हो गई जो विशेष संक्षिप्त संशोधन के बाद जनवरी 2025 में 7,63,96,165 थी।

एसआईआर से ठीक पहले, बंगाल की मतदाता सूची में प्रति 1,000 पुरुषों पर 969 महिलाएं थीं जो राज्य के लिए एक रिकॉर्ड था। 28 फरवरी को प्रकाशित एसआईआर-बाद की सूची में, यह अनुपात घटकर 964 हो गया। वैसे बिहार में भी एसआईआर के बाद महिलाओं की संख्या 907 से घटकर 893 से भी कम हो गई थी मगर इसके बावजूद महिलाओं ने नीतीश कुमार को जम कर वोट दिया। यही नहीं यदि पश्चिम बंगाल में महिला उम्मीदवारों की बात करें तो 2021 में जहां 240 महिलाएं चुनाव लड़ रहीं थीं वहीं इस बार 2026 में 385 महिलाएं मैदान में हैं। जिसमें से 55 महिलाएं तृणमूल कांग्रेस के टिकट पर लड़ रहीं हैं और 44 कांग्रेस के टिकट पर, वाममोर्चा ने 35 और बीजेपी ने 33 महिलाओं को टिकट दिया है। 2024 चुनाव के आंकड़ों को देखें तो माना जाता है कि पुरुषों ने तृणमूल कांग्रेस को बीजेपी के मुकाबले 4 फीसदी ज्यादा वोट किए हैं वहीं महिलाओं ने बीजेपी के मुकाबले तृणमूल कांग्रेस को 10 फीसदी अधिक वोट दिए हैं। कुल मिलाकर यदि बीजेपी को बंगाल जीतना है तो उसे ममता बनर्जी के महिला मतदाताओं में जबरदस्त सेंध लगानी होगी क्योंकि बंगाल में महिलाएं हर बार दीदी की नैया पार लगा देती हैं।

36 केस...

राहुल गांधी ने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर भी गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा, ममता बनर्जी ने यहां बेरोजगारी फैला दी है। उन्होंने पिछले चुनाव में कहा था कि वे बेरोजगारी मिटा देंगी। उन्होंने कहा था कि वे 5 लाख युवाओं को रोजगार दिलवाएंगी।

आज बंगाल में 84 लाख युवा बेर-ोजगार हैं जिन्होंने बेरोजगारी भत्ता मांगा है। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने शारदा और चिटफंड घोटाला किया है। सत्ता के लालच में बीजेपी और टीएमसी ने पश्चिम बंगाल की जनता का बहुत नुकसान किया है। पूरे प्रदेश में करप्शन और गुंडागर्दी का जाल पसरा है, जनता परेशान है और सरकार सिर्फ तमाशा देख रही है।'

ममता बनर्जी पर निशाना साधते हुए राहुल गांधी ने कहा, ममता बनर्जी बंगाल में नरेंद्र मोदी और बीजेपी के लिए रास्ता खोल रही हैं क्योंकि वह सही सरकार नहीं चलाती, भ्रष्ट सरकार चलाती है। रोजगार नहीं दिलवातीं, विकास नहीं करतीं। नतीजा क्या है?

बंगाल में बीजेपी की सरकार कभी नहीं आनी चाहिए। मगर आपकी जो मुख्यमंत्री हैं ममता बनर्जी वो बीजेपी के लिए बंगाल में रास्ता खोल रही हैं।

यह सच्चाई है और इस सच्चाई को कोई नहीं नकार सकता। सत्ता के लालच में दोनों दलों ने जनता को नुकसान पहुंचाया है।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, 19 Towers (T19),
Near Bus Stand, Ranigunj,
Secunderabad - 500 003
8688868345

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें।

अग्रवाल शिक्षा समिति के एमबीए एवं एमसीए विभागों का रजत जयंती समारोह संपन्न

25 वर्षों की शैक्षणिक यात्रा का उत्सव, गणमान्य अतिथियों की गरिमामयी उपस्थिति

हैदराबाद, 25 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। किसी शिक्षण संस्थान की प्रगति व सफलता उसकी कर्मयात्रा की सार्थकता से मापी जाती है। अग्रवाल शिक्षा समिति की दो प्रमुख इकाइयों शंकरलाल धनराज सिग्नोडिया कॉलेज एवं नानकराम भगवानदास कॉलेज के अंतर्गत संचालित एमबीए एवं एमसीए विभागों ने अपनी स्थापना के 25 वर्ष पूर्ण कर लिए हैं। इस ऐतिहासिक उपलब्धि का श्रेय उन सभी महानुभावों को जाता है, जिन्होंने इन व्यावसायिक पाठ्यक्रमों की शुरुआत कर विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की नींव रखी।

अग्रवाल शिक्षा समिति द्वारा संचालित एन.बी. साइंस कॉलेज एवं एस.डी. सिग्नोडिया कॉलेज के क्रमशः एमबीए एवं एमसीए विभागों का रजत जयंती समारोह 25 अप्रैल 2026 को समिति के सेड़मल हॉल में आयोजित किया गया। इस अवसर पर तेलंगाना सरकार के सड़क, भवन एवं सिनेमेटोग्राफी मंत्री श्री कोमटरेड्डी वेंकट रेड्डी मुख्य अतिथि तथा अग्रसेन चेरिटेबल ट्रस्ट के अध्यक्ष श्री गोपाल चंद अग्रवाल सम्माननीय अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ परंपरागत दीप प्रज्वलन एवं वंदे मातरम् गीत के साथ हुआ। मंच पर समिति के अध्यक्ष श्री प्रमोद कुमार केडिया, चेयरमैन ट्रस्ट बोर्ड डॉ. श्याम सुंदर, मानद मंत्री सीए नवीन कुमार अग्रवाल, एस.डी. सिग्नोडिया कॉलेज व एमबीए के कॉरेस्पॉन्डेंट श्री मुकुंद लाल अग्रवाल तथा एमसीए के कॉरेस्पॉन्डेंट डॉ. ओमप्रकाश अग्रवाल सहित अन्य गणमान्य उपस्थित रहे। सभी अतिथियों का स्वागत पर्यावरण संरक्षण के संदेश के साथ पौधों से किया गया।

विभागीय रिपोर्ट प्रस्तुत, संस्थान की उपलब्धियों का उल्लेख

एमसीए की निर्देशिका श्रीमती के.एल. माधुरी एवं एमबीए की निर्देशिका प्रोफेसर पल्लवी के. रंगनाध ने अपने-अपने विभागों की विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत की। एन.बी. साइंस कॉलेज के प्राचार्य प्रोफेसर जी. बाबूराव ने मुख्य अतिथि का परिचय कराया।

मुख्य अतिथि ने साझा किए अपने अनुभव

मुख्य अतिथि श्री कोमटरेड्डी वेंकट रेड्डी ने अपने संबोधन में कहा कि वे स्वयं इसी संस्थान के विद्यार्थी रहे हैं और यहां आकर गौरव का अनुभव कर रहे हैं।

उन्होंने अपने शिक्षकों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनके मार्गदर्शन से ही वे आज इस मुकाम तक पहुंचे हैं। उन्होंने समिति की शैक्षणिक सेवाओं की सराहना करते हुए भविष्य में सहयोग का आश्वासन दिया।

अतिथियों ने दी शुभकामनाएं, शिक्षा के महत्व पर जोर

एस.डी. सिग्नोडिया कॉलेज के प्राचार्य प्रोफेसर दाल पड़ाल ने सम्माननीय अतिथि का परिचय कराया। अपने संबोधन में उन्होंने अग्रवाल शिक्षा समिति की शैक्षणिक उपलब्धियों की प्रशंसा करते हुए प्रबंधन, स्टाफ एवं विद्यार्थियों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि संस्था का उनके जीवन में विशेष स्थान है।

समिति के अध्यक्ष श्री प्रमोद कुमार केडिया ने कहा कि संस्था पिछले 100 वर्षों से मजबूत जड़ों की तरह शिक्षा प्रदान कर रही है।

चेयरमैन ट्रस्ट बोर्ड डॉ. श्याम सुंदर ने कॉलेज की प्रगति के लिए शिक्षक एवं अनुशासनप्रिय विद्यार्थियों को दो मुख्य स्तंभ बताया।

विद्यार्थियों को लक्ष्य निर्धारण की प्रेरणा

मानद मंत्री सीए नवीन कुमार अग्रवाल ने विद्यार्थियों से समय का सदुपयोग कर लक्ष्य निर्धारित करने और अपने भविष्य को संवारने की अपील की। एमसीए के कॉरेस्पॉन्डेंट डॉ. ओमप्रकाश अग्रवाल ने भी विद्यार्थियों को उपलब्ध अवसरों का अधिकतम लाभ उठाने का संदेश दिया।

मंचासीन अतिथियों द्वारा मुख्य अतिथि एवं सम्माननीय अतिथि को स्मृति चिन्ह एवं शॉल प्रदान कर सम्मानित किया गया। वर्तमान प्रबंधन, समिति सदस्य, भूतपूर्व कॉरेस्पॉन्डेंट, प्राध्यापक, पूर्व छात्र एवं कर्मचारियों का भी सम्मान किया गया। विभिन्न प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया गया तथा विद्यार्थियों ने रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए।

कार्यक्रम में अनेक गणमान्य अतिथियों, अभिभावकों एवं आमंत्रित अतिथियों की उपस्थिति रही। कार्यक्रम के सफल आयोजन में सलाहकार समिति की अकादमिक निर्देशिका डॉ. सरोज जैन, सीएओ श्रीमती आराधना मोदानी, उमेश कुमार एवं राजेश वंगानी का विशेष सहयोग रहा।

कार्यक्रम का संचालन प्रोफेसर पल्लवी के. रंगनाध ने किया, जबकि एन.बी. साइंस कॉलेज के सहायक प्रोफेसर नवीन कुमार ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया।

राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

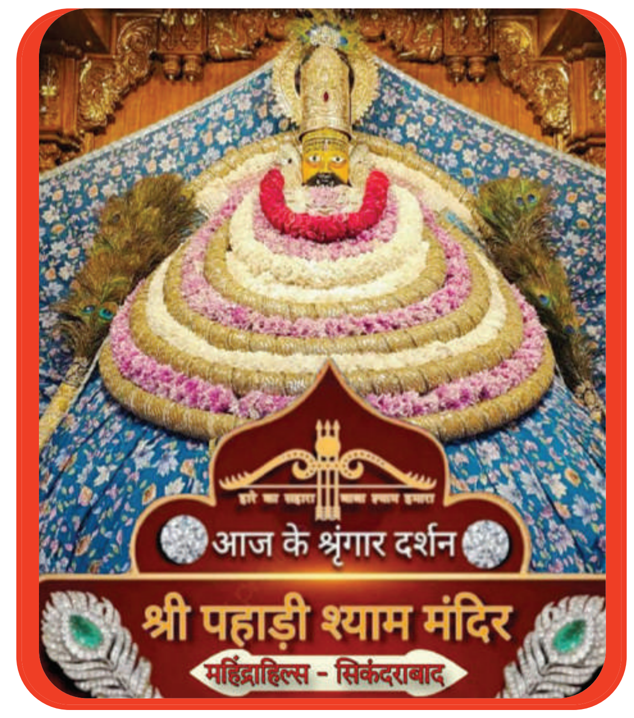

माथुर वैश्य इंटरनेशनल क्लब द्वारा जानकी जी का जन्मोत्सव धूमधाम से मनाया गया

हैदराबाद, 25 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।

माथुर वैश्य इंटरनेशनल हैदराबाद ग्रेटर क्लब द्वारा जानकी जी का जन्मोत्सव अर्चना गुप्ता के निवास, कारखाना टेक्स्ट बुक कॉलोनी में बड़े धूमधाम से मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ गणेश वंदना के साथ किया गया, जिसके पश्चात भजन-कीर्तन का आयोजन हुआ। पूरे वातावरण में भक्ति और श्रद्धा का भाव व्याप्त रहा। तत्पश्चात हनुमान चालीसा पाठ एवं आरती के साथ कार्यक्रम का समापन किया गया, जिसमें उपस्थित भक्तजनों ने श्रद्धापूर्वक भाग लिया।

इस अवसर पर माइक्रो केन्द्रीय केबिनेट सदस्य अरुणा गुप्ता, अध्यक्षा दिव्या गुप्ता, सचिव रश्मि गुप्ता, पीआरओ बीना गुप्ता, दमयंती, तनुजा, रीता, पूजा, नम्रता, उमा, अनुपमा, प्रीति एवं अन्य गणमान्य भक्तजन उपस्थित रहे और उत्साहपूर्वक जन्मोत्सव मनाया।

निराश्रितों की सेवा में मानवता का सच्चा स्वरूप प्रस्तुत कर रहा राधे-राधे ग्रुप : सुमन अग्रवाल

हैदराबाद, 26 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।

राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में शनिवार को नामपल्ली स्थित पब्लिक गार्डन, पिलर नंबर 1265 ए के पास नियमित अन्नदान कार्यक्रम का भावपूर्ण आयोजन किया गया। इस अवसर पर समाजसेवी सुमन अग्रवाल ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि राधे-राधे ग्रुप का उद्देश्य केवल भोजन वितरण करना नहीं, बल्कि समाज के उन निराश्रित, असहाय और जरूरतमंद लोगों के चेहरे पर मुस्कान लाना है, जिनके जीवन में अक्सर उम्मीद की किरण कम दिखाई देती है। उन्होंने भावुक शब्दों में कहा कि जब कोई भूखा व्यक्ति तृप्त होकर मुस्कुराता है, तो वह पल ही सच्ची सेवा और आत्मिक संतोष का अनुभव कराता है। राधे-राधे ग्रुप बिना किसी भेदभाव के मानव सेवा को अपना धर्म मानते हुए निरंतर इस पुण्य कार्य में जुटा हुआ है। यह सेवा केवल अन्नदान तक सीमित नहीं है, बल्कि यह समाज में प्रेम, करुणा और आपसी भाईचारे का संदेश भी प्रसारित कर रही है।

कार्यक्रम के दौरान जरूरतमंद लोगों को सम्मानपूर्वक भोजन वितरित किया गया। सेवा कार्य में शामिल प्रत्येक सदस्य ने पूरे समर्पण और संवेदनशीलता के साथ अपनी भूमिका निभाई, जिससे कार्यक्रम का वातावरण अत्यंत भावनात्मक और प्रेरणादायक बन गया।

उपस्थित लोगों ने इस पहल की सराहना करते हुए इसे समाज के लिए अनुकरणीय बताया।

इस अवसर पर राम प्रकाश अग्रवाल, सुनीता अग्रवाल, मनीष चिंडालिया, जगन एलाकुर्थी, महेश अग्रवाल, प्रीतिका अग्रवाल, महेश गुप्ता, मनीष गुप्ता, निशा गुप्ता, रोहित अग्रवाल, सुमन अग्रवाल, संजय अग्रवाल, सविता अग्रवाल एवं भगत राम गोयल सहित अनेक गणमान्य सदस्य उपस्थित रहे, जिन्होंने सेवा कार्य में सक्रिय सहभागिता निभाई और इसे सफल बनाया।

पुरुषोत्तम मास में नुमाइश मैदान पर श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन 28 मई से

गोसेवा अभियान को मिलेगा बल, कार्यकर्ताओं की बैठक आज

हैदराबाद, 25 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।

गोवत्स फाउंडेशन एवं श्री गोवत्स फाउंडेशन के तत्वावधान में पुरुषोत्तम मास के पावन अवसर पर 28 मई से 3 जून तक श्रीमद् भागवत कथा का भव्य आयोजन नामपल्ली स्थित नुमाइश मैदान में किया जाएगा।

तैयारियों को लेकर बैठक, 50 हजार वर्ग फीट में बनेगा पंडाल

प्रेस को जारी विज्ञप्ति के अनुसार, भागवत कथा के सफल आयोजन को लेकर प्रदर्शनी समिति एवं टेंट हाउस के मालिक जिलानी के साथ आयोजकों की बैठक आयोजित की गई। इस दौरान अन्य आवश्यक तैयारियों पर भी विस्तार से चर्चा की गई। बताया गया कि कथा के लिए लगभग 50 हजार वर्ग फीट क्षेत्र में विशाल पंडाल तैयार किया जाएगा। गोवत्स राधाकृष्णजी महाराज व्यासपीठ से भागवत कथा का रसपान कराएंगे।

युवाओं के लिए प्रश्नोत्तरी, पंजीकरण अनिवार्य

कथा के दौरान 31 मई को सुबह 8:30 बजे से 14 वर्ष एवं उससे अधिक आयु के युवक-युवतियों के लिए 'कैसे अपना जीवन सुन्दर, सार्थक और सफल बनाएँ' विषय पर प्रश्नोत्तरी कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। इसमें भाग लेने के इच्छुक युवाओं को पूर्व पंजीकरण कराना अनिवार्य होगा।

गोवत्स फाउंडेशन द्वारा गो ग्रास संकलन के लिए धनराशि जुटाने हेतु इस आयोजन का विशेष महत्व है। इसी क्रम में 26 अप्रैल, रविवार को सुबह 8:30 बजे श्री समर्थ कामधेनु गौशाला में कार्यकर्ताओं की बैठक आयोजित की जाएगी।

देशभर में गोसेवा के व्यापक प्रकल्प, लाखों गोवंश की सेवा

गोवंश के संरक्षण के लिए गोवत्स फाउंडेशन द्वारा सक्रिय अभियान चलाया जा रहा है। श्री गोधाम महातीर्थ, पथमेड़ा द्वारा प्रायोजित वेदलक्षणा गोवंश संरक्षण, संवर्धन, संपोषण, पंचगव्य परिष्करण, विनियोग एवं गो महिमा के पुनर्प्रतिष्ठापन का यह महाभियान पूरे विश्व को जोड़ रहा है। वर्तमान में राजस्थान, गुजरात, पंजाब, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र एवं उत्तराखंड में चल रहे प्रत्यक्ष गो-सेवा प्रकल्पों में 1,65,000 से अधिक निराश्रित, दुर्घटनाग्रस्त, गंभीर रूप से बीमार, विकलांग, वृद्ध एवं नर गोवंश की सेवा पूजा भाव से की जा रही है।

33 वर्षों में 26,000 करोड़ से अधिक राशि गौसेवा पर व्यय

पिछले 33 वर्षों में पथमेड़ा गौशाला द्वारा 26,000 करोड़ से अधिक धनराशि गौसेवा पर व्यय की जा चुकी है। गोऋषि पथमेड़ा महाराज, श्री दत्त शरणानंदजी द्वारा वर्ष 2013 में स्थापित गोवत्स फाउंडेशन का मुख्य उद्देश्य समाज में गोसेवा के प्रति जागरूकता फैलाना है।आयोजकों ने बताया कि श्रीमद् भागवत कथा के माध्यम से अर्जित धनराशि गोवत्स फाउंडेशन एवं पथमेड़ा गौशाला में गोवंश की सेवा एवं संरक्षण कार्यों पर व्यय की जाएगी।

प्रगति महाविद्यालय का 53वां वार्षिकोत्सव समारोह संपन्न

हैदराबाद, 25 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।

श्री गुजराती प्रगति समाज द्वारा संचालित प्रगति महाविद्यालय डिग्री कॉलेज, हनुमान टेकड़ी में 53वां वार्षिकोत्सव समारोह बड़े हर्षोल्लास एवं गरिमामय वातावरण में आयोजित किया गया। इस अवसर पर विभिन्न प्रतिष्ठित अतिथियों की उपस्थिति ने कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई।

कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन एवं सरस्वती वंदना के साथ हुआ। इसके पश्चात समाज के अतिरिक्त उपाध्यक्ष श्री नितिन शाह ने स्वागत भाषण देते हुए संस्थान की उपलब्धियों एवं प्रगति पर प्रकाश डाला, जबकि संयुक्त सचिव श्री घनश्याम पटेल ने विद्यार्थियों के सफल जीवन की कामना की।सिइस अवसर पर उस्मानिया विश्वविद्यालय के वाणिज्य विभाग के वरिष्ठ आचार्य प्रो. चेन्नप्पा मुख्य अतिथि तथा महाविद्यालय के पूर्व छात्र एवं सेवानिवृत्त सेना अधिकारी मेजर मुकुंद भार्गव विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। मुख्य अतिथि प्रो. चेन्नप्पा ने विद्यार्थियों को अनुशासन, परिश्रम एवं राष्ट्र सेवा के प्रति समर्पित रहने की प्रेरणा दी और महाविद्यालय के प्रयासों की सराहना करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।विशेष अतिथि मेजर मुकुंद भार्गव ने विद्यार्थियों को अनुशासन के साथ जीवन में आगे बढ़ने का संदेश दिया और उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं।

इस अवसर पर प्राचार्या प्रो. माधवीलता ने महाविद्यालय की वार्षिक गतिविधियों की रिपोर्ट प्रस्तुत की। डॉ. वाई. कृष्णमोहन नायुडू ने समाज एवं महाविद्यालय द्वारा किए जा रहे सेवा कार्यों पर अपने विचार व्यक्त किए।

कार्यक्रम के दौरान शैक्षणिक, एनसीसी, खेल, एनएसएस एवं अन्य सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को पुरस्कार एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान किए गए। विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत सांस्कृतिक कार्यक्रमों में लोकगीत, नृत्य एवं अन्य रंगारंग प्रस्तुतियों ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

इस अवसर पर महाविद्यालय के कॉरेस्पॉन्डेंट श्री गोपाल पटेल, समाज के कोषाध्यक्ष श्री अंबालाल पटेल, चेतना पटेल, भारती बेन पटेल, अरविंद पटेल, दिनेश गोसर, रमेश सावला, उदय मेहता सहित अनेक गणमान्य उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन प्राध्यापक अमित सिंह ने किया तथा धन्यवाद ज्ञापन के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ। इस अवसर पर महाविद्यालय के शिक्षकगण, विद्यार्थी एवं अभिभावक बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

महेश बैंक मुख्यालय में बैंक के पूर्व चेयरमैन रमेश कुमार बंग के जन्म दिवस पर बधाई देते हुए बैंक के चेयरमैन सीए मुरलीमनोहर पलोड, निदेशकगण देवेन्द्र झँवर, पवन कुमार लोहिया, अमित लड्डा, कैलाश मंत्री, दीपक बंग, मुकुन्दलाल बाहेती, सुमेश कुमार बंग, मनोज लोया साथ में बैंक के पूर्व चेयरमैन पुरुषोत्तमदास मानधना, पूर्व वाइस चेयरमैन रामप्रकाश भण्डारी व लक्ष्मीनारायण राठी, पूर्व निदेशकगण, बोर्ड ऑफ मैनेजमेंट के सदस्य एवं चेयरमैन सीए रामदेव भूतड़ा एवं अन्य ।

अनंतपुर में हिंदी प्रचारकों के लिए नवीकरण पाठ्यक्रम का शुभारंभ

केंद्रीय हिंदी संस्थान व हिंदी सेवा सदन का संयुक्त आयोजन

हैदराबाद, 25 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।

हिंदी सेवा सदन के तत्वावधान में केंद्रीय हिंदी संस्थान, हैदराबाद केंद्र द्वारा आंध्र प्रदेश के अनंतपुर जिले में हिंदी प्रचारकों के लिए 25.04.2026 से 08.05.2026 तक नवीकरण पाठ्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। इस पाठ्यक्रम का भव्य उद्घाटन समारोह आज दिनांक 25.04.2025 को आयोजित किया गया, जिसमें हिंदी जगत की कई जानी-मानी हस्तियाँ शामिल हुईं।

कार्यक्रम की अध्यक्षता केंद्रीय हिंदी संस्थान, आगरा के निदेशक प्रोफेसर सुनील बाबुराव कुलकर्णी ने आभासी माध्यम से की। मुख्य अतिथि के रूप में हिंदी सेवा सदन के संस्थापक महासचिव एवं केंद्र सरकार के सहकारिता एवं पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय की हिंदी सलाहकार समिति के सदस्य एस. गैबुवल्ली उपस्थित रहे। जिला परिषद गोल्ला के प्रधानाध्यापक एवं हिंदी साहित्य के प्रख्यात व्यक्तित्व एम.एम.डी. अजमतुल्लाह विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल हुए।

कार्यक्रम के संयोजक केंद्रीय हिंदी संस्थान के क्षेत्रीय निदेशक डॉ. भास्कर कृष्णजी ठुबे थे। अध्यक्ष प्रोफेसर सुनील बाबुराव कुलकर्णी ने सभा को संबोधित करते हुए हिंदी सेवा सदन गाइबुवल्ली को अनंतपुर जिले के गैर-हिंदी भाषी क्षेत्र में हिंदी प्रचारकों और शिक्षकों के लिए केंद्रीय हिंदी संस्थान द्वारा आयोजित प्रशिक्षण कक्षाओं में सहयोग देने के लिए बधाई दी तथा प्रशिक्षुओं से इन कक्षाओं का पूरा लाभ उठाने का आग्रह किया। उन्होंने प्रशिक्षण में भाग लेने वाले सभी अभ्यर्थियों को शुभकामनाएं भी दीं।

हिंदी ज्ञान बढ़ाने का सुनहरा अवसर

मुख्य अतिथि एस. गइबुवल्ली ने कहा कि यह अत्यंत हर्ष का विषय है कि देश की प्रतिष्ठित संस्था केंद्रीय हिंदी संस्थान गैर-हिंदी भाषी क्षेत्र अनंतपुर में हिंदी प्रशिक्षण कक्षाएं आयोजित कर रही है। उन्होंने कहा कि हिंदी प्रचारकों और शिक्षकों को इस अवसर का लाभ उठाकर अपने ज्ञान का विस्तार करना चाहिए।

पाठ्यक्रम की विस्तृत जानकारी और अभिनंदन

केंद्रीय हिंदी संस्थान के क्षेत्रीय निदेशक डॉ. भास्कर कृष्णाजी ठुबे ने संचालित पाठ्यक्रमों की विस्तृत जानकारी दी और संस्थान द्वारा उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं के सदुपयोग पर बल दिया। इस अवसर पर अतिथियों का अभिनंदन भी किया गया।

कार्यक्रम में केंद्रीय हिंदी संस्थान के अतिथि प्रवक्ता डॉ. दीपेश व्यास, डॉ. कामेश्वरी, पुस्तकालयाध्यक्ष सजग तिवारी, हिंदी सेवा सदन के संयोजक इम्तियाज, हिंदी प्रचारक, हिंदी शिक्षक, संकाय सदस्य, केंद्र के संस्थापक एवं अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

निस्वार्थ सेवा का फल अवश्य मिलता है : स्वस्ति अग्रवाल

हैदराबाद, 26 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।

राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में शनिवार को बेगम बाजार स्थित भू देवी माता मंदिर के पास गौशाला के सामने नियमित सेवा कार्यक्रम का आयोजन बड़े ही सेवा भाव और श्रद्धा के साथ किया गया। इस दौरान जरूरतमंद एवं निराश्रित लोगों को अन्न वितरण कर मानवता की मिसाल पेश की गई। कार्यक्रम का वातावरण करुणा, अपनापन और समर्पण की भावना से ओतप्रोत रहा, जहाँ हर सदस्य ने अपने कर्तव्य को सेवा के रूप में निभाया।

इस अवसर पर स्वस्ति अग्रवाल ने भावुक शब्दों में अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि सच्ची सेवा वही है, जो बिना किसी स्वार्थ और अपेक्षा के की जाए। उन्होंने कहा कि जब हम किसी जरूरतमंद के चेहरे पर मुस्कान लाने का प्रयास करते हैं, तो वह केवल एक सहायता नहीं होती, बल्कि ईश्वर की सच्ची पूजा होती है। निस्वार्थ भाव से किया गया हर कार्य कहीं न कहीं हमारे जीवन को भी सार्थक बनाता है और उसका फल हमें अवश्य प्राप्त होता है। उन्होंने यह भी कहा कि राधे-राधे ग्रुप का यह सतत प्रयास समाज में प्रेम, सहयोग और मानवीय मूल्यों को मजबूत करने का एक पवित्र अभियान है।कार्यक्रम में उपस्थित सदस्यों ने भी सेवा के इस पुनीत कार्य को अपना सौभाग्य बताते हुए भविष्य में इसे और अधिक व्यापक रूप से आगे बढ़ाने का संकल्प लिया। इस दौरान जगत नारायण अग्रवाल, महेश अग्रवाल, महेश गोयल, अनिल अग्रवाल, राजेश सर, योगा, अरुण विजयवर्गीय, नीलम विजयवर्गीय, रेनू शर्मा एवं स्वस्ति अग्रवाल सहित अन्य गणमान्य सदस्य उपस्थित रहे। सभी ने मिलकर सेवा कार्य को सफल बनाया और समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी का निर्वहन किया।

सदुपयोग संस्था का 3 दिवसीय 'गीव-अवे' दान अभियान प्रारंभ

जरूरतमंदों के लिए सामग्री संग्रह, सामाजिक सरोकारों को मिला बल

हैदराबाद, 25 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।

स्वैच्छिक संगठन सदुपयोग एवं गूंज संस्था के संयुक्त तत्वावधान में शुक्रवार, 24 अप्रैल 2026 से तीन दिवसीय 'गीव-अवे' दान अभियान कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया।

काचीगुड़ा में स्थापित केंद्र पर चल रहा अभियान

जारी संयुक्त प्रेस विज्ञप्ति में सदुपयोग के संयोजक हितेन संघोई ने बताया कि यह अभियान 24 अप्रैल से 26 अप्रैल 2026 तक काचीगुड़ा वुडसाइड होटल के सामने स्थित सिंध बेकरी के पास आयोजित किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि वर्ष 2017 में स्थापित सदुपयोग संस्था मुख्यतः सरकारी सहायता प्राप्त स्कूलों के बच्चों के कल्याण हेतु कार्यरत है।

किताबें, कपड़े व अन्य सामग्री का संग्रह

संस्था द्वारा पुराने एवं नए किताबें, पेन-पेंसिल, टिफिन बॉक्स, वाटर बॉटल, कपड़े, जूते-चप्पल आदि सामग्री एकत्रित कर जरूरतमंद सरकारी स्कूलों के बच्चों में वितरित की जाती है। संयोजिका भावना पदम हरिया ने बताया कि इस अभियान में लोग पुरुष परिधान, साड़ी, जूते, चप्पल, खिलौने, किताबें, स्टेशनरी, कुकिंग यूटेंसिल, होजरी, कॉटन कपड़े एवं अन्य घरेलू वस्तुएं दान कर सकते हैं।

नियत समय पर दान देने की अपील

दान करने के इच्छुक व्यक्ति सुबह 10 बजे से दोपहर 12 बजे तक तथा सायं 4 से 6 बजे तक काचीगुड़ा स्थित केंद्र पर अपनी सामग्री जमा करा सकते हैं।

दो प्रमुख प्रोजेक्ट्स पर कार्यरत संस्था

ज्योति गाला एवं अवनी छेडा ने बताया कि संस्था दो प्रमुख प्रोजेक्ट्स पर कार्य कर रही है। प्रोजेक्ट 'ए' के अंतर्गत बच्चों को कला एवं शिल्प के माध्यम से मोटर स्किल्स, रचनात्मकता, आत्मविश्वास एवं संज्ञानात्मक क्षमता विकसित करने का प्रशिक्षण दिया जाता है।

प्रोजेक्ट 'बी' के अंतर्गत किशोरियों को स्वच्छता के प्रति जागरूक करना, कम लागत वाले सैनिटरी पैड बनाने का प्रशिक्षण देना तथा पर्यावरण को ध्यान में रखते हुए पैड निपटान मशीनें विभिन्न अनाथालयों एवं सरकारी विद्यालयों में स्थापित करना शामिल है।

सामाजिक कार्यों की सराहना, सहयोग की अपील

इस अवसर पर तोरल जागीरदार ने संस्था के कार्यों की सराहना करते हुए अन्य संस्थाओं से भी ऐसे सामाजिक कार्यक्रमों को बड़े स्तर पर आयोजित करने का आह्वान किया। रिद्धीश जागीरदार ने कहा कि त्योहारों के अवसर पर नए कपड़े खरीदते समय जरूरतमंदों को भी ध्यान में रखना चाहिए। उन्होंने बताया कि जागीरदार फाउंडेशन द्वारा पिछले 17 वर्षों से विभिन्न स्कूलों में स्टेशनरी एवं पुस्तकें वितरित की जा रही हैं।

स्वयंसेवकों का सक्रिय योगदान

कार्यक्रम में श्री कच्छी मित्र मंडल के कार्यकारिणी सदस्य रिद्धीश जागीरदार, प्राणीमित्र रमेश जागीरदार मेमोरियल फाउंडेशन की संस्थापक सहमंत्री तोरल लोडाया सहित कई गणमान्य उपस्थित रहे।

इस अवसर पर भावना पदम हरिया, हिना हितेन संगोई, ज्योति हितेश गाला, भावना मेहुल छेडा, अवनी अनीश छेडा, निता मालदे, मीता धरोड, श्रेया विकास शाह, मीना मेहुल मोता, ग्रीष्मा मेहुल धरोड, दीपा नयम सावला, फेनीला छेडा, कल्पा छेडा, किंजल धरोड, पायल काराणी, वैशाली सहित अनेक महिला स्वयंसेवकों ने सक्रिय भूमिका निभाई।

47 माओवादियों ने डीजीपी शिवधर रेड्डी के सामने किया सरेंडर, 32 हथियार सौंपे

हैदराबाद, 25 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो):

तेलंगाना में छत्तीसगढ़ पीए-लजीए बटालियन के 47 माओवादियों ने तेलंगाना के डीजीपी शिवधर रेड्डी के सामने सरेंडर कर दिया। माओवादियों के लिए यह बड़ा झटका माना जा रहा है । सरेंडर के समय पुलिस को 32 हथियार और 515 गोलियां सौंपी गईं।

डीजीपी शिवधर रेड्डी ने कहा कि छत्तीसगढ़ पीएलजीए बटालियन-1 के माओवादियों ने पूरी तरह से सरेंडर कर दिया है. सरेंडर करने वालों में दंडकारण्य साउथ जोन के खास नेता हेमला ऐथु उर्फ विग्र्या और पोडियम लच्छू उर्फ मनोज शामिल हैं। डीजीपी ने कहा कि सरेंडर करने वालों को 1.20 करोड़ रुपये का पुनर्वास पैकेज दिया जाएगा. उन्होंने बताया कि हर व्यक्ति को 25,000 रुपये की तुरंत मदद दी जा रही है ।

इसके अलावा, उन्हें केंद्र सरकार की तरफ से प्रोत्साहन राशि भी दिया जाएगा. उन्हें तेलंगाना सरकार की तरफ से हेल्थ कार्ड भी दिए जाएंगे। सरेंडर करने वाले माओवादियों में से कोई भी तेलंगाना का नहीं है । ये सभी माओवादी छत्तीसगढ़ राज्य के हैं। हालांकि, वे तेलंगाना के कोठागुडेम में घूमते थे। उनका मानना है कि माओवादियों के हालिया सरेंडर के साथ पीएलजीए बटालियन का सफाया हो गया है। डीजीपी ने कहा कि यह आखिरी बार होगा जब माओवादी इतनी बड़ी संख्या में सामने आएंगे. उन्होंने कहा कि 2026 में अब तक तेलंगाना में 260 माओवादी सरेंडर कर चुके हैं, और उन्होंने 238 बंदूकें सरेंडर की हैं।

पिछले साल मार्च 2024 से, इन दो सालों में सीनियर लेवल से लेकर लोअर रैंक तक के 818 नक्सलियों ने तेलंगाना पुलिस के सामने सरेंडर किया है. इन दो सालों में, 2024 में 36 हथियार, 2025 में 60 और 2026 में 238 हथियार सरेंडर किए गए। उन्होंने कहा कि 2025 से माओवादियों की संख्या में भारी गिरावट आई है।

डीजीपी ने कहा कि, तेलंगाना पहले ही माओवादी-मुक्त राज्य बन चुका है। छत्तीसगढ़ भी लगभग माओवादी-मुक्त हो चुका है । हम आज सरेंडर करने वाले माओवादियों को 1.20 करोड़ रुपये का पुनर्वास पैकेज देंगे। हम जल्द ही सरेंडर करने वाले माओवादियों को हेल्थ कार्ड भी देंगे।

टीएनजीओ ने केआर राजकुमार का जन्मदिन मनाया गया

हैदराबाद, 25 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो):

टीएनजीओ यूनियन स्कूल शिक्षा विभाग, हैदराबाद जिला सचिव श्री एम. भास्कर, उनकी कार्यकारिणी और फोरम के सदस्यों के नेतृत्व में आज टीएनजीओ यूनियन हैदराबाद जिला के एसोसिएट अध्यक्ष एवं स्कूल शिक्षा विभाग तेलंगाना सेंट्रल फोरम व हैदराबाद इकाई के अध्यक्ष श्री के. आर. राजकुमार का जन्मदिन धूमधाम से मनाया गया।

हैदराबाद जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय में आयोजित इस कार्यक्रम में केक काटा गया और श्री राजकुमार का भव्य अभिनंदन किया गया।

समारोह के दौरान श्री के. आर. राजकुमार को पुदीना हार, पारंपरिक पगड़ी, शॉल और फूलों का गुलदस्ता भेंट कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर सहायक निदेशक श्री श्रीनिवास रेड्डी और सरकारी परीक्षा सहायक आयुक्त श्री मधुसूदन विशेष रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम में टीएनजीओ यूनियन के पदाधिकारियों ने उनकी दीर्घायु और बेहतर स्वास्थ्य की कामना की।

समारोह में यूनियन के जिला उपाध्यक्ष श्री बी. रवि, श्री रुगेश, संयुक्त सचिव श्रीमती जयंती रेड्डी, प्रचार सचिव श्री एमवाई रवि, संगठनात्मक सचिव श्री फिरोज अहमद और ईसी सदस्य श्री मोइनुद्दीन सहित कई गणमान्य लोग शामिल हुए। इसके साथ ही फोरम के उपाध्यक्ष श्री मोहम्मद मुजाहिद अली, संयुक्त सचिव श्री रमेश व श्री सुदर्शन, और सांस्कृतिक सचिव श्री अखिलोद्दीन ने भी अपनी उपस्थिति दर्ज कराई।

इस उत्सव में क्षेत्रीय अधिकारियों और कर्मचारियों की भारी भागीदारी देखी गई, जिनमें उमा देवी, मधुनिका, बशीर, जेम्स, मंजू, अजमत, फैयाज, शशि रत्न, हेमावती, श्रीधर, गिरिजा, भाग्यलक्ष्मी और इमरान सहित दर्जनों कर्मचारी शामिल थे। सभी ने श्री राजकुमार को उनके नेतृत्व और सेवाओं के लिए सराहा।

कार्यक्रम का समापन मिठाई वितरण और बधाई संदेशों के साथ हुआ।

मां बनभौरी परिवार भाग्यनगर हैदराबाद के तत्वाधान में दूसरी निसान यात्रा का आयोजन गांव बोडेन से बनभौरी धाम तक किया गया ।इस अवसर उपस्थित भक्तजन ।

भगवान परशुराम जन्मोत्सव श्रद्धा एवं उल्लास के साथ मनाया गया

हैदराबाद, 25 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। ब्राह्मण एकता संघ द्वारा मल्लाना मंदिर, यापराल में भगवान परशुराम जी का जन्मोत्सव बड़े श्रद्धा एवं उल्लास के साथ मनाया गया।

यह आयोजन पूर्णतः आध्यात्मिक वातावरण से ओत-प्रोत रहा। कार्यक्रम में प्रस्तुत भजन एवं भरतनाट्यम की मनमोहक प्रस्तुतियाँ मुख्य आकर्षण का केंद्र रहीं। श्रीमती नेहा सिंह द्वारा प्रशिक्षित बच्चों की सुंदर प्रस्तुति ने दर्शकों का मन मोह लिया और खूब सराहना प्राप्त की।

कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि श्री राम तिवारी (पूर्व खझड, आंध्र एवं तेलंगाना) द्वारा दीप प्रज्वलन कर किया गया। अपने संबोधन में उन्होंने भगवान परशुराम के आदर्शों को अपनाने तथा समाज में एकता, संस्कृति और संस्कारों को सुदृढ़ करने का प्रेरणादायी संदेश दिया।

यह आयोजन धार्मिक आस्था, सांस्कृतिक परंपरा एवं सामाजिक एकता का सुंदर प्रतीक रहा।

इस पावन अवसर पर ब्राह्मण एकता संघ के अध्यक्ष श्री पंकज कुमार त्रिपाठी, उपाध्यक्ष श्री रण विजय चौबे, महासचिव श्री लक्ष्मण तिवारी, संयुक्त सचिव श्री अखिलेश पांडेय, श्री मोहन पाठक, श्री महेश चंद शर्मा एवं धर्मगुरु श्री विनोद कुमार धर दुबे सहित अन्य पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहे।

राजेंद्रनगर प्रेस एसोसिएशन की क्रिकेट टूर्नामेंट 1 मई को

हैदराबाद, 25 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।

राजेंद्रनगर प्रेस एसोसिएशन द्वारा क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन 1 मई को किया जाएगा।

इस संबंध में आज राजेंद्रनगर विधायक टी. प्रकाश गौड़ द्वारा क्रिकेट प्रतियोगिता के लोगो का विमोचन किया गया।

मौके पर जानकारी देते हुए मीडिया मित्र बालू सुब्रमण्यम ने बताया कि राजेंद्रनगर क्षेत्र के सभी पत्रकार इस प्रतियोगिता में भाग लेंगे, जिन्हें पांच टीमों में विभाजित किया गया है।

उन्होंने बताया कि पत्रकारों के परिवारजन भी इस आयोजन का हिस्सा होंगे, जिनके लिए अलग-अलग प्रकार की प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी। विजेता टीम को ट्रॉफी एवं अन्य उपहार प्रदान किए जाएंगे।

इस प्रतियोगिता को भव्य रूप देने के लिए सभी मीडिया मित्र तैयारियों में जुटे हुए हैं।

लोगो विमोचन के अवसर पर दामोदर रेड्डी, भीमैया, बालासुब्रमण्यम, बाबूराव, पवन भारती, प्रेम, चंदू, करुणाकर, सूर्यनारायण, किरण, श्रीकांत, नरसिंह, संदीप, यादगिरी, शाहिद सहित अनेक मीडिया मित्र उपस्थित रहे।

श्री अजीत पारस जैन युवा संगठन के निदेशक चुने जाने पर युवा रतन नरेश पारेख का रामकोट स्थित श्री जैन सेवा संघ में अभिनंदन करते हुए श्री जैन सेवा संघ के अध्यक्ष उमेश बागरेचा, चेयरमैन योगेश सिंघवी, अमित मुनोत, मनोज तातेड़, रमन धोका, रिद्धिश जागीरदार, प्रवीण पांड्या, धनराज सुरणा एवं अन्य।

दो वर्षों से सतत सेवा कार्यों में जुटा राधे-राधे ग्रुप, समाज में बढ़ा रहा सहयोग की भावना : उदय गुप्ता

हैदराबाद, 26 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में शनिवार को इंडो अमेरिकन कैंसर हॉस्पिटल के सामने स्थित केबीआर पार्क पर नियमित सेवा कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। इस सेवा कार्यक्रम में समाजसेवा की भावना से ओत-प्रोत होकर बड़ी संख्या में लोगों ने भाग लिया और जरूरतमंदों की सेवा में अपना योगदान दिया।

कार्यक्रम के दौरान जरूरतमंदों को अन्नदान किया गया तथा सेवा कार्यों के माध्यम से मानवता का संदेश दिया गया। राधे-राधे ग्रुप पिछले दो वर्षों से निरंतर विभिन्न स्थानों पर नियमित रूप से सेवा कार्यक्रम आयोजित कर रहा है, जिसमें अन्नदान, गौ सेवा, चिकित्सा सेवा सहित कई सामाजिक कार्य शामिल हैं। ग्रुप के इन प्रयासों से समाज के जरूरतमंद वर्ग को निरंतर सहायता मिल रही है और सेवा की भावना को व्यापक स्तर पर बढ़ावा मिल रहा है।

इस अवसर पर उदय गुप्ता ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि राधे-राधे ग्रुप का कार्य वास्तव में अनुकरणीय और प्रेरणादायक है। उन्होंने कहा कि पिछले दो वर्षों से ग्रुप जिस समर्पण और निष्ठा के साथ सेवा कार्य कर रहा है, वह समाज के लिए एक मिसाल है। अन्नदान, गौ सेवा और चिकित्सा सेवा जैसे कार्य न केवल जरूरतमंदों के जीवन में राहत प्रदान करते हैं, बल्कि समाज में परस्पर सहयोग, संवेदना और मानवता की भावना को भी मजबूत करते हैं। उन्होंने इस कार्यक्रम में शामिल होकर प्रसन्नता व्यक्त की और भविष्य में भी ऐसे सेवा कार्यों में सहभागी बनने की इच्छा जताई।

कार्यक्रम में अग्रवाल समाज भाग्यनगर शाखा के सदस्यों की विशेष उपस्थिति रही। सतीश कुमार गुप्ता, आशा अग्रवाल, संजय गुप्ता, सुभाष अग्रवाल, जयप्रकाश सारड़ा, उमाकांत जी गुप्ता, उर्मिला गुप्ता, तेजप्रकाश अग्रवाल, उमा डालमिया, रणधीर, उदय गुप्ता, हरी गोविंद अग्रवाल सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

राजस्थानी स्नातक संघ की आरके धूत व्याख्यान माला आज

'सुरक्षित भारत' विषय पर अधिवक्ता अश्विनी उपाध्याय देंगे व्याख्यान

हैदराबाद, 25 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। राजस्थानी स्नातक संघ द्वारा रविवार, 26 अप्रैल को आयोजित आर.के. धूत व्याख्यान माला के अंतर्गत व्याख्यान प्रस्तुत करने पधारे उच्च न्यायालय के अधिवक्ता श्री अश्विनी उपाध्याय का आज राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर स्वागत किया गया।

एयरपोर्ट पर राजस्थानी स्नातक संघ के अध्यक्ष मनोज गोयल, कार्यक्रम के चेयरमैन एवं संस्था के पूर्व अध्यक्ष डॉ. मोहन गुप्ता, कार्यक्रम समन्वयकर्ता दीपक बंग एवं संस्था के उपाध्यक्ष आनंद शर्मा उपस्थित रहे।

ज्ञातव्य है कि राजस्थानी स्नातक संघ द्वारा रविवार, 26 अप्रैल को उस्मानिया मेडिकल कॉलेज प्लेनिटोरियम के प्रांगण में श्री अश्विनी उपाध्याय द्वारा सुरक्षित भारत विषय पर व्याख्यान आयोजित किया गया है। यह संघ का एक विशेष कार्यक्रम है, जो रामकृष्ण धूत जी की स्मृति में प्रतिवर्ष आयोजित किया जाता है। संघ के अध्यक्ष मनोज गोयल ने नगरद्वय के सभी जागरूक नागरिकों से कार्यक्रम में उपस्थित रहने का अनुरोध किया है। कार्यक्रम चेयरमैन डॉ. मोहन गुप्ता ने नगर की अन्य सामाजिक संस्थाओं तथा विशेषकर युवा पीढ़ी से इस कार्यक्रम में भाग लेने की अपील की है। संस्था के मंत्री अजय कुमार अग्रवाल ने बताया कि सुरक्षित भारत विषय पर यह व्याख्यान अत्यंत प्रभावशाली एवं ज्ञानवर्धक होगा। वहीं कार्यक्रम संयोजक कैलाश मंत्री ने कहा कि यह विषय पुरुषों के साथ-साथ महिलाओं के लिए भी विशेष महत्व रखता है, इसलिए महिलाओं को भी इसमें शामिल होना चाहिए।

शहर को मिला भव्य ग्रीष्मकालीन उपहार

केपीएचबी कार्निवल में उतरा अयोध्या राम मंदिर और टाइटैनिक का नजारा

हैदराबाद, 25 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो): हैदराबाद एक शानदार ग्रीष्मकालीन आकर्षण का गवाह बनने के लिए पूरी तरह तैयार है। केपीएचबी (घझक्ह) कार्निवल जनता के लिए खुल गया है, जो भक्ति, इतिहास और मनोरंजन को एक जीवंत स्थान पर एक साथ लाता है। शहर में अपनी तरह के इस पहले अनुभव में, अयोध्या राम मंदिर, प्रतिष्ठित टाइटैनिक जहाज और राजसी नियाग्रा फॉल्स की विशाल प्रतिकृतियां लगभग 4 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से बनाई गई हैं।

यह कार्निवल अगले 45 दिनों तक आगंतुकों के लिए खुला रहेगा, जो हैदराबाद छोड़े बिना विश्व प्रसिद्ध स्थलों को देखने का एक अनूठा अवसर प्रदान करेगा। शनिवार शाम को आयोजित भव्य उद्घाटन समारोह में कुकटपल्ली के विधायक माधवराम कृष्ण राव ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की और इसका उद्घाटन किया।

कार्निवल का मुख्य आकर्षण अयोध्या राम मंदिर की भव्य प्रतिकृति है, जो करोड़ों लोगों के लिए आस्था का प्रतीक है। कई लोगों के लिए अयोध्या जाना जीवन की एक बड़ी आकांक्षा होती है, और यह स्थापना उन्हें इसकी स्थापत्य भव्यता का करीब से अनुभव करने का अवसर देती है। इसके साथ ही, आगंतुक टाइटैनिक-थीम वाले संग्रहालय में कदम रख सकते हैं, जो ऐतिहासिक जहाज के माहौल को फिर से जीवंत करता है। इसके पूरक के रूप में नियाग्रा फॉल्स की प्रतिकृति बनाई गई है, जिसे दुनिया के सबसे प्रसिद्ध प्राकृतिक अजूबों में से एक से प्रेरित होकर डिजाइन किया गया है।

इस महत्वाकांक्षी परियोजना को उद्यमी संदादि मधुसूदन, कार्तिकेय शीनिवास, जंपाला वेंकटेश और उनके सहयोगियों द्वारा लगभग 400 लाख रुपये के कुल निवेश के साथ विकसित किया गया है। फाइबर, लकड़ी, लोहे और प्लास्टर ऑफ पेरिस जैसी सामग्रियों का उपयोग करके इन बड़े पैमाने की संरचनाओं को जीवंत बनाने के लिए 200 से अधिक कुशल श्रमिकों ने लगातार 45 दिनों तक काम किया। इस पहल ने 500 से अधिक लोगों के लिए रोजगार के अवसर भी पैदा किए हैं।

प्रतिकृतियों के अलावा, कार्निवल में खरीदारी, भोजन और स्थानीय शिल्प के लिए 100 से अधिक प्रदर्शनी स्टाल लगाए गए हैं। 20 से अधिक 'जॉय राइड्स' उत्साह को और बढ़ा देती हैं, जिससे यह एक संपूर्ण पारिवारिक मनोरंजन गंतव्य बन जाता है।

हैदराबाद के लोगों के लिए ''समर गिफ्ट'' के रूप में पेश किया गया यह केपीएचबी कार्निवल सांस्कृतिक गौरव और वैश्विक आकर्षणों के मेल से हर उम्र के आगंतुकों के लिए एक यादगार अनुभव का वादा करता है। अपने पैमाने और रचनात्मकता के कारण, इस सीजन में इसके शहर के सबसे बड़े भीड़-खींचने वाले केंद्रों में से एक के रूप में उभरने की उम्मीद है।

गीत चाँदनी की मूल्यांकन कवि गोष्ठी आज

हैदराबाद, 25 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। नगरद्वय के कवियों की सक्रिय और लोकप्रिय संस्था गीत चाँदनी द्वारा संचालित सीता युद्धवीर पुस्तकालय एवं शोध संसथान के तत्वावधान में प्रतिमास की मूल्यांकन कवि गोष्ठी क्रम0343 का आयोजन रविवार, 26 अप्रैल, 2026 को दिन में 1-00 बजे से मौज़मजाही मार्केट स्थित आरोग्य हॉस्पिटल, कैलाश डायग्नोस्टिक सेंटर के सेलार सभागृह में संपन्न होगा। समाज सेवी श्री के.एल. शीनिवास राव बतौर विशेष अतिथि मंच की शोभा बढ़ाएंगे। इस माह की गोष्ठी का विशेष आकर्षण रहेगा श्री अशोक कुमार बंसल (अशोक अश्रु) के संपादन में प्रकाशित होने वाली संचेतना संगम (मासिक) आगरा (उत्तर प्रदेश)। पत्रिका का प्रकाशन वर्ष-1, अंक : 10 (अप्रैल, 2026)। अंक में प्रकाशित सामग्री पर हैदराबाद के सुप्रसिद्ध साहित्यकार मूल्यांकन प्रस्तुत करेंगे। पत्रिका की प्रमुख संरक्षक श्रीमती राजकुमारी चौहान, प्रधान संपादिका डॉ. शशि गोयल, सह-संपादिका, डॉ. कविता सिंह प्रभा, कार्यकारी संपादिका डॉ. चंद्रिका जोशी, प्रबंध संपादक प्रेम सिंह राजावत और ब्यूरो प्रमुख दुर्ग विजय सिंह दीप हैं। गीत चाँदनी के कार्यदर्शी एवं गोलकोण्डा दर्पण के संपादक व कवि गोविंद अक्षय कार्यक्रम का संचालन करेंगे तथा संस्था की गतिविधियों की जानकारी भी देंगे। गीतकार चंपालाल बैद कवि गोष्ठी की अध्यक्षता करेंगे। गोविंद अक्षय के अनुसार इस गोष्ठी में पत्रिका मूल्यांकन के साथ-साथ एक कवि गोष्ठी भी आयोजित की जाएगी, जिसमें हैदराबाद के कवि देश की समसामयिक परिस्थितियों, सामाजिक सरोकारों, मानवीय मूल्यों तथा जीवन के विविध रंगों पर अपने गीत, ग़ज़ल, कविताएँ और हास्य0व्यंग्य रचनाएँ प्रस्तुत करेंगे। कवि गोविंद अक्षय ने आगे बताया कि गीत चाँदनी और सीता युद्धवीर पुस्तकालय और शोध संस्थान का उद्देश्य साहित्य और संस्कृति के माध्यम से समाज में संवेदनशीलता, विचारशीलता और रचनात्मक ऊर्जा का संचार करना है। गीत चाँदनी संस्था पिछले 45 वर्षों से हर महीने नियमित रूप से ऐसी कवि गोष्ठियों का आयोजन करती आ रही हैं, जिनमें नये और वरिष्ठ रचनाकार समान रूप से भाग लेते हैं। अंत में संस्था के पदाधिकारियों ने सभी कवियों, साहित्यप्रेमियों और हिंदी प्रेमी श्रोताओं से अन-ुरोध किया है कि वे इस अवसर पर समय से उपस्थित होकर इस सारगर्भित और प्रेरणादायी आयोजन को सफल बनाएं। कार्यक्रम के आरंभ में श्री के.एल. शीनिवास राव की ओर से जलपान की व्यवस्था रहेगी।

जैन रत्न सम्पतराज1विजयादेवी कोठारी की 61वीं शादी की सालगिरह के अवसर पर गणेश मंदिर में भगवान श्री गणेश एवं भगवान महावीर के दर्शन किए गए तथा तपस्वी रत्न श्रीमती शारदा बाई कटारिया से मंगल पाठ ग्रहण किया गया। इसके पश्चात कारवां दादावाड़ी में दादागुरु के दर्शन किए गए। इस अवसर पर कोठारी परिवार द्वारा जैन रत्न सम्पतराज1विजयादेवी कोठारी का स्वागत एवं अभिनंदन किया गया।

कन्ना लक्ष्मीनारायण से मिले राज्यसभा सांसद साना सतीश बाबू

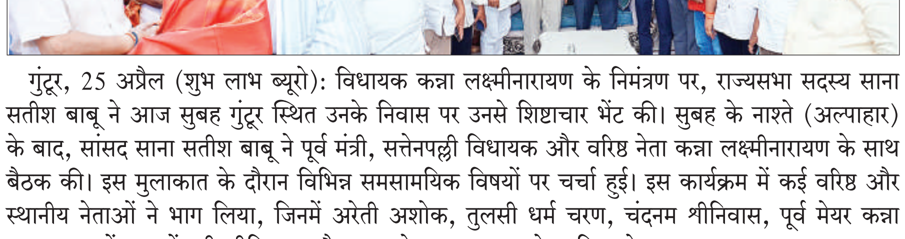

गुंटूर, 25 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो): विधायक कन्ना लक्ष्मीनारायण के निमंत्रण पर, राज्यसभा सदस्य साना सतीश बाबू ने आज सुबह गुंटूर स्थित उनके निवास पर उनसे शिष्टाचार भेंट की। सुबह के नाश्ते (अल्पाहार) के बाद, सांसद साना सतीश बाबू ने पूर्व मंत्री, सत्तेनपल्ली विधायक और वरिष्ठ नेता कन्ना लक्ष्मीनारायण के साथ बैठक की। इस मुलाकात के दौरान विभिन्न समसामयिक विषयों पर चर्चा हुई। इस कार्यक्रम में कई वरिष्ठ और स्थानीय नेताओं ने भाग लिया, जिनमें अरेती अशोक, तुलसी धर्म चरण, चंदनम शीनिवास, पूर्व मेयर कन्ना नागराजू, नागेंद्र, असेंबली शीनिवास और अन्य नेता प्रमुख रूप से शामिल थे।

किसानों को सरकारी खरीद केंद्रों का लाभ उठाने की अपील

पेद्दापल्ली, 25 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। सरकारी व्हिप एवं पेद्दापल्ली विधायक चिंताकुंटा विजया रमना राव ने किसानों से अपील की कि वे सरकार द्वारा स्थापित खरीद केंद्रों का सही उपयोग करें और अपना अनाज वहीं बेचकर समर्थन मूल्य प्राप्त करें।

शनिवार को सरकारी व्हिप चिंताकुंटा विजया रमना राव एलीगाइड मंडल के धूलिकट्टा, एलीगाइड, नरसापुर और नारायणपल्ली गांवों में प्राइमरी एग्रीकल्चरल क्रेडिट कोऑपरेटिव सोसाइटी एवं IKP के तहत स्थापित धान खरीद केंद्रों के उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने खरीद केंद्रों का उद्घाटन किया और व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

इस अवसर पर उन्होंने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि खरीद केंद्रों पर किसानों से बिना किसी कटौती के धान की खरीद सुनिश्चित की जाए। उन्होंने बताया कि सभी गांवों में IKP कोऑपरेटिव सोसाइटी के माध्यम से खरीद केंद्र शुरू किए जा रहे हैं, जिससे किसानों को सीधे लाभ मिल सके।

उन्होंने कहा कि सरकार किसानों का पूरा धान खरीदेगी और निर्धारित समर्थन मूल्य प्रदान करेगी, ताकि कोई भी किसान निराश न हो। साथ ही उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि खरीद केंद्रों पर किसानों के लिए सभी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं।

विधायक ने किसानों को सलाह दी कि वे सरकारी नियमों के अनुसार धान को अच्छी तरह सुखाकर खरीद केंद्रों पर लाएं, ताकि उन्हें किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े।उन्होंने कहा कि पिछले ढाई वर्षों में पांच फसलों का धान बिना कटौती के खरीदा गया है, जबकि पूर्व सरकार के दौरान किसानों को 15 से 20 किलो तक की कटौती झेलनी पड़ती थी। उन्होंने भरोसा दिलाया कि वर्तमान सरकार किसानों के साथ खड़ी है और उनकी मेहनत का पूरा सम्मान किया जाएगा।इस कार्यक्रम में असिस्टेंट डीसीओ वेंकटेश, सीओ विक्रम, रविंदर सहित कई सरपंच, मंडल कृषि अधिकारी, मंडल पार्टी अध्यक्ष समा राजेश्वर रेड्डी, कांग्रेस के वरिष्ठ नेता दुग्याला संतोष राव, वेंकटेश, रमेश, पुल्ला राव के साथ-साथ कांग्रेस पार्टी के कार्यकर्ता एवं बड़ी संख्या में किसान उपस्थित रहे।

पेद्दापल्ली को स्पेशल टूरिज्म पैकेज देने की मांग

पेद्दापल्ली, 25 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। पेद्दापल्ली जिले में टूरिज्म डेवलपमेंट के लिए फंड दिया जाना चाहिए। सोशल एक्टिविस्ट और नेशनल इउ एसोसिएशन के नेशनल कोऑर्डिनेटर अकुला स्वामी विवेक पटेल ने एक बयान में यह मांग उठाई। उन्होंने कहा कि पेद्दापल्ली जिले में रामगिरिखिला, धूलिकट्टा बौद्ध स्तूप, सबितम वॉटरफॉल, ओडेला मल्लन्ना मंदिर और रामुनी गुंडाला जैसी टूरिस्ट और तीर्थ जगहों के समुचित विकास के लिए विशेष फंड उपलब्ध कराया जाना चाहिए, जिससे जिले में पर्यटन को बढ़ावा मिल सके।

मारवाड़ी युवा मंच पर्ल महिला शाखा द्वारा जीव दया कार्यक्रम संपन्न

हैदराबाद, 25 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। मारवाड़ी युवा मंच पर्ल महिला शाखा, सिकंदराबाद द्वारा जीव दया कार्यक्रम के अंतर्गत सेवा कार्य संपन्न किया गया।

शाखा की अध्यक्ष शशि नाहर के नेतृत्व में कबूतरों के लिए दाना पात्र एवं पानी पात्र वितरण का आयोजन किया गया। इस दौरान विभिन्न स्थानों पर पक्षियों के लिए दाना एवं जल की व्यवस्था की गई, जिससे भीषण गर्मी में उन्हें राहत मिल सके। यह सेवा कार्य जीव दया की भावना को समर्पित एक सराहनीय पहल रही।

कार्यक्रम में उपस्थित महिला सदस्यों में सुनीता डूंगरवाल, खुशबू जैन, किरन कच्छावा, शांति पांडे, रिद्धि बोहरा, पूनम बोहरा, अनिता मुंथा, मूमल सीरवी, प्रिया जैन, कृष्णा मांडण, ममता खंडेलवाल, मोना ठाकुर, सपना कोलरिया, मंजु बंग, सुजाता नाबरिया, सुरज किरन वर्मा, अंकिता धुदेंरिया, राजकुमारी मांडण, सविता बोहरा, पूनम सिसोदिया, सरिता चोरडिया, दिव्या सिसोदिया, लीना जोबनपुत्रा, इंद्रा खत्री, संगीता पोखरणा, सोनम सुराणा, शिल्पा जोशी, आशा लुणावत, संजु साखंला आदि का विशेष सहयोग रहा।

विशेष रूप से कविता मांडण एवं अर्चना सुगंध द्वारा दाना एवं पानी की व्यवस्था में महत्वपूर्ण योगदान दिया गया। कार्यक्रम के अंत में जीव दया संयोजिका इंदु भाटी ने सभी सहभागी सदस्यों का आभार व्यक्त किया।

शुभ लाभ DAILY खबरें जो सोच बदल दे

रेड्डी ने श्रीहरिकोटा से प्रक्षेपण के लिए स्काईरूट के विक्रम-1 रॉकेट को दिखायी हरी झंडी

हैदराबाद, 25 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने शनिवार को स्काईरूट एयरोस्पेस के विक्रम-1 रॉकेट को हरी झंडी दिखायी।

यह भारत का पहला निजी तौर पर निर्मित ऑर्बिटल लॉन्च व्हीकल है, जिसने सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र के लिए अपनी यात्रा शुरू की। समारोह का आयोजन एमजीआर एयरोस्पेस और इंडस्ट्रियल पार्क में हुआ, जहाँ मुख्यमंत्री ने स्काईरूट एयरोस्पेस की सुविधाओं का भी जायज़ा लिया। उनके साथ सूचना प्रौद्योगिकी एवं उद्योग मंत्री डी. श्रीधर बाबू भी थे। कंपनी के वरिष्ठ प्रतिनिधियों में बोर्ड सदस्य अनिल कुमार चलामलासेट्टी और सह-संस्थापक पवन कुमार चंदना और नागा भरत डाका भी मौजूद रहे।

निरीक्षण के दौरान, मुख्यमंत्री ने कौशल विकास पर राज्य सरकार के ध्यान और एयरोस्पेस जैसे उभरते क्षेत्रों के साथ इसके जुड़ाव पर ज़ोर दिया। उन्होंने कहा कि एक कौशल विश्वविद्यालय स्थापित किया जा रहा है, जिसके बोर्ड अध्यक्ष आनंद महिंद्रा होंगे। इसका उद्देश्य उद्योग की ज़रूरतों के हिसाब से कुशल मानव संसाधन तैयार करना है।

उन्होंने कहा कि कौशल विकास से जुड़े सभी विभागों को उस यूनिवर्सिटी के तहत लाया जाएगा, जिसे एक विश्व-स्तरीय संस्थान के तौर पर विकसित किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने टाटा ग्रुप के सहयोग से औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (आईटीआई) को उन्नत प्रशिक्षण केंद्र (एटीसी) में बदलने और मौजूदा इंडस्ट्री की ज़रूरतों के हिसाब से सिलेबस को अपडेट करने के चल रहे प्रयासों की ओर भी इशारा किया।

शिक्षा सुधारों पर ज़ोर देते हुए श्री रेड्डी ने कहा कि सरकार शिक्षा व्यवस्था में एक व्यापक बदलाव ला रही है, जिसमें अवसंरचना को बेहतर बनाना भी शामिल है, और अभी हर छात्र पर 1.08 लाख रुपये खर्च कर रही है। एक आधिकारिक बयान में कहा गया है कि विक्रम-1 मिशन भारत के निजी अंतरिक्ष क्षेत्र के लिए एक अहम पड़ाव है, जिसमें स्काईरूट एयरोस्पेस देश के बढ़ते एयरोस्पेस इकोसिस्टम में एक अहम खिलाड़ी के तौर पर उभर रहा है।

राज्यपाल शुक्ल ने अजहरुद्दीन और कोदंडा राम के एमएलसी नामांकन को दी मंजूरी, जल्द जारी होगी अधिसूचना

हैदराबाद, 25 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना में राज्यपाल कोटे के तहत विधान परिषद सदस्य (एमएलसी) नामांकन का लंबे समय से लंबित मुद्दा सुलझ गया है। राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल ने मोहम्मद अजहरुद्दीन और एम. कोदंडा राम की उम्मीदवारी को अपनी मंजूरी दे दी है।

आधिकारिक सूत्रों के अनुसार, राज्यपाल ने उनके नामांकन से संबंधित फाइल पर हस्ताक्षर कर दिये हैं और जल्द ही इस संबंध में एक राजपत्र अधिसूचना जारी होने की उम्मीद है। यह मामला पिछले लगभग तीन वर्षों से अनसुलझा था, जिसके कारण राज्य में राजनीतिक अनिश्चितता बनी हुई थी। यह निर्णय विशेष रूप से पूर्व क्रिकेटर और अब राजनेता बने मोहम्मद अजहरुद्दीन के लिए बड़ी राहत लेकर आया है। अगर उन्हें इस महीने के अंत तक एमएलसी के रूप में निर्वाचित या मनोनीत नहीं किया जाता, तो उनके मंत्री पद पर बने रहने पर संकट आ सकता था। राज्यपाल की मंजूरी के बाद अब कैबिनेट में उनका स्थान सुरक्षित हो गया है।

सूत्रों ने बताया कि मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने हाल ही में राज्यपाल से मुलाकात कर लंबित नामांकनों पर जल्द निर्णय लेने का आग्रह किया था। इन नामांकनों को मंजूरी मिलने के साथ ही राज्यपाल कोटे की एमएलसी सीटों को लेकर चल रहा विवाद समाप्त होने की उम्मीद है और इससे राज्य की राजनीति में स्पष्टता आएगी।

राज्यपाल की मुहर का महेश कुमार गौड़ ने किया स्वागत

टीपीसीसी अध्यक्ष और विधान परिषद सदस्य (एमएलसी) महेश कुमार गौड़ ने शनिवार को राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ला के उस निर्णय का स्वागत किया, जिसमें मोहम्मद अज़हरुद्दीन और एम. कोदंडराम के नामों को राज्यपाल कोटे के तहत विधान परिषद के लिए मंजूरी दी गई है।

एक बयान जारी करते हुए उन्होंने अपनी प्रसन्नता व्यक्त की और एक पूर्व क्रिकेटर तथा तेलंगाना आंदोलन के प्रमुख विचारक के नामों को राज्यपाल द्वारा हरी झंडी दिए जाने को एक स्वागत योग्य कदम बताया।महेश कुमार गौड़ ने कहा कि समाज की सेवा करने वाले व्यक्तियों को विधान परिषद में प्रतिनिधित्व देना लोकतांत्रिक व्यवस्था की मजबूती को दर्शाता है। उन्होंने उल्लेख किया कि अज़हरुद्दीन, जिन्होंने सार्वजनिक जीवन, खेल और सामाजिक पहलों में महत्वपूर्ण योगदान दिया है, इस अवसर के हकदार थे। उन्होंने इस निर्णय को अत्यंत उचित करार दिया।उन्होंने प्रोफेसर कोदंडराम की सराहना करते हुए कहा कि तेलंगाना राज्य आंदोलन में उनकी भूमिका ऐतिहासिक रही है।

प्रियंका आला बनीं हैदराबाद की नई कलेक्टर

सरकार ने किया बड़े पैमाने पर प्रशासनिक फेरबदल

हैदराबाद, 25 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो): तेलंगाना सरकार ने शनिवार को प्रशासनिक व्यवस्था में एक बड़ा बदलाव करते हुए भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) के अधिकारियों का बड़े पैमाने पर तबादला किया है। इस फेरबदल के मुख्य केंद्र में हैदराबाद सहित राज्य के कई महत्वपूर्ण जिले रहे हैं। इन प्रमुख नियुक्तियों में, प्रियंका आला को हैदराबाद का नया कलेक्टर और जिला मजिस्ट्रेट नियुक्त किया गया है। वह हरिचंदाना दासारी का स्थान लेंगी। कलेक्टर स्तर के अन्य बदलावों में भावेश मिश्रा को निर्मल, प्रतीक जैन को संगारेड्डी और दिवाकर टीएस को खम्मम जिले की जिम्मेदारी सौंपी गई है। सचिवालय स्तर पर, एम. दाना किशोर को पंचायती राज और ग्रामीण विकास विभाग के विशेष मुख्य सचिव के रूप में तैनात किया गया है। वहीं, संजय कुमार को नई दिल्ली स्थित तेलंगाना भवन में विशेष अधिकारी नियुक्त किया गया है। पूर्व हैदराबाद कलेक्टर हरिचंदाना दासारी को अब श्रम, रोजगार, प्रशिक्षण और कारखाना वभाग में सचिव के रूप में स्थानांतरित किया गया है। इस फेरबदल में ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम, आईटीडीए और अन्य प्रमुख प्रशासनिक पदों पर भी कई नियुक्तियां शामिल हैं। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार, इस पूरी कवायद का उद्देश्य शासन को मजबूत करना और विभिन्न विभागों एवं जिलों में प्रशासनिक दक्षता में सुधार लाना है।

डीजीपी रैंक पर पदोन्नत वरिष्ठ अधिकारियों ने सीएम रेवंत रेड्डी से की मुलाकात

हैदराबाद, 25 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो): हाल ही में पुलिस महानिदेशक रैंक पर पदोन्नत हुए वरिष्ठ आईपीएस अधिकारियों ने हैदराबाद स्थित आईसीसीसी में माननीय मुख्यमंत्री श्री ए. रेवंत रेड्डी से शिष्टाचार भेंट की। मुख्यमंत्री ने पदोन्नति पाने वाले सभी अधिकारियों को उनकी नई उपलब्धि पर बधाई दी और भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं।

मुख्यमंत्री से मिलने वाले अधिकारियों में वी.वी. श्रीनिवास राव, स्वाति लक्रा, महेश भागवत, चारू सिन्हा, डॉ. अनिल कुमार और वी.सी. सज्जनार शामिल थे। इन सभी अधिकारियों ने मुख्यमंत्री से उनके कार्यालय में मुलाकात की और अपनी नई भूमिकाओं के प्रति प्रतिबद्धता जताई।

इस अवसर पर राज्य के डीजीपी बी. शिवधर रेड्डी भी उपस्थित थे। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों की पदोन्नति को उनके समर्पण और सेवाओं का प्रतिफल बताते हुए राज्य की कानून व्यवस्था को और सुदृढ़ करने पर चर्चा की। इस मुलाकात को राज्य के प्रशासनिक और पुलिस ढांचे में एक महत्वपूर्ण समन्वय के रूप

प्रधानमंत्री मोदी का 9 मई को तेलंगाना दौरा संभव

हैदराबाद, 25 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो): प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपने तीसरे कार्यकाल के पहले तेलंगाना दौरे पर 9 मई को वारंगल पहुंचेंगे। इस दौरान वह लंबे समय से प्रतीक्षित ममनूर हवाई अड्डे की आधारशिला रखेंगे और कई प्रमुख विकास परियोजनाओं का शुभारंभ करेंगे। राज्य भाजपा इकाई ने शनिवार को बताया कि प्रधानमंत्री सिकंदराबाद के परेड ग्राउंड में एक जनसभा को भी संबोधित करेंगे।

प्रधानमंत्री का कार्यक्रम, जिसे अभी अंतिम रूप दिया जाना है, उसमें 715 करोड़ रुपये की लागत से आधुनिक सुविधाओं से लैस विश्व स्तरीय सिकंदराबाद रेलवे स्टेशन को राष्ट्र को समर्पित करना शामिल है। इसके अलावा, वह एम्स बीबीनगर के दूसरे चरण की शुरुआत भी करेंगे।

काजीपेट में रेल कोच फैक्ट्री का उद्घाटन और बुनियादी ढांचा परियोजनाएं

आज से शुरू होगी जनगणना 2027 के लिए स्व-गणना

हैदराबाद, 25 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना की जनगणना संचालन निदेशक भारती होलिकेरी ने आज घोषणा की कि जनगणना 2027 के लिए स्व-गणना की प्रक्रिया राज्य में 26 अप्रैल से शुरू होगी और 10 मई तक जारी रहेगी।

जीएचएमसी मुख्यालय में मीडिया से बात करते हुए उन्होंने कहा कि तेलंगाना के गठन के बाद यह राज्य में पहली जनगणना होगी और इसे डिजिटल प्रारूप में संचालित किया जाने वाला पहला अभियान भी बताया। निदेशक ने उल्लेख किया कि इस अभ्यास में जाति जनगणना भी शामिल होगी, जो इस दौर की एक महत्वपूर्ण और अनूठी विशेषता है। होलिकेरी ने बताया कि पहली बार नागरिकों के पास स्व-गणना का विकल्प होगा, जिससे वे स्वेच्छा से ऑनलाइन पोर्टल र्हीींि:श.लशपीीी.सीं.ळप के माध्यम से अपना विवरण जमा कर सकेंगे। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह सुविधा वैकल्पिक है और जनता की सुविधा के लिए बनाई गई है।

उन्होंने आश्वासन दिया कि तेलंगाना के प्रत्येक घर को जनगणना में शामिल किया जाएगा, जिसमें अस्पतालों, स्कूलों, मंदिरों, झोपड़ियों, किराए के भवनों और अन्य प्रतिष्ठानों के निवास स्थान शामिल हैं। 11 मई से 9 जून तक, प्रगणक हाउस लिस्टिंग का कार्य करेंगे, जिसके तहत सभी संरचनाओं और आवास इकाइयों का चिन्हांकन और गणना की जाएगी।

जनगणना का दूसरा चरण फरवरी 2027 में शुरू होने वाला है, जिसके दौरान विस्तृत व्यक्तिगत जानकारी एकत्र की जाएगी। होलिकेरी ने आगे बताया कि जनसंख्या का व्यापक कवरेज सुनिश्चित करने के लिए घरों को ब्लॉकों में विभाजित किया जाएगा और उसी के अनुसार प्रगणकों को नियुक्त किया जाएगा।

कविता ने तेलंगाना राष्ट्र सेना नाम से नया राजनीतिक दल बनाया

हैदराबाद, 25 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना जागृति की अध्यक्ष के. कविता ने शनिवार को मेडचल-मलकाजगिरी जिले के मुनीराबाद में आयोजित एक जनसभा में अपने नये राजनीतिक दल, तेलंगाना राष्ट्र सेना (टी.आर.एस)की औपचारिक घोषणा की।

सुश्री कविता अपने समर्थकों और दल के कार्यकर्ताओं की उपस्थिति में एक रैली के साथ कार्यक्रम स्थल पर पहुंचीं। नये राजनीतिक दल की औपचारिक घोषणा से पहले उन्होंने शहीद स्मारक पर श्रद्धांजलि अर्पित की और तेलंगाना तल्ली की प्रतिमा तथा प्रसिद्ध विचारक प्रोफेसर जयशंकर को नमन किया।

सभा को संबोधित करते हुए सुश्री कविता ने तेलंगाना राष्ट्र सेना की घोषणा कोएक अविस्मरणीय दिन बताया और बुद्धिजीवियों, कार्यकर्ताओं, महिलाओं और युवाओं सहित तेलंगाना की जनता के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि इस दल के गठन का उद्देश्य तेलंगाना आंदोलन की अधूरी आकांक्षाओं को पूरा करना और पूरे राज्य में सामाजिक न्याय सुनिश्चित करना है।

राज्य प्राप्ति के संघर्ष को याद करते हुए उन्होंने शहीदों को श्रद्धांजलि दी और उल्लेख किया कि भले ही तेलंगाना सामूहिक प्रयासों से हासिल किया गया था, लेकिन परिकल्पित लक्ष्य अभी भी अधूरे हैं।

उन्होंने स्वीकार किया कि अतीत में शासन उम्मीदों पर खरा नहीं उतरा और समर्पित राजनीतिक कार्रवाई के माध्यम से उन कमियों को सुधारने की आवश्यकता पर बल दिया।

सुश्री कविता ने कहा कि नया दल सामाजिक न्याय, संवैधानिक मूल्यों और जन-केंद्रित शासन पर आधारित तेलंगाना के निर्माण की दिशा में काम करेगा। उन्होंने महिलाओं और युवाओं की भूमिका पर जोर दिया और राज्य प्राप्ति के आंदोलन के दौरान जमीनी भागीदारी जुटाने में तेलंगाना जागृति और बथुकम्मा आंदोलन के योगदान को याद किया।

अपने दल के दृष्टिकोण को रेखांकित करते हुए उन्होंने मुफ्त शिक्षा और मुफ्त चिकित्सा सेवाओं जैसे कल्याणकारी उपायों को प्राथमिकता देने का वादा किया और कहा कि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और स्वास्थ्य सेवा तक पहुंच हर नागरिक का अधिकार होना चाहिए, न कि कोई विशेषाधिकार।

नई पार्टी के उदय से भाजपा बेअसर विचारधारा ही हमारी ताकत

रामचंद्र राव और अरविंद का कविता पर निशाना

हैदराबाद, 25 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो): भाजपा तेलंगाना के अध्यक्ष एन. रामचंद्र राव ने शनिवार को कहा कि पार्टी नए राजनीतिक संगठनों के उदय से चिंतित नहीं है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि किसी भी दल की ताकत उसकी संख्या से नहीं, बल्कि उसकी विचारधारा से परिभाषित होती है। नामपल्ली स्थित पार्टी के राज्य कार्यालय में आयोजित 'दीन दयाल प्रशिक्षण अभियान' के दौरान पूर्व एमएलसी कलवकुंतला कविता द्वारा नई पार्टी की घोषणा पर प्रतिक्रिया देते हुए राव ने कहा कि जनता को यह आकलन करना चाहिए कि कौन सा दल वास्तव में सार्वजनिक कल्याण के लिए काम करता है।

उन्होंने दावा किया कि तेलंगाना में राजनीतिक माहौल भाजपा के लिए अनुकूल है और उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं से एकता और वैचारिक स्पष्टता के साथ आगे बढ़ने का आग्रह किया। उन्होंने पिछली बीआरएस सरकार की आलोचना करते हुए आरोप लगाया कि उसने राज्य को लूटा है। उन्होंने टिप्पणी की कि नए बने दल महज उसी पुराने राजनीतिक दृष्टिकोण का विस्तार हैं। राव ने यह भी रेखांकित किया कि नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार भ्रष्टाचार मुक्त शासन प्रदान कर रही है।इस बीच, भाजपा सांसद धर्मपुरी अरविंद ने कविता पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि जनता पहले ही पिछले नेतृत्व को नकार चुकी है, क्योंकि वे सामाजिक तेलंगाना देने में विफल रहे।

पोंगुलेटी ने जन शिकायतों के मौके पर समाधान के लिए प्रजा दरबा का किया शुभारंभ

हैदराबाद, 25 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो): राजस्व, आवास और सूचना मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी ने शनिवार को कहा कि जमीनी स्तर पर जनता की शिकायतों को समयबद्ध और पारदर्शी तरीके से हल करने के लिए राज्य भर में ''प्रजा दरबार'' आयोजित किए जा रहे हैं।

प्रजा पालन - प्रगति प्रणलिका पहल के हिस्से के रूप में, शनिवार को रायगुडेम क्लस्टर के तहत पालेरू निर्वाचन क्षेत्र में प्रजा दरबार का आयोजन किया गया। इस दौरान मंत्री ने कई ग्राम पंचायतों के निवासियों के साथ सीधा संवाद किया।

सभा को संबोधित करते हुए मंत्री ने कहा कि सरकार ने इस पहल को लागू करने के लिए पालेरू को एक मॉडल निर्वाचन क्षेत्र के रूप में चुना है, जिसे बाद में पूरे तेलंगाना में विस्तारित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इन मंचों के माध्यम से पीने के पानी, बिजली और धरणी पोर्टल के तहत भूमि संबंधी चिंताओं जैसे सामान्य मुद्दों का समाधान किया जा रहा है। उन्होंने जोर देकर कहा कि मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी द्वारा परिकल्पित प्रजा दरबार का मूल उद्देश्य लोगों की समस्याओं को कुशलतापूर्वक हल करके जनता का विश्वास जीतना है।

मंत्री ने स्पष्ट किया कि शिकायतों के निवारण में राजनीतिक संबद्धता का कोई प्रभाव नहीं है। उन्होंने कहा, जनसेवा पार्टी की राजनीति से परे है। पार्टियां केवल चुनाव के दौरान मायने रखती हैं; उसके बाद लोगों की समस्याओं का समाधान करना ही प्राथमिक जिम्मेदारी है। उन्होंने बताया कि पिछले समय में लोगों को अपनी बात रखने के लिए उचित मंच न होने के कारण कठिनाइयों का सामना करना पड़ा था, लेकिन अब अधिकारी सीधे नागरिकों तक पहुंच रहे हैं। प्रभावी समाधान सुनिश्चित करने के लिए, प्रत्येक पंचायत को समर्पित स्थान दिए गए जहां अधिकारियों ने मुद्दों की विस्तृत जांच की।

नकली चांदी का बड़ा घोटाला: सिकंदराबाद के व्यापारी से 15 लाख की ठगी

हैदराबाद, 25 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो): विश्वास और धोखे के एक बेहद सुनियोजित मामले में, एक अंतरराज्यीय गिरोह ने सिकंदराबाद के एक चांदी व्यापारी को 15 लाख रुपये का चूना लगाया है। गिरोह ने पहले असली लेनदेन के जरिए व्यापारी का भरोसा जीता और फिर नकली धातु थमाकर असली चांदी लेकर रफूचक्कर हो गए। पुलिस ने अब तक गिरोह के चार सदस्यों को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि एक अन्य आरोपी किसी दूसरे मामले में पहले से पकड़ा जा चुका है। सिकंदराबाद जोन की पुलिस उपायुक्त रक्षिता कृष्ण मूर्ति के नेतृत्व में इस गिरोह का पर्दाफाश किया गया।

शनिवार को मीडिया के सामने विवरण साझा करते हुए डीसीपी ने बताया कि पीड़ित पिछले एक दशक से सिकंदराबाद में रिफाइनरी चला रहा है। आरोपियों ने नियमित ग्राहक बनकर पहले कई बार 60 प्रतिशत शुद्धता वाली असली चांदी का लेनदेन किया, जिससे व्यापारी का उन पर अटूट विश्वास हो गया। इसी भरोसे का फायदा उठाते हुए वे इस बार कच्ची चांदी और एक कथित 'प्योरिटी

सर्टिफिकेट' के साथ आए। व्यापारी ने उस पर भरोसा कर बदले में 6.35 किलोग्राम रिफाइंड चांदी की छड़ें दे दीं, जिसकी कीमत करीब 15 लाख रुपये थी। बाद में जांच करने पर पता चला कि आरोपियों द्वारा दी गई धातु में चांदी की मात्रा 'जीरो' थी।

पुलिस जांच में खुलासा हुआ कि यह कोई इकलौती घटना नहीं थी। इसी गिरोह ने शहर के अन्य इलाकों, जैसे महंकाली और मार्केट पुलिस स्टेशन क्षेत्रों में भी इसी तरह की धोखाधड़ी की है। अनुमान है कि इस गिरोह ने अब तक कुल 12 किलोग्राम से अधिक चांदी इसी तरीके से हड़पी है। यह गिरोह उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश का रहने वाला है और दिल्ली, ओडिशा तथा मध्य प्रदेश जैसे कई राज्यों में सक्रिय रहा है। पुलिस के अनुसार, यह गिरोह एक निश्चित पैटर्न पर काम करता था: चरण 1: असली चांदी के साथ व्यापारियों से संपर्क करना। चरण 2: बार-बार लेनदेन कर विश्वास बनाना।

चरण 3: फर्जी प्रमाण पत्र के साथ नकली चांदी (0% शुद्धता) देना और असली चांदी लेकर फरार होना।

पुलिस ने आरोपियों के पास से 8 किलोग्राम से अधिक चांदी, 1.5 लाख रुपये नकद और धोखाधड़ी में इस्तेमाल किए गए कई मोबाइल फोन बरामद किए हैं। डीसीपी ने व्यापारियों से आग्रह किया है कि वे पिछले लेनदेन के आधार पर अत्यधिक भरोसा करने के बजाय, हर बार सामग्री और प्रमाण पत्रों की स्वतंत्र रूप से जांच जरूर करें। फिलहाल पुलिस इस गिरोह के नेटवर्क को पूरी तरह ध्वस्त करने के लिए आगे की जांच कर रही है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.